दैनिक
बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 185 | जयपुर | शनिवार , 10 मई, 2025 | बैशाख, शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत्-2082 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹5.00 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में भारत ने मार गिराए पाकिस्तानी ड्रोन, कई जगह ब्लैक आउट

फिर नाकाम रहा पाकिस्तान का हमला

जालिपा सैन्य छावनी को बनाया निशाना

फिरोजपुर में एक परिवार के लोग झुलसे, भारत ने सभी जगह हमले नाकाम किए

3 राज्यों में 19 जगह हमले

- जम्मू-कश्मीर : जम्मू, सांबा, राजौरी, अवंतीपोरा, पुंछ, कुपवाड़ा, श्रीनगर, बारामुला
- पंजाब : फिरोजपुर, फाजिल्का, अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, करतारपुर, बठिंडा
- राजस्थान : जैसलमेर, श्रीगंगानगर, पोकरण, बाड़मेर

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। राजस्थान की पश्चिमी सरहद पर सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण बाड़मेर के उत्तरलाई वायुसेना स्टेशन पर शुक्रवार की रात 9 बजकर 03 मिनट के करीब पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला किया गया। उत्तरलाई को पाकिस्तान ने दूसरी बार टारगेट किया है। दो दिन पहले टारगेट ड्रोन को पाक की सरहद में ही ध्वस्त कर दिया गया था।

इस बार भी हमले को नाकाम कर दिया गया है।

धमाकों की सुनाई दी आवाज

बता दें कि यह जगह सामरिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में पहले से ही यहां सुरक्षा को लेकर पूर्ण सावचेती बरती हुई है। शुक्रवार रात करीब 9 बजे के बाद अचानक उत्तरलाई के पास में तीन धमाकों की आवाज सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि आसमान में ड्रोन नजर आए। इसके बाद में धमाकों की तीन गूंज भी सुनाई दी। इससे प्रशासन भी रेड अलर्ट मोड में अति सक्रिय हो गया।

बजाया गया सायरन

जिला कलक्टर टीना डाबी ने इसी क्षण सभी को एक संदेश भी भेजा, जिसमें लोगों को तत्काल घरों के अंदर रहने को कहा गया। हालांकि रेड अलर्ट और ब्लैकआउट होने से पहले से ही लोग घरों में थे और अंधेरा छाया हुआ था। इस दौरान सायरन की आवाज कई बार सुनाई दी। इधर, आसमान में रोशनी भी कई देर तक देखी गई है। करीब एक घंटा तक आसमान में ड्रोन नजर आए। इधर रात 9.30 के बाद जालिपा सैन्य छावनी के निकट भी ड्रोन अटैक हुआ।

कलक्टर ने लिखा

कलक्टर टीना डाबी ने 9 बजकर 09 मिनट पर रेड अलर्ट में घरों में रहने की चेतावनी दी। वहीं 9 बजकर 47 मिनट पर फिर कलक्टर ने लिखा कि पूरी तरह से ब्लैकआउट है। जो जहां है वहीं पर रहें। कोई मूव न करें। आपको बता दें कि शुक्रवार रात को जैसलमेर में ड्रोन अटैक की सूचना है।

पाकिस्तान से बढ़ते विवाद के बीच कई ट्रेनें कैंसिल

जयपुर। पहलगाम हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने राजस्थान में 5 सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

इसके बाद 9 मई (शुक्रवार) को बाड़मेर, जैसलमेर, मुनाबाव की ओर चलने वाली ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। कुल 4 ट्रेनें पूरी तरह रद्द की गई हैं, 2 ट्रेनें आंशिक रद्द रहेंगी। 5 ट्रेनों को रीशेड्यूल किया गया है। 3 ट्रेनों का मार्ग रेगुलेट किया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया- सीमा पर ब्लैकआउट और इमरजेंसी कंडीशंस के कारण रेलवे ने यह कदम एहतियातन उठाया है।

यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी रेलवे की वेबसाइट या हेल्पलाइन से प्राप्त करें।

मोदी ने राजनाथ और शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक की

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही सैन्य कार्रवाई के कारण निरन्तर बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार रात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक में स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक के बारे में जानकारी दी। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन कर की जा रही कार्रवाई तथा उसके जवाब में भारतीय सेनाओं की कार्रवाई की जानकारी दी।

बाड़मेर में पाकिस्तान ने किया ड्रोन हमला, भारत ने किया नाकाम

जैसलमेर के बाद बाड़मेर में भी पाकिस्तान ने ड्रोन अटैक किया है। जैसलमेर के पोकरण में पाकिस्तान की ओर से आधे घंटे में 2 बार ड्रोन से हमले किए गए। बाड़मेर में भी ड्रोन अटैक हुआ है। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

7-8 मई की दरमियानी रात और 8 मई की रात को राजस्थान में 5 सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था, जिन्हें हवा में ही मार गिराया गया।

बॉर्डर वाले जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, फलोदी के साथ ही जोधपुर में भी पूरी तरह ब्लैकआउट है।

जैसलमेर: मिलिट्री स्टेशन, डेजर्ट वॉरफेयर स्कूल/काउंटर इंसर्जेंसी एंड जंगल वारफेयर स्कूल, एयरफोर्स स्टेशन, पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज।

बाड़मेर: उत्तरलाई एयरबेस और जालीपा मिलिट्री स्टेशन।

पोकरण में लगातार दूसरी रात सुनाई दी धमाकों की आवाज, नजर आई लाल रोशनी, हाई अलर्ट

बढ़ता राजस्थान

जैसलमेर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच उपजा विवाद अब अपने चरम पर है। इस बीच राजस्थान के पोकरण से बड़ी खबर सामने आ रही है। पोकरण कस्बे में शुक्रवार को लगातार दूसरी रात भी आसमान में लाल रंग की रोशनी व धमाके की आवाज सुनाई दी, जिससे कस्बेवासी सहम गए। वहीं प्रशासन हाई अलर्ट पर है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन अटैक किया गया है या फिर सेना की ओर से पूर्वाभ्यास हो रहा है। वैसे ड्रोन हमले की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि जैसे ही पोकरण में धमाकों की आवाज सुनाई दी जोधपुर में 12:00 बजे किया जाने वाला ब्लैकआउट 9:00 बजे ही कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को भारतीय सेना लगातार माकूल जवाब दे रही है। गौरतलब है कि सरहदी जिले के पोकरण में गुरुवार रात भी करीब साढ़े नौ बजे आसमान में लाल रंग की रोशनी नजर आई थी और उसके बाद तेज धमाके भी हुए।

धमाकों की आवाज से कस्बेवासी सहम गए थे। रात करीब साढ़े नौ बजे आसमान में अचानक लाल रंग की रोशनी देखी गई थी।

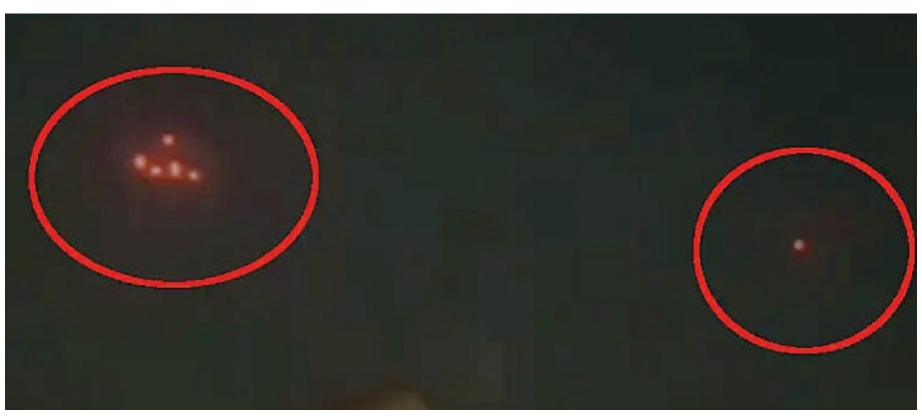

4 बजे बाजार हो गए बंद, पुलिस रही तैनात

पोकरण में प्रशासन की ओर से शुक्रवार को दोपहर बाद बाजार बंद करवा दिए गए। जिससे मुख्य मार्गों व बाजारों में सन्नाटा पसरा नजर आया। भारत-पाकिस्तान के बीच उपजे विवाद के चलते सरहदी जिलों में प्रशासन की ओर से आमजन को हिदायत दी जा रही है। शुक्रवार को दोपहर बाद 4 बजे बाजार बंद करने और 6 बजे बाद अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने के लिए प्रशासन की ओर से निर्देश जारी किए गए थे।

जैसलमेर कलेक्टर का नया आदेश, लिए कई सख्त फैसले

सरहदी जिले के परमाणु नगरी पोकरण में प्रशासन, पुलिस व नगरपालिका की ओर से मुनादी करवाई गई। 4 बजे दुकानदारों व व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद करनी शुरू कर दी। 5 बजे बाद कस्बे के मुख्य चौराहे, मुख्य मार्गों, बाजारों में सन्नाटा पसर गया। 6 बजे बाद ब्लैक आउट की घोषणा के चलते लोगों ने घरों में लाइटें बंद कर दी। जिससे अंधेरा पसर गया।

नागरिक उड़ानों के लिए कम से कम 24 हवाई अड्डे 15 मई तक बंद

नई दिल्ली। सरकार ने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 24 हवाई अड्डे 15 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए श्रीनगर और चंडीगढ़ सहित देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 24 हवाई अड्डे10 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद किए गए थे।

विभिन्न एयरलाइंस ने कहा कि 15 मई तक हवाई अड्डों के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण उनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों ने कहा कि 15 मई के 05:29 बजे तक नागरिकों की उड़ानों के लिए कम से कम 24 हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया है। हवाई अड्डों में चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंतर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, धर्मशाला और बठिंडा शामिल हैं। जैसलमेर, जोधपुर, लेह, बीकानेर, पठानकोट, जम्मू, जामनगर और भुज भी उन अन्य हवाई अड्डों में शामिल हैं।

भारत के मुंहतोड़ जवाब से दहशत में पाकिस्तान

गिड़गिड़ाते रक्षा मंत्री ने चीन-ईरान-सऊदी से मांगी मदद

बढ़ता राजस्थान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने अब दूसरे देशों के सामने गिड़गिड़ाना शुरू कर दिया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान हर दिन ईरान, सऊदी अरब, चीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से कूटनीतिक बातचीत कर रहा है। नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए आसिफ ने कहा, भारत ने सीधे हमले के लिए नहीं, बल्कि जासूसी के मकसद से ड्रोन हमले किए थे। भारत के ड्रोन को एक सुरक्षित सीमा तक अंदर आने दिया गया और फिर उन्हें गिरा दिया गया, ताकि संवेदनशील जगहों का पता न चले। वहीं, पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता तरार ने दावा किया कि बुधवार से शुक्रवार तक कुल 77 ड्रोन गिराए गए। पहले 29 ड्रोन गिराए और फिर रातभर में 48 ड्रोन गिराए गए। भारत ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने बीती रात 300 से 400 ड्रोन भेजे थे, जो लेह से लेकर सर क्रीक तक 36 जगहों पर भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने आए थे, लेकिन भारतीय सेना ने उन्हें नाकाम कर दिया। भजब भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और पाकिस्तान की ओर से 15 भारतीय शहरों पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया।

सऊदी अरब के विदेश मंत्री का भारत-पाकिस्तान दौरा

आसिफ ने दोहराया कि पाकिस्तान सरकार क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए हर दिन कूटनीतिक प्रयास कर रही है। इस बीच, सऊदी अरब के विदेश मामलों के मंत्री आदेल अल-जुबैर आज इस्लामाबाद पहुंचे। इससे पहले वे दिल्ली में थे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और भारत की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर की गई कार्रवाई पर चर्चा की। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराकची भी बुधवार देर रात एक पूर्व निर्धारित दौरे पर भारत पहुंचे थे। भारत के ड्रोन हमलों ने पाकिस्तान की हालत खराब कर दी है। पाकिस्तानी स्वास्थ्य मंत्री सैयद मुस्तफा ने कहा कि देश में अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग को हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

फूटा राष्ट्रपति ट्रंप का गुस्सा

'जल्द से जल्द ड्रोन हमले रोक दो...',

बढ़ता राजस्थान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव पर अमेरिका सहित पूरी दुनिया की नजर है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने बौखलाहट में आकर भारत पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया है।

भारत-पाकिस्तान तनाव पर ट्रंप की नजर

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव पर कहा, यह कुछ ऐसा है जिसमें विदेश मंत्री और अब हमारे एनएसए मार्को रुबियो भी लगातार नजर रख रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस तनाव को जल्द से जल्द कम करने की अपील कर रहे हैं।

सम्पादकीय कार्यालयः-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरु, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिला कलेक्टर ने जारी किए आदेश

आतिशबाजी और ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध

बढ़ता राजस्थान

खैरथल-तिजारा। जिले में लोक शांति, आंतरिक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी कर जिले की समस्त नगरीय एवं ग्रामीण सीमा में ड्रोन कैमरों, हॉट एयर बैलून, यएवी आदि की उड़ान पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। यह निषेधाज्ञा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी की गई है।

जिला प्रशासन ने वर्तमान परिस्थितियों में ड्रोन कैमरे या आतिशबाजी जैसे साधनों का उपयोग कर लोक शांति भंग होने, कानून व्यवस्था बाधित होने और आंतरिक सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। इसी के मद्देनजर यह प्रतिबंधात्मक कदम उठाया गया है। आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति ड्रोन, यएवी, हॉट एयर बैलून आदि नहीं उड़ा सकेगा, पटाखों की बिक्री बिना सक्षम अधिकारी द्वारा जारी अनुज्ञा-पत्र के प्रतिबंधित रहेगी। आतिशबाजी का प्रयोग भी केवल संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेट की अनुमति से ही किया जा सकेगा। यह आदेश सैन्य, अर्धसैनिक बलों और पुलिस विभाग द्वारा संचालित सामरिक गतिविधियों पर लागू नहीं होगा।

यह आदेश 09 मई 2025 से आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा। आदेश की अवहेलना पर व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर किशोर कुमार ने समस्त नागरिकों से अनुरोध किया है वे इस आदेश का कड़ाई से पालन करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

आमजन डरे नहीं लेकिन सतर्क और जागरूक रह कर सरकार का सहयोग करें : कलक्टर

हर हाल में सुनिश्चित हो पर्याप्त रसद, अस्पतालों में 24 घंटे उपलब्ध रहें चिकित्सक, एम्बुलेंस, दवाइयाँ और संसाधन : कलक्टर

हर परिस्थिति में आमजन की सुरक्षा को लेकर पुलिस सदैव तत्पर-एसपी

आमजन सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी सूचनाओं से बचें और न करें फॉरवर्ड-एसपी

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बालमुकुंद असावा तथा एसपी मनीष त्रिपाठी ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर वर्तमान स्थितियों के मध्यनजर आपदा की संभावित स्थितियों से निपटने हेतु विभिन्न विभागों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को समन्वय के साथ तुरंत प्रभाव से कार्य योजना तैयार करने को कहा ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित व प्रभावी राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा, एएसपी महेंद्र पारीक, एसडीएम बृजेश गुप्ता सहित आपदा और राहत संबंधी सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर असावा ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए हम सभी को देश के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करना है, आमजन पेनिक नहीं हो, घबराए नहीं और उन्हें हम समय पर राहत दे पाएं यह प्रशासन का दायित्व है। सभी अधिकारी आमजन को एयर रेड से बचने के उपायों और एक नागरिक होने के नाते उनके दायित्वों से अवगत कराएं। सभी विभाग सौंपी गई जिम्मेदारी का अक्षरशः निर्वहन करें। सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक, झूठी और निराधार सूचना दिखाई देने पर तुरंत सूचित करें और किसी भी गलत सूचना को अपनी ओर से फॉरवर्ड नहीं करें।

एसपी मनीष त्रिपाठी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियाँ उत्पन्न होने पर प्रभावित क्षेत्रों में हमें भी मदद के हाथ बढ़ाने पड़ सकते हैं, ऐसे में सभी अधिकारी संसाधन तैयार रखें, हर समय अलर्ट रहें और टीम को मजबूत रखें। जिले में रसद की कमी न हो, पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित हो, अस्पतालों में संसाधन पर्याप्त हों। रक्तदाताओं की सूची भी तैयार रखें ताकि जरूरत पड़ने अन्य स्थानों पर जाकर मदद की जा सके। कोई भी फेक न्यूज़ सामने आने पर तुरंत अवगत कराएं। ऐसे निर्देश जो हर व्यक्ति के लिए जरूरी है, वे पुलिस की व्यापक सूचना प्रणाली के माध्यम से जन जन तक पहुंचाए जा सकते हैं। पुलिस विभाग आमजन की सुरक्षा को लेकर सदैव तत्पर है।

सभी एम्बुलेंस 24 घंटे तत्पर रहें, दवाओं और रक्त की न हो कमी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हेमंत बिंदल को कलक्टर ने कहा कि हर अस्पताल में 24 घंटे चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ उपलब्ध रहे, अगर कोई अवकाश पर हो तो उन्हें वापिस बुला लें। समस्त नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाइयों, डॉक्टरों, उपकरणों और स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ब्लड बैंक में सभी रक्त समूहों के रक्त की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने के निर्देश दिए।अस्पतालों में ब्लैक आउट संभव नहीं होता ऐसे में परदों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दोनों जिला चिकित्सालय सहित सभी उप जिला चिकित्सालय, सीएचसी, पीएचसी, उप स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्देशों की अनुपालना कराने की बात कही। जिला कलक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि आपदा प्रबंधन हेतु आपसी समन्वय और तत्परता बनाए रखें, जिससे किसी भी आपात स्थिति में आमजन को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

गांवों तक हो प्रभावी अनाउंसमेंट सिस्टम

बैठक में जिला कलक्टर ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा को पंचायत एवं ग्राम स्तर पर सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं की पूर्ण जानकारी रखने, आपदा की स्थिति में सहयोग के लिए सक्षम नागरिकों की सूची तैयार करने, ग्राम स्तर पर भी अनाउंसमेंट की व्यवस्था करने तथा राहत कार्य हेतु उपयुक्त स्थानों का चिन्हीकरण करने को कहा गया।

पर्याप्त रसद हो सुनिश्चित

संबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेटों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थलों की सूची अद्यतन कर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा गया। जिला रसद अधिकारी को खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आवश्यक वस्तुओं के अनावश्यक भंडारण पर रोक लगाने की जिम्मेदारी दी गई। साथ ही उन्हें निर्देश दिए कि हॉलसेलर्स को स्टॉक बनाए रखने के लिए पाबंद करें, साथ ही कालाबाजारी जैसी गतिविधि किसी भी हाल में न हो।

179.27 करोड़ की चार बड़ी पेयजल योजनाएं इस वर्ष होंगी पूर्ण, मिलेगी आमजन को सौगात

कलक्टर असावा कर रहे विकास कार्यों को मॉनिटर, कहाः निर्धारित समय में पूर्ण करें कार्य

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिले में आगामी महीनों में 179.27 करोड़ रुपए लागत की चार महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाएं पूर्णता की ओर अग्रसर हैं, जिनके माध्यम से आमजन को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जिला कलक्टर श्री बालमुकुन्द असावा द्वारा इन परियोजनाओं की निरंतर और प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।एसई रामवतार सैनी ने बताया कि पहली और महत्वपूर्ण योजना बाघेरी-चिकलवास पुनर्गठन पेयजल परियोजना है। इस परियोजना का कार्य 133 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत 28 जुलाई 2021 को हुई थी। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार यह परियोजना 30 जून 2025 तक पूर्ण कर ली जाएगी।दूसरा कार्य ग्रामीण जल योजना-जुणदा-लापस्या तथा कोटडी-काबरा का है। 37 करोड़ रुपए की लागत वाली यह योजना 25 जून 2023 से प्रगतिशील है और इसे 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

ऐसे ही एक अन्य कार्य भैसाकमेड़-उसरवास-रेबारियों की ढाणी-बड़ी बल्लों की भागल पेयजल परियोजना 9.27 करोड़ रुपए की लागत से संचालित इस योजना की शुरुआत 25 मार्च 2024 को हुई थी, और इसे 30 मई 2025 तक पूर्ण करने की संभावना है।

श्री असावा ने कहा कि इन योजनाओं के समय पर पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति को सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर लोकार्पण की प्रक्रिया सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शीघ्र ही इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

कांकरोली में सरेआम भिड़े तीन युवक

मारपीट में एक घायल, पुलिस ने तीनों को पकड़ा

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिला मुख्यालय पर कांकरोली पुराना बस स्टैंड के समीप आपसी कहासुनी के बाद तीन युवक आपस में भिड़ गए, बात इतनी बढ़ी कि इनमें हाथापाई शुरू हो गई। देखते ही देखते एक युवक ने दोनों युवक के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया, बात बढने के बाद एक युवक ने दूसरे युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, आपस में गुत्थमगुत्था होने के दौरान एक युवक के सिर से खून बहने लगा। सार्वजनिक स्थान पर हो रहे इस झगड़े को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, लेकिन उनमें से अधिकांश तमाशबीन बने रहे। दोनों को छूडने के लिए पहुंचे एक पुलिस के जवान के साथ भी बदमाशों ने बत्तमीजी की। बाद में यातायात थाने के एएसआई मुकेश फौजदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने हस्तक्षेप कर झगड़ रहे दोनों युवकों को अलग किया। उन्होंने वहां एकत्रित भीड़ को भी हटाया। घटना की सूचना मिलने पर कांकरोली थाने की पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और तीनों झगड़ालू युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। इस सार्वजनिक झगड़े के कारण मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी, जिससे कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बन गई थी। पुलिस अब दोनों युवकों से पूछताछ कर झगड़े के कारणों का पता लगा रही है।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय सेना के शौर्य की सराहना करते हुए बालिकाओं का आह्वान किया है कि वे कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तरह राष्ट्र का गौरव बनें। उन्होंने बालिकाओं को देश का गौरव बताते हुए कहा कि 'राष्ट्र सर्वोच्च' के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं में आरंभ से ही राष्ट्रभक्ति का बीजारोपण किया जाए। राज्यपाल बागडे शुक्रवार को माहेश्वरी पब्लिक इन्टरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह मुस्कान में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने आर्यभट्ट, भास्काराचार्य की चर्चा करते हुए कहा कि पूरे विश्व को गुरूत्वाकर्षण और खगोल का वास्तविक ज्ञान भारत की देन है। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान के आलोक में नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ा जाने पर जोर दिया।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बना पत्रकार की छवि धूमिल करने की साजिश

साइबर क्राइम में मामला दर्ज

बढ़ता राजस्थान

साहवा (नि.स.)। साहवा के पत्रकार कृष्ण कुमार के नाम का दुरुपयोग कर किसी असामाजिक तत्व ने स्टार सिटी न्यूज नेटवर्क साहवा नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अमर्यादित भाषा वाले भड़काऊ वीडियो स्टोरी में अपलोड किए। वीडियो से न सिर्फ पत्रकार की सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, बल्कि देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भी साजिश रची गई।

पत्रकार द्वारा साहवा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने साइबर अपराध के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को फर्जी आईडी के स्क्रीनशॉट, स्टोरी रिकॉर्डिंग और यूआरएल कोड सहित सभी साक्ष्य उपलब्ध करवाए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि इस कृत्य के पीछे कोई स्थानीय असामाजिक तत्व हो सकता है।

इनका कहना

किसी असामाजिक तत्व ने मेरे नाम और पद का दुरुपयोग करते हुए फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उस पर देश में सांप्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने जैसे कुछ भड़काऊ भाषण के वीडियो अपलोड किए तथा मुझ पत्रकार की सामाजिक छवि धूमिल करने की साजिश रची, जिस पर पुलिस थाना साहवा में साइबर अपराध के तहत मामला दर्ज करवाया गया।

■ पत्रकार कृष्ण कुमार, साहवा

पर्यावरण संरक्षण के लिए अनोखी पहल सेल्फी विद परिंडा अभियान का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति एनजीओ ने परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ अभियान के तहत सेल्फी विद परिंदा कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस अभियान का उद्देश्य पक्षियों के लिए परिंडे लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं एनजीओ अध्यक्ष मोहन लाल सैनी ने बताया कि जो भी व्यक्ति इस अभियान में शामिल होगा और पक्षियों के लिए परिंडा लगाएगा, उसे एमएसडी एनजीओ की तरफ से पर्यावरण प्रेमी अवार्ड से नवाजा जाएगा। यह अवार्ड जिला कलेक्टर द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस अभियान में शामिल होने के लिए आप अपना सेल्फी विद परिंदा का छायाचित्र 8740065571, 9460105283, 9214587738 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं।

केलवा में निवेश के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी, 4 के खिलाफ मामला दर्ज

क्रिप्टो मीडिया नेटवर्क कंपनी में निवेश का झांसा देकर धोखाधड़ी करने का आरोप

तीन गुना रकम वापस करने का लालच देते थे आरोपी

करीब 2 साल में टुकड़ों टुकड़ों में पीड़ित करवाया गया निवेश

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। राजसमंद जिले के केलवा थाना क्षेत्र में बैंक खाते के दुरुपयोग और निवेश के नाम पर धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। पीड़ित कृष्ण पाल सिंह ने इस्तगासे के माध्यम से केलवा थाने में विनोद कलाल, प्रियंका कलाल, कन्हैयालाल कलाल और प्रवीण चौधरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित कृष्ण पाल सिंह का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें क्रिप्टो मीडिया नेटवर्क कंपनी में निवेश करने का झांसा दिया था और तीन गुना रकम वापस करने का लालच दिया था। इस लालच में आकर कृष्ण पाल सिंह ने अपने घर-परिवार के करीब 50 लाख रुपये आरोपियों को निवेश कर दिए। यह निवेश पिछले करीब दो सालों में किश्तों में करवाया गया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने ट्रेड एक्सचेंज में लिस्टिंग कराने और मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर उनसे निवेश करवाया था। उन्होंने स्टांप पेपर पर तीन गुना रकम वापस करने का वादा भी किया था। बताया जा रहा है कि इस चिटफंड जैसी कंपनी में निवेश करके क्षेत्र के कई अन्य लोग भी धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। केलवा थाने के एएसआई इंद्र सिंह ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आर्तिका शुक्ला ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में पुलिस अधीक्षक, उपखण्ड अधिकारियों एवं सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है।

जिला कलक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार शादियों एवं अन्य कार्यक्रमों इत्यादि के लिए प्राइवेट ड्रोन का उपयोग नहीं किया जाए। रात में व विशेषकर ब्लैक आउट के समय ऐसे ड्रोन को उडाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रखा जाए। किसी भी बडी सभा या समारोह जिसमें अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना हो का आयोजन नहीं किया जाए एवं अति आवश्यक हो तो दिन के समय में ही इस प्रकार के आयोजन किए जाएं।

शादियों व अन्य समारोह में रोशनी इत्यादि के लिए अधिक व्यवस्था नहीं की जाए। ब्लैक आउट होने की स्थिति में आवश्यक रूप से रोशनी को बन्द किया जाए। शादियों व अन्य समारोह में पटाखे इत्यादि का प्रयोग नहीं किया जाए। गृह विभाग जयपुर के आदेश में दिए निर्देशानुसार एनसीआर क्षेत्र में आतिशबाजी को पूर्णतः प्रतिबंध किया जिसकी पालना सुनिश्चित की जावे। सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, पर्यटक स्थलों, बस स्टैण्डों, रेलवे स्टेशनों जैसी जगहों पर जहां सामान्यतः भीड होती है वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा शाम और रात के समय विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही सायरन के संबंध में जनसाधारण को टीवी चैनल, रेडियो, सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से बताने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बडे धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण पर्यटकों स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों जैसे बांधों, बिजली घरों और जीएसएस इत्यादि की सुरक्षा पर सतत निगरानी रखी जाए।

17 मई को जनसम्पर्क अधिकारी भर्ती परीक्षा को निरस्त कर नई तिथि घोषित कर अभ्यार्थियों को राहत प्रदान करे

आपत स्थिति के कारण अनेक अभ्यार्थी होंगे परीक्षा से वंचित

राज्य सरकार ने छुट्टी पर लगा रखी है पूर्णतः पाबंदी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। आपात स्थिति के मध्यनजर जहां स्कूल और कॉलेज बंद कर परीक्षाओं को निरस्त किया जा रहा है वहीं पर आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड पर भर्ती परीक्षा आयोजित करने का जूनुन सवार है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने तो हद ही कर दी उसने आदेश निकाला है कि जो अभ्यार्थी परीक्षा में नहीं बैठेगा उनके जुर्माना लगाया जाएगा। अब सोचने वाली बात ये है कि क्या ऐसे माहौल में परीक्षा कराना अति आवश्यक है या देश व देशवासियों की सुरक्षा जरूरी है?

17 मई को है पीआरओ की परीक्षा

आरपीएससी द्वारा 17 मई को 6 पदों के लिए जनसंपर्क अधिकारी की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जबकि आपात स्थिति को देखते हुए अभ्यार्थियों का परीक्षा के लिए आना संभव नहीं है। ऐसे में मात्र 6 पदों के लिए 17 मई को आयोजित की जा रही परीक्षा को आगामी आदेशों के लिए निरस्त नहीं किया जाना चाहिए?

कैसे आयेंगे अभ्यर्थी

वर्तमान स्थिति को देखते हुए बॉर्डर एरिया में रहने वाले अभ्यार्थियों के लिए परीक्षा में शामिल होना संभव नहीं है। क्यूं के अधिकतर अभ्यार्थी इस भर्ती के पत्रकार है और ऐसी आपात स्थिति में किसी भी पत्रकार को अवकाश मिलना संभव नहीं होगा। और बहुत से अभ्यार्थी संविदा पर कार्यरत है, कुछ स्वयं सेवक या होमगार्ड में सेवाएं दे रहे है जो परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते। ऐसे में आरपीएससी को देखना चाहिए कि ज्यादातर अभ्यार्थी जब परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते तो परीक्षा को आगे कर ऐसे अभ्यार्थियों को राहत प्रदान की जाए।

सुरक्षा का है अहम सवाल

जहां प्रतिदिन पाकिस्तान की ओर से ड्रोन या हवाई हमले किए जा रहे है, जिसके कारण अंतराष्ट्रीय स्तर का आईपीएल भी स्थगित करना पड़ा। ताकि कोई अनहोनी ना हो जाए। ऐसे में आरपीएससी क्यू अभ्यार्थी के जीवन को जोखिम में डालना चाहती है। क्या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यार्थियों के जीवन की कोई कीमत नहीं है।

अनेक परिक्षाएं स्थिगित की गई

आपातस्थिति के कारण स्कूल-कॉलेजों की परीक्षा स्थिगित की गई है वहीं सीए की परीक्षा भी निरस्त कर दी है। क्या आरपीएससी व कर्मचारी चयन बोर्ड को भी अभी आयोजित होने वाली परीक्षाओं को निरस्त नहीं करना चाहिए? क्यू के अभी परीक्षा से ज्यादा जरूरी आमजन की सुरक्षा है। आरपीएससी अध्यक्ष से आग्रह है कि आपात स्थिति को देखते हुए जन सम्पर्क अधिकारी की 17 मई को होने वाली परीक्षा को निरस्त करते हुए नई परीक्षा तिथि घोषित कर हजारों अभ्यार्थियों को राहत प्रदान करें। नहीं तो अनेक अभ्यार्थी परीक्षा से वंचित रह जाएंगे। जिसके जिम्मेदार आप होंगे।

आमजन में जागरुकता एवं आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण के हर संभव प्रयास हो सुनिश्चित

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिए निर्देश
- नागरिक सुरक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन के मुद्दों पर की चर्चा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शुक्रवार को नागरिक सुरक्षा विभाग के चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन, डिविजनल वार्डन, डिप्टी डिवीजनल वार्डन की बैठक ली। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को वर्तमान हालातों के मद्देनजर आमजन में जागरुकता एवं आपदा प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण के हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने नागरिक सुरक्षा विभाग के पदाधिकारियों को सक्षम जयपुर अभियान के तहत जयपुर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयों, संघ-संगठन के मुख्यालयों सहित अन्य स्थानों पर नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपातकाल के समय आपदा प्रबंधन एवं बचाव की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने की मुहिम चलाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने क्षेत्र के भामाशाहों को प्रेरित कर जन सहयोग से अधिक से अधिक संख्या में सायरन स्थापित करने की भी अपील की ।बैठक में जिला कलक्टर ने नागरिक सुरक्षा के पदाधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा जनप्रतिनिधियों, संघों-संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रत्येक नागरिक को आपातकालीन सुरक्षा उपायों का बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करने एवं ब्लैक आउट जैसी स्थिति में 'क्या करें, क्या ना करें' गाइडलाइन की जानकारी देने एवं गाइडलाइन की पालना के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया ।जिला कलक्टर ने पदाधिकारियों को अपने डिवीजन में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को क्षेत्र के अस्पतालों, ब्लड बैंकों, रक्तदाताओं, सुरक्षित स्थानों सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की सूची बनाने एवं उनकी उपलब्धता बनाने रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एयर स्ट्राइक जैसी आपदा के दौरान सायरन की आवाज के अधिक से अधिक नागरिकों को सतर्क करने के लिए मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों सहित अन्य सभी भवनों जहां ध्वनि प्रसारण यंत्रों की उपलब्धता हो वहां से सायरन की ध्वनि का प्रसारण करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष कुमार मीणा, नागरिक सुरक्षा विभाग के उप नियंत्रक अमित शर्मा, नागरिक सुरक्षा विशेषज्ञ श्री फूलचंद चौधरी सहित चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन, डिविजनल वार्डन, डिप्टी डिवीजनल वार्डन मौजूद रहे।

श्री भोमियां जी महाराज का 54 वाँ विशाल मेला 11 मई को

आयोजन की तैयारियों को लेकर हुआ बैठक का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कस्बे की ढ़ाणी कायथावाली में श्री भोमियां जी महाराज का 54 वाँ विशाल मेला आगामी 11 मई को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर 10 मई शनिवार को प्रातः 08 बजे से अखण्ड श्रीरामचरित्र पाठ, 11 मई रविवार को प्रातः 07.15 बजे से कलश यात्रा, प्रातः 09.15 बजे से हवन यज्ञ, दोपहर 12.15 बजे से प्रसादी वितरण एवं रात्रि 09.15 बजे से सत्संग का भी आयोजन किया जायेगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर गुरूवार को श्री भोमियां जी महाराज मंदिर में श्री श्री 1008 श्री जानकीदास महाराज के सानिध्य में बैठक का आयोजन हुआ।

इस दौरान बाबूलाल सैनी, बबलू बबेरवाल, जौहरीलाल सैनी, जगदीश सैनी, महावीर सैनी, राजेश सैनी, रामस्वरूप सैनी, नरेश सैनी, संजय दैया, तेजराम सैनी, ओमप्रकाश सैनग्री, महेंद्र सैनी, रमेश सैनी, हरि सैनी, मनोज सैनी, रोहतास सैनी आदि मौजूद रहे।

स्कैमर तेरी खैर नहीं डॉ. नीरज सिंह ने ठगों के खिलाफ खोला मोर्चा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सामाजिक न्यायिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह ने आम जनता को लूटने वाले स्कैमर्स के खिलाफ कड़े शब्दों में नाराज़गी ज़ाहिर की है। उन्होंने कहा, 'मुझे किसी से बैर नहीं, लेकिन स्कैमर तेरी खैर नहीं।' डॉ. सिंह ने अनुराग गर्ग जैसे लोगों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ये लोग मासूम जनता की आंखों में धूल झोंक कर करोड़ों रुपये का घोटाला कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल को अनुराग गर्ग को गाजियाबाद जेल भेजा गया, लेकिन उसके कई साथी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि अनुराग गर्ग के प्रमुख सहयोगी संदेश वर्मा, कमलदीप वर्मा, मलीना वेव्स, सूरज और अरविंद सिंह आज भी बाहर हैं, जबकि इन्हें भी जेल के अंदर होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि 2017 से अनुराग गर्ग स्कैम की दुनिया में सक्रिय है। उसका पहला घोटाला 'वेब वर्क' नाम की कंपनी के ज़रिये हुआ, जिसमें हजारों करोड़ की ठगी की गई। इस मामले में सीबीआई ने उसे गिरफ्तार किया था। जेल से छूटते ही अनुराग ने 'डब्ल्यूवाए स्केल' नाम से एक नई कंपनी शुरू की, जिसमें उसका नया पार्टनर बना अरविंद सिंह। अरविंद सिंह खुद भी एक बड़ा स्कैमर है जिसने 'यूनी पे 2 पे' नामक कंपनी के ज़रिये करीब 600 करोड़ रुपये का घोटाला किया था। ईडी ने उसे भी जेल भेजा था। डॉ. नीरज सिंह ने सवाल उठाया कि आखिर कब तक आम जनता ऐसे ठगों के हाथों लुटती रहेगी? उन्होंने मांग की कि सरकार को इन स्कैमर्स के खिलाफ कड़ा कानून बनाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई इस तरह से ठगी करने की हिम्मत न कर सके।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पीएचसी रघुनाथपुरा और प्राथमिक विद्यालय आसपुरा का किया औचक निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शुक्रवार को रघुनाथपुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आसपुरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, निःशुल्क दवा योजना, निःशुल्क जांच योजना, मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु कार्ययोजना, चिकित्सा इकाई पर बेहतर साफ-सफाई, चिकित्सा संस्थान पर चिकित्सा अधिकारी-प्रभारी कार्मिकों की उपस्थिति, विभाग से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीएचसी के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। शौचालय और साफ-सफाई का जायजा लेते हुए सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने मौके पर मेडिकल ऑफिसर एवं 2 कार्मिक अनुपस्थित पाए जाने, ओपीडी कम पाए जाने एवं साफ-सफाई की उचित व्यवस्था नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने एवं सफाई हेतु सम्बन्धित को पाबंद करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के उपायों को अपनाने के निर्देश दिये। स्टोर में दवाईयों का पर्याप्त भण्डारण रखने, चिकित्सा केंद्र पर दवाईयों को नियमानुसार व्यवस्थित तरीके से रखने, ओपीडी रजिस्टर में ओपीडी क्रमांक सही से डालने के निर्देश दिए एवं केंद्र पर आगंतुकों से संवाद कर आवश्यक सुधार के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने संस्था पर आने वाले मरीजों को संतोषप्रद सेवाऐं प्रदान करने एवं निर्धारित समय तक उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक मरीज को सरकार की मंशानुरूप ईलाज और सुविधाऐं संस्थान पर मिलनी चाहिए।

प्राथमिक विद्यालय आसपुरा का किया निरीक्षण

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय आसपुरा का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था के स्तर को जांचा एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक बैठाकर मिड-डे मील वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए मिड-डे मील में सप्लाई होने वाले गेंहू, चावल, मसाले, मील का लेखा संधारण, भोजन मेन्यू की जानकारी प्राप्त कर रसोई में नियमित रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखते हुए मिड-डे मील तैयार कराने के निर्देश दिए।

देश के लिए हमारी सेवाएं मांगी गई, तन मन धन हाजिरः कोचिंग महासंघ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भारत-पाक युद्ध के मध्यनजर नागरिकों की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को जयपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर जितेंद्र सोनी के नेतृत्व में जयपुर जिले के सभी कोचिंग संचालकों, होस्टल संचालकों की मीटिंग कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर डॉक्टर जितेंद्र सोनी के साथ शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संचालकों के अलावा सिविल डिफेंस से संबंधित अधिकारी, जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी, नगर निगम के अधिकारी, एवं सीएमएचओ चिकित्सा दल के सदस्य उपस्थित थे।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने कोचिंग संचालकों से सुरक्षा मानकों के आधार पर कुछ सवाल किए गए। जिनका अधिकतर कोचिंग संचालकों ने जवाब संतोषप्रद नहीं दिया। इस पर डॉक्टर जितेंद्र सोनी ने कहा कि हम युद्ध के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में किसी भी आपदा के समय कोचिंग में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र एवं स्टाफ को सुरक्षा के नियम याद होने चाहिए। इसी के चलते उन्होंने कोचिंग संस्थानों में विशेष ट्रेनिंग कैंप तथा मॉक ड्रिल आयोजित करने की सिफारिश की और कहा कि इस युद्ध के दौर में आपको देश के लिए आगे आना चाहिए। क्योंकि कोचिंग संस्थानों में पूरे प्रदेश के छात्र आते जाते हैं । ऐसे में हम यहां से सुरक्षा के उपाय पूरे प्रदेश में भेज सकते हैं।

ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसी शर्मा के नेतृत्व में इस बाबत चुनिंदा कोचिंग संचालकों का एक दल बनाकर कार्य करने की रणनीति का आश्वासन जिला कलेक्टर को कोचिंग संचालक की ओर से दिया गया।

ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने कोचिंग संचालकों की सहभागिता राष्ट्र सेवा के लिए निश्चित करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम गंभीर हैं और प्रसन्न भी और जिस तरीके से जयपुर शहर में कोचिंग संचालकों ने लॉकडाउन के दौरान प्रतिदिन सत्तर हजार जरूरतमंद नागरिकों को भोजन दिया गया था। उससे भी आगे बढ़कर हम इस युद्ध की घड़ी में तन मन धन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ खड़े हैं।

सक्षम जयपुर अभियान के तहत हुआ आयोजन

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिया गया नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना एवं उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा श्री अमित शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को जयपुर के योजना भवन में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। सक्षम जयपुर अभियान के तहत आयोजित इस विशेष कार्यशाला में नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुदेशक असरार अहमद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को आपातकाल के दौरान अपनी सुरक्षा एवं बचाव के तौर तरीकों से रूबरू करवाया।

इस दौरान योजना भवन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन बचाव, हवाई हमलों से बचाव के तरीकों के साथ-साथ ब्लैक आउट से संबंधित दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं, राज्य आपदा प्रतिसाद बल के अधीक्षक श्री राजेन्द्र, अतिरिक्त अधीक्षक श्री चित्रगुप्त के मौजूदगी में आपातकालीन बचाव पद्धतियों, प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर के बारे में जागरुक किया गया साथ ही बहुमंजिला इमारतों में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने का प्रदर्शन भी किया गया।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकली भव्य केसरिया वाहन रैली, वीरता और एकता का दिया संदेश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जगतपुरा के एसकेआईटी कॉलेज से शुक्रवार सुबह केसरिया वाहन रैली की शुरुआत हुई। यह रैली महाराणा प्रताप सर्किल तक पहुंची। जहां हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। सभी केसरिया साफा बांधे और हाथों में भगवा पताका थामे हुए 'महाराणा प्रताप की जय' के जयघोष करते नजर आए।

इस अवसर पर श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह कालवी, बिहार के विधायक चेतन आनंद, समाजसेवी बद्री सिंह राजावत, पूर्व पार्षद ओम सिंह चंद्रावत, और देवी सिंह दोसा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप सर्किल पहुंचकर सभी उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और 51 फीट ऊंचा केसरिया ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की शपथ ली।

लोगों ने कहा कि जैसे महाराणा प्रताप ने हर वर्ग को साथ लेकर मातृभूमि की रक्षा की, वैसे ही हम भी हर परिस्थिति में देश के साथ खड़े रहेंगे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्मिकों ने किया श्रमदान

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की पहल पर शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण के निर्देशन में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पूरे कलेक्ट्रेट परिसर का मुआयना कर स्वयं भी श्रमदान कर कार्मिकों का हौसला बढ़ाया। कार्मिकों ने सफाई कर यह संदेश दिया कि श्रमदान के माध्यम से हर व्यक्ति को जुड़ना है एवं सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा बनाना है। श्रमदान के दौरान साफ की गई घास एवं अन्य कचरें के साथ ही मिट्टी को वहां से हटाकर अन्य स्थल पर डाला गया। श्रमदान के प्रति सभी ने रूचि दिखायी एवं अपने हाथों से श्रमदान कर कार्यालय परिसर को सदैव स्वच्छ एवं साफ-सुथरा रखने की सीख दी।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि ऑफिसों में श्रमदान के कई फायदे होते हैं, जो न केवल कार्यस्थल के माहौल को बेहतर बनाते हैं, बल्कि कर्मचारियों के विकास में भी मदद करते हैं। इससे टीम भावना और सहयोग में वृद्धि होती है, सभी कर्मचारी मिलकर एक कार्य करने से आपसी समझ बढ़ती है, और टीमवर्क मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि अपने ऑफिस के लिए कुछ करने से कर्मचारियों में उस स्थान के प्रति अपनापन और ज़िम्मेदारी का भाव आता है। नियमित श्रमदान से कार्यस्थल साफ, सुंदर और व्यवस्थित रहता है, जिससे कार्यक्षमता भी बढ़ती है साथ ही श्रमदान से व्यक्ति में सेवा भाव, नम्रता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों का विकास होता है एवं यह मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभप्रद रहता है।

नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट ने शहर में देखी सफाई व्यवस्था

गंदे जल की निकासी हेतु सीवरेज कार्य को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण करने के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट ने शुक्रवार को शहर का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया एवं संबंधितों को पाबंद करते हुए सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु पाबंद किया. उन्होंने सभी छोटे-बड़े नाले-नालियों की सफाई, शौचालयों की नियमित सफाई, खुले नालों पर स्लैब से ढकना तथा विभिन्न चौक चौराहों पर अवस्थित महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई करने को कहा। साथ ही बाजार शाखा की टीम को पूरे मार्ग में अवैध व अव्यवस्थित रूप से लगाए होर्डिंग्स या बैनर को चिन्हित करते हुए हटाने को कहा ।उन्होंने नगर परिषद कार्मिकों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन कूड़े का उचित तरीके से उठाव सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने सख्ती दिखाते हुए और भी बेहतर तरीके से सफाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में अधिक मात्रा में कूड़ा जमा होता है, वहां सुबह और शाम दोनों समय कूड़ा उठाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने शहर की सीवरेज व्यवस्था का जायजा लेकर समयबद्ध गुणवत्ता के साथ कार्य सुनिश्चित करने को कहा तथा शहर की सड़कों में जलभराव होने पर कंक्रीट एवं अन्य माध्यमों से उसकी मरम्मत करने के निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर के निर्देशानुसार निगरानी प्रणाली के तहत संबंधित सफाई निरीक्षक व अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर सफाई कार्य देखें एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें. उन्होंने लोगों से घरों का कूड़ा सड़कों पर न फेंकने और उसे निर्धारित स्थानों पर ही फेंकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विभाग लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार है और सफाई से जुड़ी किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा। इस दौरान एक्सईएन दीपक मीणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हवाई हमले एवं आपदा को लेकर स्वास्थ्य भवन में मॉकड्रिल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। हवाई हमले या आपदा के मद्देनजर स्वास्थ्य भवन परिसर में निर्माणाधीन इमारत में शुक्रवार को एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के संयुक्त तत्वावधान में मॉक ड्रिल एवं जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान एसडीआरएफ कमांडेन्ट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया की उपस्थिति तथा मार्गदर्शन में और सहायक कमांडेन्ट श्री चित्रगुप्त महावर के निर्देशन में लगभग 150 अधिकारी कर्मचारियों को हवाई हमले/आपदा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

सम्पादकीय

नेतृत्व के साथ जनता भी एकजुट रहे

भारत पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के विरुद्ध आपरेशन सिंदूर जैसे अविश्वसनीय पराक्रम के प्रदर्शन ने एक साथ कई बातें प्रमाणित कर दी हैं। इनमें सर्वप्रमुख यह है कि राजनीतिक नेतृत्व के पास दिशा, संकल्प और साहस हो तो बड़ी से बड़ी जोखिम भरी कार्रवाई कर देश को सुरक्षित कर सकता है। यदि राजनीतिक नेतृत्व को जनता का समर्थन हो तो फिर संकल्प को पूरा करने में चाहे जितनी बाधाएं और चुनौतियां आएं, वह उनसे भी पार पा सकता है। पहले भी यही वायु सेना, थल सेना और नौसेना थी।

बावजूद इसके 2008 में मुंबई आतंकी हमले के बाद पूरा देश मन मसोस कर रह गया। वायु सेना तब भी कार्रवाई के लिए तैयार थी, लेकिन तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार पाकिस्तान की ओर से आने वाली प्रतिक्रिया से हिचक गई। यदि उस समय भारत ने ऐसा ही पराक्रम दिखाया होता तो सीमा पार आतंक के खतरे पर एक हद तक अंकुश लगाया जा सकता था। यदि आज प्रधानमंत्री मोदी नहीं होते तो क्या भारत एक साथ लश्कर, जैश, और हिजबुल के आतंकी अड्डों को मिसाइलों से ध्वस्त करने का साहस दिखाता?

मोदी के नेतृत्व में सेना ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में एयर स्ट्राइक करके इस मिथ को तोड़ा था कि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई समस्या बन सकती है। इस समय पाकिस्तान बयान जो भी दे, भारतीय सैन्य कार्रवाई रोकने की उसकी तैयारी नहीं थी। उसकी परमाणु धमकी भी फुस्स हो गई। जब नेतृत्व के सामने देश की पूर्ण सुरक्षा और अपने लोगों के जान-माल की रक्षा लक्ष्य हो तो फिर वह दाएं-बाएं नहीं देखता।

पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक रूप से आतंकियों और सरपरस्तों को मिट्टी में मिलाने की घोषणा कर रहे थे और इसकी तैयारी के संकेत भी दे रहे थे। यह तैयारी रंग लाई। आतंकियों के अड्डे मटियामेट हो गए। गजवा-ए-हिंद की सनक से ग्रस्त जैश का सरगना मौलाना मसूद अजहर रोते हुए बोला कि मैं क्यों जिंदा बच गया?

नि:संदेह यह देश के लिए युगांतरकारी विजयोत्सव जैसा क्षण है, किंतु क्या देश के आम लोगों की इसके लिए मानसिक तैयारी है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए जो कीमत चुकानी पड़े, हम चुकाएंगे? यदि पाकिस्तान प्रत्युत्तर में कार्रवाई करता है और सैन्य टकराव लंबा खिंचता है तथा हमें भी कुछ क्षति उठानी पड़ती है तो देश को इसी तरह राजनीतिक नेतृत्व के संकल्प के साथ खड़ा रहना होगा।

यह इसलिए अपरिहार्य है, क्योंकि कुछ लोग सफलता की स्थिति में चरम आनंद और थोड़ी कठिनाई आने पर चरम विरोध की सीमा तक चले जाते हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि मोदी, भाजपा और संघ से एक वर्ग अपने वैचारिक विरोध को अंधविरोध के स्तर तक ले गया है। ऐसे लोग पागलपन की हद तक जाकर विरोध करने और भ्रम फैलाने की कोशिश करते हैं।

आज किसी के पास सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक की तरह आपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने का कोई आधार नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान स्वयं कह रहा है कि भारत ने उसके यहां मिसाइलें और ड्रोन दागे। आतंकी ठिकानों के नष्ट होने के वीडियो और तस्वीरें पाकिस्तान से ही आ रही हैं। यदि ऐसा न होता तो शायद इस समय सरकार के साथ खड़े विपक्षी नेता सेना और देश का मनोबल गिराने के लिए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे होते। आपरेशन सिंदूर के बाद राजनीति से लेकर समाज के स्तर पर जो सकारात्मक माहौल बना, उसे बनाए रखने की जरूरत है। अभी यह मानना सही नहीं होगा कि पाकिस्तान सुधर जाएगा। जनरल आसिम मुनीर ने मजहब, कलमा और जिहाद को पाकिस्तान की विचारधारा बताया तो यह अकेले उनका कुविचार नहीं है। पाकिस्तान दूषित विचारधारा वाला देश है और इसीलिए वह कश्मीर ही नहीं, संपूर्ण भारत पर कब्जा करने का मुगालता पाले है।

आज का इतिहास – बढ़ता राजस्थान

9 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- 2007 में आज ही के दिन अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कार्य स्थली पर होने वाले भेदभाव पर रिपोर्ट जारी की थी।
- 2005 में 10 मई को ही लाहौर-अमृतसर बस सेवा शुरू करने पर भारत और पाकिस्तान सहमत हुई थी।
- 2003 में आज ही के दिन मोजाम्बिक के राष्ट्रपति जोकि अल्बर्टो फिसानों 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे थे।
- 1995 में आज ही के दिन दक्षिण अफ्रीका में सोने की एक खान की लिफ्ट में हुए हादसे में 104 मजदूरों की मौत हो गई थी।
- 1994 में 10 मई को रंगभेद को समाप्त करने की मुहिम में अपना पूरा जीवन लगा देने वाले नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने थे और उन्हें 1993 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।
- 1972 में आज ही के दिन अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया था।
- 1967 में आज ही के दिन मशहूर रॉक बैन्ड रोलिंग स्टोन्स के दो सदस्यों को मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में अदालत में पेश होना पड़ा था।
- 1959 में 10 मई को ही सोवियत सेना अफगानिस्तान पहुंची थी।
- 1945 में आज ही के दिन रूसी सेना ने चेक गणराज्य की राजधानी प्राग पर कब्जा किया था।
- 1857 में 10 मई के दिन से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहले स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी।
- 1796 में आज ही के दिन नेपोलियन ने लोदी ब्रिज के युद्ध में ऑस्ट्रिया को हराया था।
- 1655 में आज ही के दिन ब्रिटिश सेना ने जमैका पर कब्जा किया था।
- 1526 में 10 मई के दिन ही पानीपत की लड़ाई जीतने के बाद मुगल शासक देश की तत्कालीन राजधानी आगरा पहुंचा था।
- 1427 में आज ही के दिन यूरोपीय शहर स्विट्जरलैंड के बर्न शहर से यहूदियों को निष्कासित किया गया था।
- 1980 में आज ही के दिन परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक योगेन्द्र सिंह यादव का जन्म हुआ था।
- 1961 में 10 मई के दिन ही 13वीं लोकसभा के सदस्य बृजलाल खाबरी का जन्म हुआ था।
- 1929 में आज ही के दिन भारतीय संविधान के विशेषज्ञ और 'पद्म भूषण' से भी सम्मानित सुभाष कश्यप का जन्म हुआ था।
- 1905 में 10 मई के दिन ही बांग्ला और हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गायक, संगीतकार और अभिनेता पंकज मलिक का जन्म हुआ था।
- 1834 में आज ही के दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष अलफ्रेड बेब का जन्म हुआ था।
- 2002 में आज ही के दिन फिल्म जगत के मशहूर उर्दू शायर कैफ़ी आज़मी का निधन हुआ था।
- 1999 में 10 मई के दिन ही पेनिसिलन के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सर एडवर्ड इब्राहम का निधन हुआ था।

विशेष आलेख

क्या पाकिस्तानी हुकमरानों को भारत की ताकत पर अब भी कोई संषय रह गया है?

– रामस्वरूप रावतसरे

रावलपिंडी सैन्य मुख्यालय के जनरल पाकिस्तान को एक खतरनाक रास्ते पर ले जा रहे हैं। जनरल असीम मुनीर की अगुवाई में पाकिस्तान ने जो रास्ता पकड़ा है, उसकी मंजिल सिर्फतबाही है। भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान की सरकार भी तनाव बढ़ाने को तैयार नहीं है। लेकिन, पिछले दो दिनों से जो कुछ हो रहा है, उससे लगता है कि पाकिस्तानी जनरलों ने ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने आतंकी ठिकानों के सफाए का बदला लेने की ठान ली और पाकिस्तान सरकार को अपने इशारे पर चलने पर मजबूर कर दिया। क्योंकि, ऑपरेशन सिंदूर के तत्काल बाद पाकिस्तानी सरकार की प्रतिक्रिया और उसके बाद पाकिस्तानी फौज की करतूत में जमीन-आसमान का अंतर नजर आ रहा है।

22 अप्रैल को पहलगाम हमले में पाकिस्तान में पले-बढ़े आतंकियों का हाथ है। उसके बाद से पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर पहले युद्धविराम का उल्लंघन शुरू किया। फिर ऑपरेशन सिंदूर के बाद वाली लगातार दो रातों 7-8 और 8-9 मई को ड्रोन और मिसाइलों से भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिशें की हैं। भारतीय सशस्त्र सेना उसकी हर हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तान पूरी तरह से फेल हो रहा है। क्योंकि, भारत के पास कहीं बेहतर हवाई सुरक्षा प्रणाली है। भारत ड्रोन बनाने का केंद्र बन रहा है, जबकि पाकिस्तान के पास ऐसा कुछ नहीं है। भारत के पास पाकिस्तान से कहीं ज्यादा संसाधन हैं। चीन भी पाकिस्तान के इस लफ्ड़े में पड़ने के लिए तैयार नहीं हो रहा। इसलिए, पाकिस्तान एक हारने वाला खेल खेल रहा है। भारत को आर्थिक और सैन्य तौर पर बड़ी बढ़त हासिल है। भारत लगातार तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, अपनी संप्रभुता की कीमत पर हरगिज नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर में जब भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले करके उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया था, तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का पहला बयान इसी ओर इशारा कर रहा था कि वह कोई भड़काऊ जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि, पहले वाले इनके बयान काफी भड़कीले रहे थे। लेकिन, मुनीर की सेना अपनी सरकार की बात मानने को तैयार नहीं हुई। उन्होंने बदला लेने की कसम खाई और शहबाज शरीफकी सरकार को अपनी बात मानने के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान की यही सबसे बड़ी त्रासदी है कि सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है और सेना जो कहती है, वही होता है।

दुनिया में भारत आज कहां खड़ा है, इसे स्वीकार करने के लिए शायद पाकिस्तान तैयार नहीं है। जब भारतीय सशस्त्र सेना लाहौर में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानें पर उसके एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर रही थी, तब इस्लामिक सहयोग संगठन के दो महत्वपूर्ण देशों के मंत्रियों की विदेश मंत्री एस जयशंकर दिल्ली में मेजबानी कर रहे थे। ये देश हैं सऊदी अरब और ईरान। जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और सऊदी अरब के मंत्री आदिल अल-जुबेर से अलग-अलग बैठकें कीं। ईरानतो पाकिस्तान का पड़ोसी भी है। भारत ने दोनों मुस्लिम देशों के मंत्रियों को ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बारे में जानकारी दी। भारत ने बताया कि ये ऑपरेशन, पाकिस्तान की ओर से पहलगाम में किए गए आतंकी हमलों के बाद किया गया। सऊदी अरब और ईरान दोनों ने पहलगाम हमले की निंदा की है। विदेश मंत्री ने अपने मेहमानों को समझाया कि भारत की प्रतिक्रिया ''नपी-तुली, सटीक और किसी तरह से भड़काने वाली नहीं'' थी। भारत ने ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे स्थिति और बिगड़े।

पहलगाम आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद हालात बेकाबू न हो, इसकी भी जिम्मेदारी उसी की है। यानी अब जो कुछ हो रहा है, उसे रोकने की पहल पाकिस्तान को ही करनी पड़ेगी और अमेरिका भी बिना कहे, इसी ओर संकेत दे रहा है। भारत ने हमेशा सीमा पार से होने वाली हर हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया है और आगे भी देता रहेगा। पाकिस्तान को यह याद रखना जरूरी है कि तनाव की शुरुआत उसी ने की है। भारत ने सिर्फ आतंकियों और उनके आकाओं के खिलाफ एक सटीक और लक्षित कार्रवाई की; और भारत ने दुनिया भर के देशों को अपना रुख स्पष्ट रूप से बता दिया है और दुनिया भर से मिल रही प्रतिक्रियाएं भी भारत के रुख की पुष्टि कर रही हैं।

इसके बावजूद, पाकिस्तान की फौज ने ड्रोन और मिसाइलों से भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश करके और उकसाने की कोशिश की। हालांकि, भारत के इंटीग्रेटेड काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम, जिसमें टॉप-ऑफ-द-लाइन एस-400 भी शामिल है, ने उन सभी को हवा में ही मार गिराया है। यानी इस मामले में पाकिस्तान फिर से भारत के सामने बौना साबित हुआ है। पाकिस्तान को 8 और 9 अप्रैल की रात को भी पश्चिमी सीमाओं पर भारतीय सशस्त्र बलों से इसी तरह का करारा जवाब मिला है। दरअसल, 2019 में बालाकोट के बाद से भारत ने अत्याधुनिक हवाई रक्षा ग्रिड बनाने पर काफी पैसा खर्च किया है। चाहे वह रूस से खरीदा गया एस-400 हो या फ्रांस से मंगवाए गए अचूक राफेल लड़ाकू विमान भारत ने अपनी हवाई सुरक्षा को लगभग अभेद्य बना दिया है। यही वजह है कि पाकिस्तान ने बुधवार और गुरुवार की रात अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई जगहों पर भारतीय सुरक्षा को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उसके पास भारत की बराबरी का कुछ भी नहीं है। पाकिस्तान ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की, जिसके जवाब में भारतीय सेना ने इजरायल में बने हारोप और हार्पी ड्रोन से पाकिस्तानी हवाई रक्षा प्रणालियों को भेद दिया और लाहौर में हवाई रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया।

ड्रोन भी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां भारत पाकिस्तान से बहुत आगे है। भारत ड्रोन बनाने का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। जबकि इस्लामाबाद के पास ऐसा कोई औद्योगिक आधार नहीं है और वह शायद सिर्फतुर्की और चीन के ड्रोन पर ही निर्भर रह सकता है। इन सब बातों को देखते हुए, इस्लामाबाद के लिए नई दिल्ली के साथ लंबी लड़ाई लड़ना मुश्किल होगा। उसके पास इतने संसाधन नहीं हैं।

नेकी नौ कोस बदी सौ कोस

अभिव्यक्ति की आज़ादी पर लगाम कसना कभी कभी ज़रूरी हो जाता है। ज़रूरी इसलिए भी कि बिना लगाम कसे घोड़े को मनमानी दौड़ करने से रोकना मुश्किल जो होता है। आजकल सोशल मीडिया पर रील बनाने का चलन है, खासकर महिलाओं में सेलिब्रिटी बनने का भूत सवार है। लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कोई भी किसी भी हद से गुजर सकता है। इतिहास गवाह है कि नेकी नौ कोस बदी सौ कोस तक फैलती है। निंदा को लोग चाव से सुनते हैं, किसी की प्रशंसा को नही।

– सुधाकर आशावादी

फ़िल्मों में भी खलनायक की भूमिका नायक से अधिक पसंद की जाती है। इसी का अनुसरण करने में यू ट्यूबर भी जुटे रहते हैं। लोकप्रियता जब सर चढ़कर बोलती है, तो चींटियों के भी पर उग आते हैं। आसमान से धरती पर आदमी भी कीड़े मकोड़े से दिखाई देते हैं। सारा खेल ही नजरिए का है। जिसका जैसा नजरिया उसका वैसा विमर्श। यदि किसी व्यक्ति, परिवार या समूह के प्रति मन में निष्ठा का भाव है, तो उस भाव को सिद्ध करने के लिए व्यक्ति मनमाने तर्क देकर अपनी ही बात को श्रेष्ठ करने का प्रयास करता रहेगा। एक मित्र से चर्चा करने के उपरांत यह निष्कर्ष निकला कि वह जो भी जिस प्रकार से देखना चाहते हैं, वैसा ही देखते हैं। यह अपनी अपनी दृष्टि का विषय है। विभिन्न रोजगारों में जुटे लोग केवल अपने मतलब तक सीमित रहते हैं, मसलन दर्जी अपने सामने से गुजरने वाले शख्स के परिधानों की बनावट, डिजाइन पर नजर गढ़ाता है, तो ड्राईक्लीन करने वाला या धोबी कपड़ों की सफाई और करीने से की गई प्रेस से दूर की गई सलवटों पर।

ऑटो मैकेनिक आती जाती स्कूटी या बाइक के मॉडल और फिटनेस पर। लेखक अन्य लेखकों की रचनाओं पर। यानी जो स्वयं को जिस क्षेत्र का महारथी समझता है, वह उसी क्षेत्र में अपनी पैनी नजर का उपयोग करता है। उसका नजरिया भी अलग होता है। सामान्य व्यक्ति की दृष्टि और विशेषज्ञ की दृष्टि अलग अलग होती है। अधिवक्ता कानूनी पहलुओं को देखता है और चिकित्सक स्वास्थ्य से जुड़े पक्ष को। इन सबके अतिरिक्त एक प्रजाति ऐसी है, जिसका नजरिया समय के साथ बदलता है। उस प्रजाति से जुड़े लोग देश, काल और अपनी स्थिति के अनुसार ही अपने नजरिये में फेरबदल करते रहते हैं। न जाने कब वे सकारात्मक दृष्टि रखें और कब नकारात्मक कोई स्पष्ट नहीं कह सकता। आस्था के महाकुंभ में भी सभी ने अपनी अपनी नजर का कमाल दिखाया, किसी ने जल धाराओं के संगम में स्नान को आडम्बर कहा, तो किसी ने आस्था का विषय। किसी ने करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए की जाने वाली व्यवस्था को सराहा तो किसी ने व्यवस्था में कमियों का ही विश्लेषण किया। किसी ने अपनी दृष्टि भगदड़ में कुचली गई मृत मानव देह की गिनती को बढ़ा चढ़ाकर अफवाहें फैलाई तो किसी ने स्नान स्थल की सफाई व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। किसी ने महाकुंभ को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया, तो किसी ने इसे जातीय छुआछूत तक ही सीमित करने का प्रयास किया। निसंदेह %जाकी रही भावना जैसी, तिन देखी प्रभु मूरत वैसी% कहावत चरितार्थ हुई। यानि लाशों को देखकर गिद्धों की आँखों में चमक आ गई, संवेदनशील लोगों ने मानवीय रिश्तों में आत्मीयता को महसूस किया। श्रद्धालुओं ने आस्था के संगम में पुण्य की अनुभूति की। रोजी रोटी की तलाश में भटक रहे लोगों ने रोजगार देखा, मानवीय संवेदनाओं के प्रति समर्पित लोगों ने जाति विहीन व्यवस्था को प्रत्यक्ष रूप से देखा व बिना किसी भेदभाव के संगम स्नान किया। आम आदमी ने सनातन संस्कृति की जन जन को जोडने वाली परम्परा का जीवंत उदाहरण देखा।

क्या चाचा शरद पवार की भतीजे अजित पवार संग पुनर्मिलन की संभावना से इंडिया गठबंधन में होगी टूट ?

एक तरफ सीमा से पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिन्दूर के तहत युद्ध की खबरें आ रही है । भारतीय सेना पूरे दम ख़म के साथ पाकिस्तान दहशतगर्दों को धुल चटा रही है व जनता सेना का मनोबल बढ़ाने में लगी है । उसी के साथ महाराष्ट्र से चौकाने वाली राजनैतिक खबरें भी आ रही है । जैसा की हम जानते है महाराष्ट्र की सियासत में हमेशा कुछ न कुछ नया होता ही रहता है। वहां पर राजनीतिक हलचल लगातार बनी रहती है। पिछले कुछ दिनों से ठाकरे परिवार के फिर से एक होने की चर्चा जोरों पर है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच सुलह-समझौता कराने की कोशिश की जा रही है। इस बीच एक और चौंकाने वाली खबर आ रही है कि पवार परिवार भी एक होने की कवायद में लग गया है।उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने की सुगबुगाहट के बीच अब चाचा-भतीजे की जोड़ी शरद पवार और अजित पवार के भी साथ आने की खबर तेज हो गई है। राज्य के सियासी गलियारों में ऐसी चर्चा है कि चाचा शरद पवार खुद चाहते हैं कि उनके भतीजे अजित पवार आगे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को एक साथ लेकर चलें।

– अशोक भाटिया

यह कयास ऐसे ही नहीं लगाए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में शरद पवार और अजित पवार एक साथ कई बार एक मंच पर दिख चुके हैं। राजनीति के मैदान में कुछ सालों में भले ही चाचा-भतीजे की राहें अलग हो गई हों, लेकिन दोनों (बारामती सहकार भवन के कार्यक्रम में, 2 बार साहित्य और कला मंच के कार्यक्रम में) एक साथ मंच साझा कर चुके हैं। इससे 2 दिन पहले शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने भी एक सवाल के जवाब में कहा था कि उन्हें परिवार के जुड़ने पर खुशी मिलती है। वो चाहती हैं कि पवार परिवार हमेशा एक साथ रहे।कुछ समय पहले पवार परिवार एक वैवाहिक कार्यक्रम में आपस में मिले थे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के छोटे बेटे जय पवार की सगाई समारोह में शरद पवार और सुप्रिया सुले दोनों पहुंचे। पुणे में आयोजित सगाई समारोह दोनों परिवारों के लोग शामिल हुए थे।

ज्ञात हो कि अजित पवार लंबे समय तक शरद पवार के साथ मिलकर राजनीति करते रहे है । लेकिन करीब 2 साल पहले जुलाई 2023 में उन्होंने चाचा के खिलाफ बगावत कर दिया और एनसीपी के एक धड़े के साथ राज्य में बने महायुति गठबंधन में शामिल हो गए। बाद में अजित पवार की अगुवाई वाले एनसीपी को मुख्य पार्टी घोषित कर दिया गया। यह पार्टी अभी राज्य में महायुति गठबंधन का हिस्सा है।इससे पहले भी कई अन्य अवसरों पर चाचा और भतीजे आपस में मिलते रहे हैं। जब राज्य के सबसे ताकतवर ठाकरे परिवार में अलगाव खत्म होने के कगार पर है और उद्धव तथा राज आपस में मिलने जा रहे हैं तो पवार परिवार के भी मिलन के कयास लगने लगे हैं।

समाचारों के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के एक ताजा बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। उन्होंने भविष्य में ह्ष्टक्क के दोनों गुटों के फिर से एक होने की संभावना जताई है। पवार के इस बयान के बाद, ह्ष्टक्क के दोनों खेमों से पुनर्मिलन की संभावना को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। शरद पवार ने तो यहां तक कहा कि सुप्रिया सुले को पार्टी के मर्जर पर फैसला लेना है। शरद पवार ने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी का एक वर्ग अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ हाथ मिलाने के पक्ष में है।

उन्होंने कहा कि पुनर्मिलन पर फैसला लेने में वह सक्रिय रूप से शामिल नहीं हैं। शरद पवार ने यह भी कहा कि उनकी बेटी सुप्रिया सुले, जो एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं, को अपने चचेरे भाई अजित पवार के साथ बैठकर इस मामले पर चर्चा करनी होगी। शरद पवार ने कहा कि अगर पुनर्मिलन होता है, तो दूसरों को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। मतलब, अगर दोनों परिवार मिलकर साथ आ जाएं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
आपका ग़ुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने ग़ुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका ग़ुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें।

वृष
आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है।

मिथुन
किसी सज्जन पुरुष की दैवीय बातें आपको संतोष और ढांढस बंधाएंगी। सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए।

कर्क
आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए।

सिंह
आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के साथ कुछ ऐसे चलेंगी कि आज जीवन में प्यार का संगीत बज उठेगा।

कन्या
गाड़ी चलाते समय सावधान रहें, ख़ास तौर पर मोड़ पर। आपको भुगतना पड़ सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है।

तुला
विश्वास कीजिए कि ख़ुद पर यक़ीन ही बहादुरी की असली परख है, क्योंकि इसी के बल पर आप लम्बे वक्त से चली आ रही बीमारी से निजात पा सकते हैं। अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

वृश्चिक
क्षणिक आवेग में बहकर कोई निर्णय न करें। यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं।

धनु
रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा-दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा।

मकर
आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग काफी वक़्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें।

कुंभ
मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें। आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त।

मीन
आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

साढ़े चार वर्ष में बिना भेदभाव के विकास कार्य कराएं-सरोज बंसल

जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक संपन्न

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। जिला प्रमुख सरोज बंसल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला परिषद के सभागार में साधारण सभा की बैठक हुई। इस दौरान देवली-उनियारा विधायक श्री राजेंद्र गुर्जर एवं निवाई-पीपलू विधायक श्री रामसहाय वर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में जिला प्रमुख ने कहा कि जिले में ग्रामीण विकास के तहत साढ़े चार वर्ष में बिना भेदभाव के विकास कार्य कराएं गए है। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक ले जाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। साधारण सभा में गत बैठक के कार्यवाही विवरण की पालना रिपोर्ट पर चर्चा, पंचायती राज एवं नरेगा वार्षिक कार्य योजना एवं वर्ष 2025-26 को अनुमोदन एवं हस्तांतरित विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में निवाई-पीपलू विधायक श्री रामसहाय वर्मा ने जिला आबकारी अधिकारी को मदिरा की दुकानों को आवंटित स्थान पर ही खोलने एवं इसकी सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके संचालक आवंटित स्थान के आसपास कई ब्रांच खोल लेते है जो नियमों का उल्लंघन है। इस पर विभाग सख्त एक्शन लें। उन्होंने आंधी-बरसात के मौसम को देखते हुए विद्युत विभाग के एसई को विद्युत तारों को टाइट करने पर जोर दिया, ताकि कोई हादसा नहीं हो। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी विकास के पहिए है। लोगों की समस्याओं से अवगत कराने के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा किये जाने वाले फोन को अधिकारी उठाएं, ताकि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से हो सके।

देवली-उनियारा विधायक श्री राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार की मंशानुसार कार्य करें। जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित लोगों को जोड़े। सरकार की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य करें। विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिला परिषद सदस्य छोगालाल गुर्जर, किशनलाल बैरवा, घीसी देवी गुर्जर, जगदीश मीणा, लवेश मीणा समेत अन्य जिला परिषद सदस्यों ने जनहित से संबंधित अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं मुद्दों को उठाया।

बैठक में सीईओ परशुराम धानका, एसीईओ ललित कुमार, सीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा, सीडीईओ सुशीला करनानी एवं जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दल की बैठक

चुनाव आयोग के साथ राजनीतिक दल की बैठक

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ चुनाव आयोग की मुलाक़ात

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली/टोंक (का.स.)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ संवाद किया। यह संवाद विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ ईसीआई द्वारा आयोजित जारी संवादों की श्रृंखला का हिस्सा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित और बेहतर संवाद को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत, आयोग ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों के साथ संवाद की पहल की है। यह संवाद लंबे समय से आवश्यक रचनात्मक चर्चा का मंच प्रदान करेगा, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष सीधे आयोग के साथ अपने सुझाव और चिंताएं साझा कर सकेंगे।यह पहल आयोग की व्यापक दृष्टि के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत सभी हितधारकों के साथ मिलकर निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाना है। पूर्व में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी है, जिनमें 40 बैठकें मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा, 800 जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा और 3,879 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आयोजित की गई, जिनमें विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के अनुसार राजस्थान में 200 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्तर पर कुल 921 तथा 33 जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर कुल 182 राजनैतिक प्रतिनिधियों ने आयोजित हुई बैठकों मे भाग लिया था। राज्य स्तर की बैठक मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी जिसमें सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज, आपसी समझाईश से होगा प्रकरणों का निस्तारण

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सवाई माधोपुर न्यायक्षेत्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) देवेन्द्र दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में 10 मई को प्रात: 10 बजे एडीआर सेन्टर, जिला न्यायालय परिसर सवाई माधोपुर में किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर सहित अधीनस्थ तालुकाओं गंगापुर सिटी, खंडार, बौंली एवं बामनवास पर स्थित न्यायालयों एवं न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट चौथ का बरवाड़ा पर पदस्थापित न्यायिक अधिकारीगण मौके पर आपसी समझाईश से प्रकरणों का निस्तारण करेंगे। जिनमें प्री-लिटीगेशन प्रकरणों में मोटर दुर्घटना दावों से संबंधित क्लेम के विवाद, 138 एनआई एक्ट, धन वसूली के सभी प्रकार के विवाद, गृहकर एवं नगरीय विकास कर, शहरी जमाबंदी, फसल बीमा पॉलिसी, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं ग्राहकों के मध्य विवाद, श्रम एवं नियोजन संबंधी, बिजली, पानी, मोबाईल, क्रेडिट कार्ड एवं सभी प्रकार के राजस्व विवाद, भरण-पोषण एवं बालकों की अभिरक्षा, जनउपयोगी सेवाओं, उपभोक्ता विवाद एवं अन्य सभी प्रकार के राजीनामा योग्य विवाद प्रकरणों का आपसी राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया जाएगी।

सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

15 जोड़ों का हुआ पंजीयन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। वैष्णव बैरागी समाज के तत्वावधान में पीपल पूर्णिमा पर आयोजित प्रथम निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बाजार में स्थित लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में सम्मेलन के कोषाध्यक्ष शिवजीराम वैष्णव गोहरपुरा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। सम्मेलन अध्यक्ष गुलाब वैष्णव खंडवा ने बताया कि पीपल पूर्णिमा पर जमना गार्डन में आचार्य सीताराम निम्बार्क के सानिध्य में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियों को लेकर बैंड-बाजे, घोडी, टेंट, डेकोरेशन, पेयजल, भोजन, हलवाई, पार्किंग व सम्मान समारोह सहित कई व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को लेकर 15 जोडों का पंजीयन हुआ है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए संमेलन अध्यक्ष गुलाब वैष्णव, कोषाध्यक्ष शिवजीराम वैष्णव, खेमराज त्यागी पहाड़ी, उपाध्यक्ष सीताराम वैष्णव बरौनी, कैलाश वैष्णव पतासी, रमेश वैष्णव डारडाहिंद, मुकेश वैष्णव बहड, जगदीश वैष्णव गोवर्धनपुरा, कन्हैयालाल व बाबूलाल वैष्णव अजमेरी गोविंदपुरा सहित करीब 2 दर्जन भामाशाहों द्वारा सामान व सहायता राशि देकर सम्मेलन में तन मन धन से सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में जोड़ों से कोई पैसा नहीं लिया जाएगा जोड़ों के अलावा समाज का कोई भी भामाशाह सामान या नगद राशि देकर सहयोग प्रदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को लेकर बुधवार को गणेश निमंत्रण दिया गया। बैठक में तहसील कार्यकारणी समिति अध्यक्ष मोतीलाल वैष्णव, महामंत्री भंवरलाल वैष्णव करीरिया, उपाध्यक्ष सीताराम वैष्णव बरोनी, रवि वैष्णव खंडवा, सुरेश वैष्णव देवपुरा, रतनलाल वैष्णव, नंदलाल वैष्णव डागरथल, रघुनाथ वैष्णव सिसोला व मीडिया प्रभारी कमलचंद वैष्णव बगड़ी सहित कई समाज बंधु मौजूद थे।

ब्राह्मण महासंघ युवा प्रकोष्ठः जिला महामंत्री नियुक्त

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। ब्राह्मण महासंघ के मुख्य प्रदेश अध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय (बंटू नेताजी) एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक शर्मा की अनुशंसा पर युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री गजेन्द्र झाला ने युवा प्रकोष्ठ कार्यकारिणी मे सवाई माधोपुर के आकाश भारद्वाज को प्रदेश उपाध्यक्ष, मुरली गौतम को सवाई माधोपुर जिलाध्यक्ष एवं रजत भारद्वाज को जिला महामंत्री नियुक्त किया है, नवनियुक्त पदाधिकारियों के मनोनयन पर ब्राह्मण समाज के लोगों ने खुशी जाहिर कर ब्राह्मण महासंघ के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। भारत विकास परिषद शाखा मालपुरा के महिला सहभागिता प्रकोष्ठ द्वारा बाल संस्कार एवं अभिरुचि प्रकल्प के अंतर्गत संस्कृति एज्युकेशन एकेडमी मालपुरा में संस्कार शिविर, कविता पाठ और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा गायन से हुआ। महिला प्रमुख पुष्पा पाठक और संयोजक रानी सोनी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में 95 बच्चों ने पेंटिंग और कविता पाठ में 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया, श्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रतीक चिन्ह द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर त्रिलोक चंद विजय, ताराकांत पाठक, वित्त सचिव सुनील परतानी, मोती लाल चौधरी, शशि कांत पाठक एवं शाला स्टाफ उपस्थित रहा, परिषद द्वारा शाला के निदेशक आर्यन पाठक का प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र द्वारा सम्मान किया गया। परिषद प्रवक्ता दिनेश विजय ने जानकारी दी ।

श्रीगंगानगर में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति, जल्दी करनी होगी

ज्यॉइनिंग राजस्थान सरकार की लिस्ट जारी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/ श्रीगंगानगर (राकेश शर्मा)। भारत-पाकिस्तान हमले के बीच श्रीगंगानगर जिले में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों पर देर रात राजस्थान सरकार ने अधिकारियों को लगाने के आदेश जारी किए हैं। इसमें देवली-टोंक के उपखण्ड अधिकारी को घड़साना (श्रीगंगानगर) के पद पर लगाते हुए कई अधिकारीयों की खाली पदों पर नियुक्ति की गई है और जल्दी पदग्रहण के आदेश जारी किए हैं।

इन अधिकारियों को लगाया

वर्धन शर्मा - तहसीलदार अनूपगढ़
विक्रम सिंह - तहसीलदार श्रीगंगानगर
मुकेश कुमार खारिया - तहसीलदार गजसिंहपुर
हनुमान सिंह - तहसीलदार नगर विकास न्याय श्रीगंगानगर
जयप्रकाश नारायण - नायब तहसीलदार रावला
सतवीर सिंह - नायब तहसीलदार विजयनगर
उत्तमचंद - नायब तहसीलदार गंगानगर
दलीप सिंह - नायब तहसीलदार पदमपुर
रामस्वरूप - नायब तहसीलदार रायसिंहनगर
किशनाराम - नायब तहसीलदार विजयनगर
प्रभात कुमार - ‹ष्टश्वरू फास्ट्रैक गंगानगर
भंवरलाल - जिला कलेक्टर कार्यालय श्रीगंगानगर
धर्मपाल - सादुलशहर
मोहम्मद असलम - पदमपुर
रविन्द्र कुमार शर्मा - विकास अधिकारी पीलीबंगा से - विकास अधिकारी पंचायत समिति करणपुर
विनोद कुमार रैगर - जयपुर से - विकास अधिकारी पंचायत समिति अनूपगढ़
मोहन सिंह - सवाई माधोपुर से - विकास अधिकारी पंचायत समिति रायसिंहनगर
हितेंद्र त्रिवेदी - बांसवाड़ा से - विकास अधिकारी पंचायत समिति सादुलशहर
सूरजभान सिंह भाटी - टोंक से - रसद विभाग श्रीगंगानगर
महेंद्र सिंह चौधरी - टोंक से - रसद विभाग श्रीगंगानगर
बजरंग लाल - टोंक से - रसद विभाग श्रीगंगानगर
विनोद कुमार - जयपुर ग्रामीण से - रसद विभाग श्रीगंगानगर (प्रवर्तन निरीक्षक के पद पर)
नगरपालिका में
रविन्द्र सिंह यादव - आयुक्त नगरपरिषद श्रीगंगानगर
राकेश कुमार - सचिव नगर परिषद श्रीगंगानगर
अजय कुमार मीणा - अधिशासी अधिकारी नगरपालिका अनूपगढ़
मनीष कुमार पारीक - राजस्व अधिकारी नगरपरिषद श्रीगंगानगर
साथ ही अग्निशमन विभाग में फायरमैन के पद पर 10 अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी बुडानिया ने ली समीक्षा बैठक

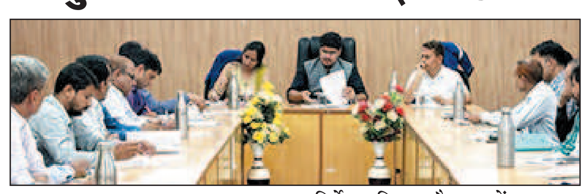

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया ने शुक्रवार को पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला परिषद सभागार में ली! मुख्य कार्यकारी अधिकारी बुड़ानिया ने योजनाओं में प्रगति लाने समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में आवास योजना नरेगा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, स्वामित्व, माडा,सांसद विधायक विकास योजना सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त परिवादों के त्वरित निस्तारण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सरोज बेरवा, अधिशासी अभियंता अशोक कुमार मीणा रमेश मथुरिया बलवंत सिंह रंजना मीना सहित अधिकारी कार्मिक मौजूद रहे ।

अशोक जैन बने दूसरी बार अध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। लॉयंस क्लब के चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी हनुमानसहाय जैन के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई जिसमें सर्वसम्मति से अशोक जैन को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर मनोनित किया गया। मंत्री महेंद्र जैन लावा ने बताया कि कार्यकारिणी में मंत्री के पद पर मुकेश विजय व कोषाध्यक्ष अंशुल अग्रवाल को मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि नवनियुक्त कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह अमरकंटक एमपी पर आयोजित किया जाएगा। लॉयंस क्लब द्वारा निःशुल्क चैत्र चिकित्सा शिविर, निःशुल्क स्वेटर-जर्सी वितरण, निःशुल्क चश्मा वितरण, निःशुल्क सेनेटर पेड वितरण एवं निःशुल्क चिकित्सा एव परामर्श शिविर सहित कई प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाजसेवा के कार्य किए जाते है। इसी प्रकार समय समय पर पौध रोपण एवं पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाकर पर्यावरण संरक्षण के सराहनीय कार्य किए जाते है। इस अवसर पर हुकुमचंद जैन, ज्ञानचंद जैन, विनय कासलीवाल, पारसमल जैन, डॉ राहुल जैन, सीए जयंतराज जैन व सुरेश जैन बड़ागांव सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

उत्तराखण्ड राज्य के कृषि मंत्री से कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने पर चर्चा

सोलर पम्प स्थापना में राजस्थान देश के प्रथम तीन राज्यों में - डॉ किरोड़ी लाल मीणा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर/जयपुर (**राकेश शर्मा**)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ0 किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड राज्य के कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी से पंत कृषि भवन में मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट, ऑर्गेनिक खेती, बीज उत्पादन, जी आई टैग, जैतून और मिलेट्स उत्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में राजस्थान और उत्तराखण्ड में विविधिकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में दोनों राज्यों में जो भी फसल, फल व सब्जियां आदि जलवायु उपयुक्त हैं, उन्हें बढ़ाने पर जोर दिया गया।

उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री ने बताया कि वहां नेचुरल फार्मिंग, औषधिय पौधे और सुगन्धित फूल, शहद और ड्रेगन न फ्रूट आदि की अच्छी पैदावार होती है, जिनमें से जलवायु अनुकूल पौधों की किस्मों को राजस्थान में भी लगाया जा सकता है। उन्होंने राजस्थान से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल को उत्तराखण्ड और उत्तराखण्ड से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल को राजस्थान भेजने का भी प्रस्ताव रखा। प्रतिनिधि मण्ड़ल एक-दूसरे राज्य की योजनाओं व उत्पादित की जा रही फसलों व फलों का अध्ययन कर अपने-अपने राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनाकर किसान हित में कार्य कर सकेंगे । डॉ0 किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि सोलर पम्प संयंत्र स्थापना में हमारा प्रदेश देश के प्रथम तीन राज्यों में से एक है और मिलेट्स उत्पादन में भी सर्वोपरि है। प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम से कम करने और नैनो यूरिया और डीएपी के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। सरकार द्वारा अधिक से अधिक कृषि उत्पादों को जी आई टैग दिलाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं, जिससे कृषकों को जी आई टैग प्राप्त फसलों का उचित मूल्य मिल सकेगा और प्रदेश का कृषक आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेगा।

उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री ने बताया कि मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए मिलेट्स बीज पर राज्य सरकार द्वारा सब्सिड़ी दी जा रही है। मशरूम उत्पादन राज्य में पूरे सालभर किया जाता है। बुरांश फ्लावर का बहुतायत मात्रा में उत्पादन किया जाता है। बुरांश के फूलों से बना शर्बत हृदय रोगियों के लिए अत्यन्त लाभकारी माना जाता है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में कृषि विभाग द्वारा 'हाऊस ऑफ हिमालया' एक संस्था बनाई गई है, जो कृषि उत्पादों की ब्राण्डिंग का काम करती है, जिससे वहां के कृषकों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके।

भगवान नृसिंह व वराह प्राकट्योत्सव 11 से

निवाई। शहर की कायस्थ मोहल्ला स्थित श्री हरि कृष्ण चंद्रराय नया मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री नृसिंह व भगवान वराह प्राकट्योत्सव का आयोजन होगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को सुंदरकांड पाठ से होगा। मंदिर महंत विष्णु शर्मा ने बताया कि शनिवार को भगवान के प्रकाट्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर सांय 7:30 बजे सुन्दर काण्ड से होगा। रविवार की सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके बाद प्रभात वेला में भगवान श्री नृसिंहजी की का श्रृंगार कर पूजा अर्चना की जाएगी एवं दोपहर 12 बजे आरती की जाएगी। शाम को सजीव 5:30 बजे महाआरती के बाद शाम 7:15 बजे भगवान श्री नृसिंह जी की प्राकट्य लीला का आयोजन होगा जिसमें अनेक सजीव झांकियां सजाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 12 मई को सुबह 8 बजे भगवान श्री वराह की पूजा, श्रृंगार एवं उत्सव आरती की जाएगी। प्रात: 8 बजे सजीव झांकियाँ, नाटक एवं संकीर्तन का आयोजन होगा। सायं 5:30 बजे महाआरती होगी। शाम को 7:15 बजे श्री वराह प्राकट्य लीला का आयोजन किया जायेगा जिस्म भी सजीव झांकियां सजाई जाएगी।

श्याम धनी तेरे नाम से गुजारा हमारा, श्याम मन्दिर में उमड़े श्रद्धालु

कलकत्ता के फूलों से सजाया बाबा का दरबार,

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। श्याम मन्दिर में एकादशी के शुभ अवसर पर भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। डॉ. शिवराज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि एकादशी के शुभ अवसर पर बाबा श्याम का पन्चामृत से अभिषेक करवाया गया। बाबा श्याम का कलकता के फूलों से भव्य श्रंगार कर छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। इस अवसर पर मन्दिर प्रांगण में पं. पूर्णानन्द शास्त्री ने एकादशी की कथा सुनाई। एकादशी के चलते दिन भर दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन गायक नरेंद्र शर्मा ने गणेश वंदना से भजन संध्या की शुरुआत की। गायिका आशु भारती नैनवा ने बाबा श्याम के भजन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। स्थानीय भजन गायक अनिल शर्मा, रवि पारीक व मनीष साहू ने श्याम बाबा की जयकार बोलो जी बोलो, श्याम धनी तेरे नाम से गुजारा हमारा, लेने आजा रींगस के उस मोड़ पे सहित कई भजन सुनाकर भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया। भजन संध्या के बाद महाआरती कर भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।इस दौरान नरोत्तम अग्रवाल , रामकल्याण मुंशी, दीनदयाल शर्मा, पुरषोत्तम शर्मा, मुरारी अग्रवाल, अजय जैन, योगेंद्र जैन, हीरू रामचंदानी, सोनू फुलवानी, नरेश जैन, कुलदीप टेलर, राकेश सोनी सहित टोंक, मित्रपुरा, बनस्थली व नैनवा सहित आस-पास के क्षेत्र से आए श्याम भक्त मौजूद रहे।

शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

जवानों के पराक्रम से देश महफूज : प्रेम सिंह बाजौर

बढ़ता राजस्थान

रैणी/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर ने शहीद स्मारक नवलपुरा मोरोडकलां में पहुंचकर शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान भारत माता की जय एवं शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर जिन्दाबाद रहे के गगनभेदी नारे आमजन ने लगाए। बाजौर ने शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर को नमन करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जाबाज सैनिकों के पराक्रम के बल पर हम आज खुले आसमान में चेन की सांस ले पा रहे हैं। उन्होंनें शहीदों का दर्जा देवताओं से ऊपर बताते हुए कहा कि शहीद पूरे देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार सीमा पर तनाव है उसमें हमारे देश के जबाज सैनिक अपने पराक्रम के बल पर दुश्मन को नाको चने चबवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि देश सेवा के लिए अनुशासित जीवन शैली अपनाए। उन्होंने कहा कि शहीद जितेन्द्र सिंह तंवरकी प्रतिमा युवाओं को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देती रहेगी।राजगढ–लक्ष्मणगढ विधायक मांगीलाल मीणा ने कहा कि शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर का जीवन युवाओं को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने अभावों के बावजूद देश सेवा हेतु सेना में जाकर देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एकजुट होकर सेना के साथ खडा है और नापाक इरादे वाले दुश्मन के दांत खट्टे कर रहा है। सरस डेयरी के पूर्व चैयरमेन बन्नाराम मीणा ने शहीद को नमन कर बताया कि देश की वर्तमान परिस्थितियों के कारण आज अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए। वे शहीद की प्रतिमा पर आकर नमन करेंगे। उन्होंने बताया कि भूपेन्द्र यादव ने ग्रामीणों की मांग पर नवलपुरा गांव को राजस्व गांव बनाने के प्रस्ताव को भिजवा दिया गया है यथाशीघ्र नवलपुरा राजस्व गांव घोषित होगा। इसी प्रकार मुख्य सडक से नवलपुरा तक 4 किलोमीटर की सडक बनवाने की सांसद कोष से घोषणा की। साथ ही अवगत कराया कि गांव में अन्य विकास कार्य भी ग्रामीणों की मांग के अनुरूप कराए जाएंगे। कार्यक्रम में अतिथियों ने शहीद जितेन्द्र सिंह तंवर की माता सरोज देवी एवं परिजनों तथा जिले के विभिन्न स्थानों से आए हुए शहीदों की वीरांगनाओं का शॉल ओढाकर सम्मान किया। इस दौरान पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर, करणी सेना अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना व श्रीकान्त सैदावत ने शहीद के जीवन एवं वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन शिक्षाविद् रेणु मिश्रा ने किया। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन रणजीत सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तेजपाल सिंह, गोरधन सिंह सिसोदिया, बिजेन्द्र सिंह बबेली सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री15 सूत्री कार्यक्रम एवं पीएमजेवीके की समीक्षा बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्रीमती बीना महावर की अध्यक्षता में आज मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम एवं पीएमजेवीके की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। एडीएम शहर श्रीमती महावर ने प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम एवं पीएमजेवीके की समीक्षा कर अल्पसंख्यकों के कल्याण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एवं अल्पसंख्यक अधिकारी को निर्देश दिये कि आपसी समन्वय स्थापित कर सभी पात्रा मदरसों में मिड डे मील के तहत बच्चों को नियमित रूप से भोजन उपलब्ध करावे। साथ ही निर्देश दिये कि अल्पसंख्यकों के कल्याण हेतु संचालित सरकार की जनहितैषी योजनाओं से अल्पसंख्यकों को जागरूक कर पात्रा व्यक्ति को लाभांवित करावे। उन्होंने अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में नवीन निर्माण कार्यों हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा महिला शिशु चिकित्सालय रामगढ एवं गोविन्दगढ के भवन निर्माण एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समसा द्वारा 18 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा–कक्ष, साइंस लैब, शौचालय, आर्ट एवं क्राफ्ट रूप आदि के निर्माण हेतु प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने पीएमजेवीके योजना की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना के तहत राजकीय महाविद्यालय लक्ष्मणगढ एवं मालाखेडा, राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय रामगढ के प्रगतिरत निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे तथा स्वीकृत कार्यों की आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर प्रारम्भ करावे। बैठक में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, एडीपीसी मनोज शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक डॉ. पूनम, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सीमा कुमारी, एलडीएम बाबूलाल पालरिया, आईसीडीएस के उपनिदेशक महेश चंद्र गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तिरंगा रैली के दौरान बोले नेता प्रतिपक्ष जूली

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह अंजाम दिया वह इसकी उच्च रणनीतिक क्षमता, जमीनी खुफिया नेटवर्क और नैतिक कर्तव्य का परिचायक

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य से भरे मिशन सिंदूर और देश के सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और वीरता को सलाम किया। जूली बोले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह अंजाम दिया वह इसकी उच्च रणनीतिक क्षमता, जमीनी खुफ्यिा नेटवर्क और नैतिक कर्तव्य का परिचायक है। जूली शुक्रवार को जयपुर में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पीसीसी मुख्यालय इंदिरा गांधी भवन से शहीद स्मारक तक आयोजित हुई तिरंगा रैली में शामिल हुए। उन्होंनें कहा कि आतंकवादियों के नापाक इरादों पर भारतीय सेना का प्रहार इस बात का प्रमाण है कि भारतीय सेना मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान देने को तैयार है। उन्होन कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले के विरुद्ध भारतीय सेना का यह सशक्त अभियान है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन मात्र एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि राष्ट्रीय आत्मा की रक्षा का प्रतीक है। उन्होन कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सेना द्वारा आतंकवादियों के विरुद्ध सफ्ल कार्यवाही की गई, जिसमें देश के निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल आतंकियों के मंसूबों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। उन्होन कहा कि सेना और सशस्त्र बलों के सम्मान में आयोजित की जा रही है इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य न केवल शहीदों को नमन करना है बल्कि देश की रक्षा में तैनात जवानों के मनोबल को नई ऊर्जा भी देना है। जूली बोले देश की भारतीय सेना हमारा गौरव:– नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बोले हमारी सेना ने देश की सुरक्षा के लिए जो कदम उठाया वह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरना हमारा गौरव हैएप्रत्येक भारतीय सेना के साथ हैं । उन्होने कहा कि भारत ने हमेशा आतंकवाद का पूरी मजबूती से सामना किया और आतंकवाद के संरक्षणदाता पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि भारत आतंकवाद और आतंक को पनाह देने वाले को कतई माफनहीं करेगा।

भगवान जगन्नाथ जी महाराज मंदिर में सजी झांकी

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। जन–जन के आराध्य देव कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में महिला श्रद्धालुओं द्वारा हर माह होने वाले भजन, कीर्तन व 56 भोग झांकी का आयोजन करवाया गया। मंदिर के महंत पूर्णदास व एडवोकेट मदन मोहन शास्त्री ने बताया कि प्रत्येक माह महिला श्रद्धालु द्वारा होने वाला 56 भोग झांकी का आयोजन इस बार श्री जगन्नाथ मंदिर पर हुआ। जहां भक्त महिलाओं ने मंगल गीत गाए। भगवान श्री जगन्नाथ और साक्षी गोपाल जी को भजनों के द्वारा रिझाया गया। महिलाओं के द्वारा मंगल गीत भजन गाए गए। इसके पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज की महाआरती कर 56 भोग झांकी का प्रसाद सभी भक्तों में वितरित किया गया। इस मौके सरला, अरुणा, निर्मला, भगवती कमला,मीनू, अनीता खंडेलवाल, गायत्री शर्मा सैकड़ो भगत महिलाएं मौजूद रही।

देशभक्ति की मिसाल- सेना के सम्मान में मत्स्य युवा संघ ने किया राष्ट्र विजय श्री हवन यज्ञ

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शालीमार स्थित कांशिका कॉटेज परिसर में शुक्रवार को मत्स्य युवा संघ द्वारा देश की सेना और सैनिकों को समर्पित विजय श्री हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मातृभूमि के रक्षकों को सम्मान देने और उनके अदम्य साहस के प्रति आभार प्रकट करने हेतु किया गया।क्कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और वैदिक मंत्रों के साथ हवन यज्ञ से हुआ। कार्यक्रम संयोजक भविक जोशी ने बताया कि यह आयोजन हर युवा के हृदय में देशभक्ति की भावना को प्रबल करने का प्रयास है। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता जितेंद्र गोयल ने कहा यह समय देश की सेना और केंद्र सरकार के साथ एकजुट खड़े होने का है। हमें अपनी सेना और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व वाली सरकार पर गर्व है। भाजपा शहर अध्यक्ष शिवाजी मंडल सतीश यादव ने भी इस पहल की सराहना की और कहाए श्अब वक्त आ गया है कि हम यह दिखाएं कि देश का हर नागरिक सेना के साथ खड़ा है। भारत पाकिस्तान को हर मोर्चे पर जवाब देने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। कार्यक्रम के अंत में पूर्णाहुति के साथ श्भारत माता की जयश् के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। संयोजक भविक जोशी ने कहाए श्भारत न कभी हारा है, न कभी हारेगा। यह हवन यज्ञ हमारी इसी अटल आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रमोद शर्मा, चंद्र प्रकाश गुप्ता, रतन, विक्रम, संजीव, अजय, मनोज, चतर, गर्व, रजत, विवेक, प्रदीप, जिलशाद, हेमंत, दीपक, प्रवीण कई युवाओं, गणमान्य नागरिकों और राष्ट्रभक्तों ने सहभागिता निभाई।

अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन को हटाया:9 डायरेक्टर के इस्तीफा देने के बाद संचालक मंडल भंग, कलेक्टर को लगाया प्रशासक

बढ़ता राजस्था

अलवर । काफी उठापटक के बाद अलवर सरस डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर को हटा दिया गया है। पिछले दिनों 9 डायरेक्टर के इस्तीफे के बाद अलवर सरस दुग्ध सहकारी संघ के संचालक मंडल को भंग कर दिया। रजिस्ट्रार सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने चेयरमैन के पद पर अलवर कलेक्टर को बतौर प्रशासक लगाया है। अब अलवर कलेक्टर सरस डेयरी में बतौर प्रशासक काम करेंगी। असल में 2022 में अलवर सरस डेयरी दुग्ध संचालक मंडल का गठन हुआ था। सरस डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर बने थे। चेयरमैन बनने के बाद विश्राम गुर्जर ने लगातार मिलावटी दूध पर कार्यवाही की। कई जगहों से मिलावटी दूध को पकड़ा। उसके बाद दूसरे डायरेक्टर नाराज हो गए। कइयों ने चेयरमैन विश्राम गुर्जर पर आरोप लगाए कि भ्रष्टाचार के कारण कार्यवाही अधिक की गई हैं। पूर्व डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीणा , नीलेश खंडेलवाल, शिवालाल मीणा सहित कई डायरेक्टर ने मिलकर चेयरमैन विश्राम पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। हालांकि चेयरमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप साबित नहीं हुए। करीब एक साल पहले डेयरी के 7 डायरेक्टर ने इस्तीफा दे दिया था। 20 दिन में दो और डायरेक्टर ने इस्तीफा दे दिया। उसके साथ ही तीन डेयरी के डायरेक्टर की समिति से व्यापार बंद कर दिया। इस तरह डेयरी का संचालक मंडल अल्पमत में आ गया। उसके बाद अब डेयरी संचालक मंडल को भंग कर दिया और अलवर कलेक्टर को चेयरमैन की जगह प्रशासक लगा दिया।

ऑपरेशन अभ्यास के तहत सीपीआर बेसिक लाइफसपोर्ट की ट्रेनिंग देकर 500 से अधिक नए डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को इमरजेंसी के लिए तैयार किया : डां. एससी मित्तल

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। शुक्रवार को इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अलवर, मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क के संयुक्त तत्वाधान में विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, देसुला, एमआईए अलवर में ऑपरेशन अभ्यास के तहत सीपीआर बेसिक लाइफसपोर्ट की ट्रेनिंग देकर 500 से अधिक नए डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को इमरजेंसी के लिए तैयार किया वही रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर या जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सिद्धान्तों पर चलते हुए मानव सेवा की है तकरीबन 20 लोगो को सम्मानित भी किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर के सचिव डॉ.रूप सिंह ने बताया कि विश्व रेड क्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज देसुला, एमआईए अलवर में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटीए अलवर की अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर अलवर डॉण् अर्तिका शुक्ला रही कार्यक्रम अध्यक्षता इंडियन रेड क्रॉस सोसायटीए अलवर के चेयरमैन डॉ. एससी.मित्तल ने की। कार्यक्रम संयोजक सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया, अलवर के चेयरमैन गिरीश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का प्रारम्भ सर हेनरी डूनेंट की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर विश्व शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया तद्पश्चात सभी अतिथियों का दुपट्टा उढा कर एवं एक पौधा एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। डॉ. अनुरिता झा की बच्चियों द्वारा कत्थक नृत्य के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटीए अलवर के चेयरमैन डॉण् एसण् सीण् मित्तल ने सभी का शब्दों के माध्यम से स्वागत करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम का नाम हमने ऑपरेशन अभ्यास रखा है क्योकि इस वक्त हो रहे देश के हालातो को मध्यनजर रखते हुए आने वाले भविष्य के 500 से अधिक चिकित्सको एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स को सीपीआर की टैनिंग दिलवा रहे है ताकि किसी भी आपातकालीन परिस्तिथियों में हमारे पास 500 से अधिक चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टूडेंट्स एक दम तैयार रह सके साथ ही स्वेच्छिक रक्त दान के लिए सभी को मोटीवेट किया ताकि जरुरत पड़ने पर तुरन्त हमारे पास डोनर भी उपलब्ध रहे ! डॉण् मित्तल ने कहा कि हर भारतीय को अपनी सक्रीय भूमिका निभाते हुए शासन एवं प्रशासन को पूरा तनएमनएधन से सहयोग करना चाहिए। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर के सचिव डॉ. रूप सिंह ने अपने उद्बोधन में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर शाखा द्वारा किये गए कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि आपातकालीन हालातो से निपटने के लिए घर घर में कम से कम 2 लोग एक सैनिक के रूप में तैयार रहने चाहिए भले हथियार चलाना ना आये परन्तु घायल सैनिको को मेडिकल फैसिलिटीए भोजन सामग्री पहुँचाना इत्यादि कार्यो के साथ बहुत बडा काम कर सकते है कार्यक्रम में सीण्पीण्आरण् की ट्रेनिंग अलवर शाखा की मुख्य ट्रेनर डॉ. कुमुद गुप्ता ने दी । पीपीटी के माध्यम से अलवर शाखा द्वारा किये गए कार्यो को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान तकरीबन 21 इसे लोगो को सम्मानित भी किया गया जिनमे इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी अलवर की ब्रांच सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया अलवर शाखा के चेयरमैन गिरीश गुप्ता, मुख्य ट्रेनर भिवाड़ी डॉ. रूप सिंह, मुख्य ट्रेनर डॉ. कुमुद गुप्ता, ट्रेनर डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, भिवाड़ी के मुख्य ट्रेनर डॉ. रूप सिंह, डॉ. कनिष्का, डॉ.कौशल, नेक कमाई समूह, नगर निगम के फायर इंचार्ज अमित मीना, सी ए श्रीकृष्ण गुप्ता, एक प्रयास संस्था, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अलवर से डॉ. अजय नेने, डॉ. विवेक तिवारी, निर्मल सैनी, धर्मेन्द्र मीना, मनीष मीना, रुचिका शर्मा, आशीष मीना, डॉ. अंशु मिश्रा, मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क से मनोज बुरडक, विकास लोहानए स्नेहिल सैनी इत्यादि सम्मानित किये गए ।

नर्सेज सप्ताह का चतुर्थ दिवस : नर्सिंग स्टूडेंट्स को सीपीआर में किया गया दक्ष

बढ़ता राजस्थान

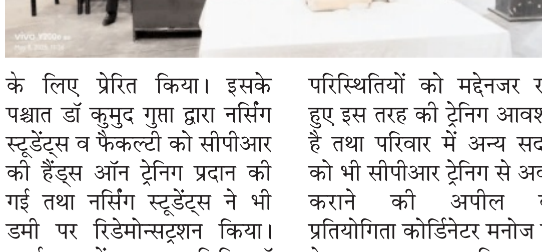

अलवर (का.स.)। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज सप्ताह के चतुर्थ दिवस राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय तिजारा द्वारा श्सीपीआर पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग व संगोष्ठी श् का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य राजपाल सिंह यादव ने बताया कि इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की अलवर ब्रांच द्वारा डॉ कुमुद गुप्ता व समन्यवक एवं सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया अलवर शाखा के चेयरमैन गिरीश गुप्ता के नेतृत्व में सीपीआर ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसायटी के गिरीश गुप्ता ने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा स्टूडेंट्स को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात डॉ कुमुद गुप्ता द्वारा नर्सिंग स्टूडेंट्स व फैकल्टी को सीपीआर की हैंड्स ऑन ट्रेनिग प्रदान की गई तथा नर्सिंग स्टूडेंट्स ने भी डमी पर रिडेमोन्सट्रशन किया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति डॉ सुनील चौहान प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए इस तरह की ट्रेनिग आवश्यक है तथा परिवार में अन्य सदस्यों को भी सीपीआर ट्रेनिग से अवगत कराने की अपील की। प्रतियोगिता कोर्डिनेटर मनोज सिंह ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन मुकेश मीना ने किया। शनिवार को कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

एडिप योजना के तहत 42 दिव्यांगजनों को किए गए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरित

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ /अलवर (राजकुमार गुप्ता)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शुक्रवार को केंद्र सरकार की एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु राजगढ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत ढिगावडा में शिविर आयोजित किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह ने बताया कि शिविर में 42 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड बैटरी ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग ऐड, स्मार्ट केन, ब्लाइंड स्टिक, बैसाखी इत्यादि उपकरण वितरित किए गए। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी हरकेश मीणा, तहसीलदार बी.पी सिंह नरूका, एलिम्को जयपुर से ललित कुमार, ढ़िगावडा सरपंच कमलेश मीणा, भजेड़ा सरपंच सीमा मीणा, कालूराम मीणा एवं अलेई सरपंच राजेश मीना आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने चित्तौड़गढ़ के अभयपुर ग्राम पंचायत पर की रात्रि चौपाल

जनसुनवाई में आए लगभग 25 परिवाद, कई परिवादों का हाथों-हाथ निस्तारण

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार रात्रि को चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति की अभयपुर ग्राम पंचायत के विद्यालय प्रांगण में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जनसुनवाई में लगभग 25 परिवाद प्राप्त हुए जिनमें से लगभग 15 परिवादो का हाथों-हाथ निस्तारण किया गया एवं शेष परिवादो को 7 दिन में निस्तारण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में खाद्य सुरक्षा में नाम जोड़ने, नेट नहीं आने पर टावर लगाने, जीएसएस के पास गोदाम के लिए जमीन आवंटन करने, सप्ताह मे एक दिन पशु चिकित्सक लगाने, खेतों पर जाने के लिए रास्ता खुलवाने, चरनोट भूमि को आबादी मे कन्वर्ट करने, विद्यालय मे अध्यापक लगाने जैसे कई समस्या सामने आई, जिस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय एवं जर्जर हो रही आंगनबाड़ियों की स्थिति को देखते हुए उन्हें रिपेयर करने की करवाई के प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिए। राज्य सरकार की बजट घोषणाओं में राजविका की ओर से बर्तन बैंक शुरू किया गया। राजीवका समूह को 400 सेट का बर्तन जिला कलक्टर के हाथों दिए गए। यह बर्तन किराये पर कोई आमजन ले सकेगा चौपाल के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक, उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल, तहसीलदार, विकास अधिकारी, सरपंच सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहें।

विद्यार्थियों एवं भामाशाहों सहित 25 जनों का किया सम्मान

जनसुनवाई के दौरान कक्षा 8वी से 12वी तक के अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय में सहयोग करने वाले भामाशाहों को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। विद्यालय की छात्रा पुष्पा गुर्जर ने आईएएस बनने की बात कही, इस पर जिला कलक्टर ने वार्तालाप करते हुए उससे कहा कि अभी आपको मेहनत करनी है और किताब पढ़ने की महत्व को बताया। उन्होंने बच्चों को मोबाईल और यूट्यूब से अभी दूर रहने को कहा एवं स्पोर्टस पर ध्यान देने की बात कही।चौपाल में विद्यालय कीपुष्पा गुर्जर ने देश भक्तिगीत एवं संगीता शर्मा ने कविता पाठ किया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में सबसे बड़ी पानी, सड़क एवं बिजली की समस्या है इस पर जिला कलक्टर ने अधिकारियो के साथ मीटिंग लेकर सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए एवं गांव मे पानी के ट्यूबेल को लगातार चालू रखे एवं जरूरत होने पर टेंकर भी चालू निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में पानी की समस्या ना हो इसके समय पर बंदोबस्त करें। इसी प्रकार ग्रामीणों ने सीसी सड़क के लिए परिवाद पेश किया इस पर जिला कलक्टर ने विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी व सरपंच को इसका प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। चौपाल के दौरान सोलर लाइट के पास अतिक्रमण के परिवाद की सुनवाई करते हुए जिसको उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं पुलिस को जाप्ता के साथ अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

रेजीडेंट डॉक्टर ने लिया राष्ट्र प्रथम के प्रण के साथ सेना की सेवा का संकल्प

दक्षिण पश्चिमी कमान जयपुर के जीओसी को लिखा पत्र

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के हालात बने हुए हैं। ऐसे में कोटा के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने राष्ट्रीय आपातकालीन परिस्थितियों में भारतीय सेना के साथ स्वेच्छा से मेडिकल सेवाएं देने की इच्छा जताई है। इस संबंध में कोटा रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन की ओर से दक्षिण पश्चिम कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ को एक लेटर भेज मार्ग दर्शन व दिशा निर्देश मांगा है।

कोटा रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. हेमन्त शर्मा ने बताया कि कोटा मेडिकल कॉलेज से जुड़े हॉस्पिटल्स में 600 के करीब रेजिडेंट डॉक्टर्स है। कोविड 19 जैसी वैश्विक महामारी से लेकर अन्य आपात स्थितियों तक देश के डॉक्टर हमेशा आगे रहकर अपनी निष्ठा, सेवा भावना व समर्पण का परिचय देते आए है।

राष्ट्र की सेवा के लिए सभी रेजिडेंट डॉक्टर ने स्वेच्छा से प्रस्ताव रखा है कि संभावित राष्ट्रीय आपदा या चिकित्सा संकट की स्थिति में हम भारतीय सेना के निर्देश एवं सहयोग में काम करते हुए आवश्यकता अनुसार चिकित्सा सेवा, आपातकालीन सहायता, ट्रायेज, फील्ड हॉस्पिटल में सेवा व स्वैच्छिक योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एसोसिएशन की और से जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ दक्षिण पश्चिम कमान को लेटर लिखा है। उचित मार्गदर्शन दिशा निर्देश मांगा है। जिससे हम समय आने पर अपने कर्तव्य का प्रभावी रूप से पालन कर सके। ये हमारा उत्तरदायित्व ही नहीं बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक नैतिक दायित्व की पूर्ति है।

भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने एवं ऑपरेशन सिंदूर की व्यापक सफलता के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक प्रार्थना की

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों व आतंकियों को नेस्तनाबूद करने के लिए भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने एवं ऑपरेशन सिंदूर की व्यापक सफलता के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने मालनमासी बालाजी के स्थान पर दीप प्रज्वलित कर सामूहिक प्रार्थना की। शुक्रवार को सांयकाल पार्टी कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता व प्रबुद्धजन अहिंसा सर्किल पर एकत्रित हुए, यहाँ से हाथों में तिरंगा थामे, भारत माता के जयघोषों के साथ मालनमासी बालाजी पहुँचे। जहाँ पर सेना के सैनिकों का आत्मबल बढ़ाने के लिए हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ व प्रार्थना कर संध्याकालीन आरती में सम्मिलित हुए।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने कहा कि भारतीय सेना हमारा गर्व और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा भारतीय सेनाओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाक की हमले की सभी कोशिश नाकाम की जा रही हैं। जो हमारे सैनिकों के साहस, शौर्य व पराक्रम का प्रतीक हैं। शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी ने धन्यवाद देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर राजनीतिक दृढ़ता व सैन्य कौशल का प्रमाण हैं।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष कुंजबिहारी बील्या, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व उप जिला प्रमुख आशा मीणा, जिला कोषाध्यक्ष सुनील जैथलिया, पूर्व शहर अध्यक्ष महावीर खंगार, पूर्व शहर महामंत्री अमित शर्मा, भाजपा नेता द्वारका मंत्री, संजय लाठी, अशोक जैन, ओम धगाल, मोहन कराड़, मोहन बिरला, मनोज गौतम, पार्षद मनीष सिसोदिया, रमेश हाड़ा, हरिशंकर सैनी, कमलेश वर्मा, कर्ण शंकर सैनी, नवीन सिंह, आईटी जिला संयोजक अशोक जायसवाल व सह संयोजक मनीष जैन, लोकेश दाधीच, महावीर सालीवाल सहित कई कार्यकर्ता व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

संभागीय आयुक्त ने बूंदी ब्रांच कैनाल का किया निरीक्षण

शेखावत ने कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

कोटा, (का.स.)। संभागीय आयुक्त राजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को बूंदी नहरी क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने बूंदी ब्रांच कैनाल अंतर्गत साइफन, रामगंज में लाइनिंग कार्य, कुंडालिया में प्रगतिरत नहर लाइनिंग कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने गोवर्धनपुरा में खेत सुधार कार्य विभाग द्वारा बनाए जा रहे पक्के धोरों का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किए जाएं। निर्माण कार्य के अंतर्गत बनाई गई संरचनाओं में नियमित तराई की जाए। साथ ही कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे कार्य स्थलों की सतत निगरानी रखें। संवेदकों को कार्य समय पर पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त क्षेत्रीय विकास आयुक्त हर फूल सिंह यादव ,अधीक्षण अभियंता बांई मुख्य नहर सीएडी हरेत लाल मीणा, अधीक्षण अभियंता भूमि विकास वृत्त शिवलाल वर्मा एवं संबंधित अधिशासी अभियंता भी मौजूद रहे।

कुन्हाड़ी सीएचसी पर सोनाग्राफी मशीन का शुभारंभ

हर बुधवार को गर्भवती महिलाओं की होगी जांच

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से नदी पार क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुन्हाड़ी में अब एक सोनाग्राफी मशीन स्थापित की गई है। शुक्रवार को चिकित्सालय में इस मशीन का समाजसेवी एवं रेडक्रॉस सोसायटी प्रदेश अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने फीता काटकर एवं पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर, डॉ चन्द्र प्रकाश कलवार प्रभारी अधिकारी जिला चिकित्सालय कोटा एवं कुन्हाड़ी सीएचसी स्टाफ डॉ. अल्का मित्तल, डॉ. नेहा चित्तौड़ा स्त्री रोग विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर ने बताया कि चिकित्सालय में हर बुधवार को गर्भवतियों की नि:शुल्क सोनोग्राफी जांच की जाएगी। डॉ. चन्द्र प्रकाश कलवार प्रभारी अधिकारी ने बताया कि कुन्हाड़ी यूसीएचसी में 24 गुणा 7 मय दवा वितरण केन्द्र, आपताकालीन सेवाएं, नाक-कान-गला (ईएनटी), अस्थि रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ एवं विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाऐ प्रदान कि जा रही है। चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को लम्बी कतार से राहत प्रदान करने के लिए एक अतिरिक्त दवा वितरण केन्द्र एवं दो ओपीडी काउन्टर संचालित है।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान

19 सैम्पल में से 9 सैम्पल अमानक

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन चित्तौड़गढ के निर्देशानुसार अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ताराचन्द गुप्ता के नेतृत्व में जिले में चलाए होली अभियान दिनांक 03 मार्च से 12 मार्च तक शुद्ध आहार मिलावट पर वार चलाया गया था। इस अभियान के तहत चित्तौड़गढ जिले में 19 नमूने एकत्रित किये गये थे, इनमें से 9 नमूने अमानक पाये गये। मैसर्स नमो जोधाणा स्वीट्स, चित्तौड़गढ के दो नमूने फीका मावा व मलाई बर्फी सब स्टैण्डर्ड, मैसर्स कृष्णा जोधपुर मिष्ठान भंडार चन्देरिया चित्तौड़गढ का मलाईबर्फी एवं गुलाबजामुन सब स्टैण्डर्ड, मैसर्स सांवलिया किराणा एण्ड रेस्टोरेंट होड़ा चौराया का मिठा मावा सब स्टैण्डर्ड, मैसर्स जीपीके स्टोर चित्तौड़गढ का गुढ़ एवं मैसर्स सुहालका रिसोर्ट बस्सी का दही सब स्टैण्डर्ड पाये गये।

वार्ड नंबर 8 स्थित पंडित दीनदयाल पार्क के सौंदर्य करण को लेकर पार्षद प्रतिनिधि हर्ष जैन ने कराया अवगत

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा (नि.स.)। वार्ड न. 08 स्तिथि पंडित गार्डन दीनदयाल गार्डन के सौंदर्यकरण को लेकर पार्षद प्रतिनिधि हर्ष जैन ने नगर पालिका प्रशासक अधिशासी अधिकारी व जैइन को अवगत कराया। गार्डन के अंदर तीनो और बाउंड्री बढ़ने व ऊँची करने को लेकर गार्डन के अंदर जिम, स्लाइडर, झूले, अप एंड डाउन झूला, कुरसियां, गार्डन के पास नाले का निर्माण व नाले पर सी.सी, बाथरूम, गार्डन के बहार पेंटिंग चित्र बनाना गार्डन के अंदर स्ट्रीट लाइट, फैंसी लाइट, लैंप लगाना इन सभी की गार्डन में अवशयकता है जिस पर पार्षद प्रतिनिधि हर्ष जैन को नगर पालिका प्रशासन द्वारा बताया गया की जल्दी ही इसके टेंडर लगाकर गार्डन को सौंदर्यकरण बनाने के लिए नगर पालिका हर कार्य करेगी जिससे पंडित दीनदयाल गार्डन सुन्दर व लोगों को सुविधाएं मिल सके। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार वधवा पूर्व पार्षद हरिश राठौर उपस्तिथ रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा में भागीदारी हेतु नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को तुरन्त कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश

कोटा,(का.स.)। जिला नागरिक सुरक्षा कार्यालय, कोटा द्वारा समस्त प्रशिक्षित नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को निर्देशित किया गया है कि वे तुरन्त कार्यालय में उपस्थित हों। जिन स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है एवं जो विगत लम्बे समय से कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए हैं अथवा किसी भी कारणवश कार्यालय से नियमित सम्पर्क में नहीं हैं, उन्हें सूचित किया जाता है कि वे तुरन्त कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करें। वर्तमान परिस्थितियों एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनज़र सभी स्वयंसेवकों को नागरिक सुरक्षा कार्यालय, जिला कोटा में चीफ वार्डन श्री शिवदान सिंह मारू (मो. 9460077886, 6375761683, कार्यालय फोनरू 0744-2320296-98) से तुरन्त सम्पर्क कर कर उपस्थिति दर्ज करें।

हमारी सांस्कृतिक थाती का प्रहरी बना अकलंक शोध संस्थान

पांडुलिपियों के संरक्षण से लेकर हाड़ौती और प्राकृत भाषा के उत्थान का अनूठा प्रयास

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। कई देशों की प्राचीन संस्कृतियाँ समय की धारा में विलीन हो चुकी हैं, परंतु भारतीय संस्कृति आज भी अपनी जड़ों के साथ जीवित है। यह सांस्कृतिक अमरता तभी संभव है जब ज्ञान, परंपरा और विरासत को सहेजने वाले हाथ निरंतर सक्रिय रहें। कोटा स्थित अकलंक शोध संस्थान ऐसे ही प्रयासों का जीवंत उदाहरण है, जिसने ना सिर्फ पांडुलिपियों का संरक्षण किया है, बल्कि हाड़ौती की आत्मा को सहेजने का भी संकल्प लिया है।

अकलंक शोध संस्थान के अध्यक्ष पीयूष जैन बताते है कि यह संस्था अतीत की धरोहर को भविष्य से जोड़ने की कड़ी बन रही है। संस्थान की स्थापना की कहानी उतनी ही रोमांचक है जितने इसके उद्देश्य। यह बात तब की है जब बसंत विहार स्थित अकलंक स्कूल में कालिदास के प्रसिद्ध नाटक 'ऋतुसंहार' का मंचन किया जाना था, लेकिन उसकी मूल प्रति ही उपलब्ध नहीं हो सकी। इसी दौरान रामपुर के दिगंबर बड़ा जैन मंदिर में रखी 250 दुर्लभ पांडुलिपियों को नदी में विसर्जित करने का निर्णय भी लिया गया। लेकिन मंदिर की सेवका मालिन की सूझबूझ ने इतिहास बना दिया-उसने इन पांडुलिपियों को अकलंक विद्यालय एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष राजेंद्र बज यानी राजा बाबू को सौंप दिया। इस घटना के बाद राजेंद्र बज ने मई 2008 में अकलंक शोध संस्थान की नींव रखी। उनके अनुज चंद्रमोहन बज ने 19 पांडुलिपियाँ भेंट कर संस्थान की औपचारिक शुरुआत करवाई। आज यह संस्थान ना सिर्फ 2000 से अधिक पांडुलिपियों का संरक्षण कर रहा है, बल्कि उन्हें डिजिटाइज कर भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ भी बना रहा है।

विकसित हो रहा शोध केंद्र

संस्थान के सचिव ऐश्वर्य जैन के अनुसार, शोध संस्थान प्राचीन मंदिरों, पूर्व राजपरिवारों तथा विद्वतजनों से संपर्क कर पांडुलिपियां जुटाता है। अकलंक शोध संस्थान ने 2011 से भारत सरकार के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के तहत पांडुलिपि संरक्षण केंद्र (एमसीसी) और 2017 से पांडुलिपि संरक्षण केंद्र (एमआरसी) के रूप में मान्यता प्राप्त की। अब तक 2000 से अधिक पांडुलिपियों का संग्रह एवं डिजिटाइजेशन किया जा चुका है और स्कॉलर्स के लिए यह संस्थान हाडौती क्षेत्र के रिसोर्स एंड रिसर्च सेंटर के तौर पर विकसित हो रहा है।

अनुपयोगी सामग्री से बनती सुंदर मूर्तियाँ और सजावटी वस्तुएं

विशेष बात यह है कि संरक्षण के इस कार्य में अनुपयोगी सामग्री भी निकलती है। उसको भी नया जीवन दिया जा रहा है। फिलहाल पुराने, जीर्ण कागजों से 'पेपर मेशी' की सुंदर मूर्तियाँ और सजावटी वस्तुएं बनाई जा रही हैं—यह न केवल कला का उदाहरण है, बल्कि भारतीय परंपरा की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें किसी वस्तु का अंतिम उपयोग सुनिश्चित किया जाता है। इसके लिए संस्थान अब एक रीसाइकल यूनिट स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है।

हाड़ोती और प्राकृत भाषा के संरक्षण की पहल

संस्थान प्राकृत भाषा को राजस्थान के कक्षा 6 से 10वीं तक के पाठ्यक्रम में शामिल कराने के लिए कार्यरत है। इसके लिए देशभर के विद्वानों से पाठ्यक्रम और पुस्तकें तैयार करवाई जा रही हैं। अकलंक शोध संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इस दिशा में भी सितंबर 2024 से ठोस कदम उठाए हैं। जहां, हाड़ोती का शिक्षित वर्ग अपनी ही मातृभाषा में बात करने में संकोच करता है, यहां मातृभाषा हाड़ौती को शिक्षा, साहित्य और संवाद के केंद्र में लाने की योजना सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही है। संस्थान की ओर से कोटा विकास प्राधिकरण से रियायती दर पर भूमि की माँग की है, जहाँ सार्वजनिक पुस्तकालय और सांस्कृतिक संग्रहालय की स्थापना की जाएगी। इससे यह स्थान हाड़ौती की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बनेगा और धर्म, आध्यात्मिक, चिकित्सा, विज्ञान तथा खगोल के ज्ञान की पांडुलिपियों को सहेज कर रखा जा सकेगा।

हाड़ौती को सहेजने का संकल्प

निदेशक संस्कृति जैन के अनुसार, संस्थान अब सिर्फ पांडुलिपियों तक सीमित नहीं है। अब धार्मिक ग्रंथों, हाड़ौती भाषा के साहित्य और क्षेत्रीय संदर्भ ग्रंथों का भी डिजिटाइजेशन किया जा रहा है, ताकि हाड़ौती की सांस्कृतिक परतों को समग्र रूप में समझा जा सके।

सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना की जाए

बढ़ता राजस्थान

कोटा,(का.स.)। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने राजस्थान स्टेट गैस के कोटा, नीमराणा और कूकस में संचालित सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्मिकों को हिदायत दी कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अनावश्यक प्रतिक्रिया ना करें। एमडी रणवीर सिंह शुक्रवार को राजस्थान स्टेट गैस के अधिकारियों व कार्मिकों से वर्चुअली संवाद कायम कर रहे थे। उन्होंने कहा तनावपूर्ण हालात को देखते हुए हमें सतर्क व सजग रहना होगा। मॉक ड्रील सहित आवश्यक सभी सुरक्षा मानकों की पालना के साथ ही ब्लैक आउट की स्थिति में सरकार द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना की जाए। उन्होंने सीएनजी स्टेशन पर आने वाले उपभोक्ताओं को सुरक्षा मानकों के प्रति सचेत करने के निर्देश दिए। बैठक में डीजीएम सीएनपी विवेक श्रीवास्तव व डीजीएम मार्केटिंग विवेक रंजन ने डीपीएनजी व सीएनजी एरिया में लीक डिटेक्शन टेस्ट कराने की आवश्यकता जताई।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को अखण्ड भारत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सम्मान

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी, पर्यावरणविद तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को अखण्ड भारत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सम्मान - 2025 से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। भावना कला एवं साहित्य फाउंडेशन तथा साहित्य दर्पण द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी को संस्था की संस्थापक एवं अध्यक्ष भावना शर्मा द्वारा अखण्ड भारत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सम्मान - 2025 प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। डॉ. चतुर्वेदी की 15 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। डॉ. चतुर्वेदी 17 शोधार्थियों के शोध निदेशक रहे हैं। डॉ. चतुर्वेदी ने लगभग 150 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी एवं पत्र वाचन किया है। डॉ. चतुर्वेदी ने अनेक साहित्यिक पत्रिकाओं का संपादन भी किया है। डॉ. चतुर्वेदी को भारत के विभिन्न प्रांतों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 112 बार सम्मानित किया जा चुका है। वे अब तक 65 बार रक्तदान कर चुके हैं तथा लगभग 1500 वृक्ष लगा चुके हैं। डॉ. चतुर्वेदी की 150 कहानियां एवं आलेख विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर डॉ. चतुर्वेदी की अनेक वार्ताएं प्रसारित हो चुकी हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की वर्तमान में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान बीएलआईएस तथा डीएलआईएस कार्यक्रमों की परीक्षा सत्र दिसम्बर 2024 के प्रायोगिक प्रश्न पत्रों के डीएलआईएस-02, डीएलआईएस-03, बीएलआईएस-03, बीएलआईएस-04 की वर्तमान में चल रही परिक्षाऐं अग्रिम आदेश तक स्थगित की गई हैं। क्षेत्रीय केंद्र भरतपुर के निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि इन प्रश्न पत्रों की 10 मई 2025 व उसके पश्चात होने वाली आगामी समस्त परीक्षायों को अग्रिम आदेश तक स्थगित कर दिया है। क्षेत्रीय केंद्र भरतपुर के निदेशक ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र भरतपुर के अधीन परीक्षा केंद्र महाराजा सूरजमल टी टी कॉलेज में स्थगित परीक्षा की सूचना भिजवा दी गयी है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इन परीक्षाओं के आयोजन की आगामी तिथि की सूचना पृथक से जारी की जाएगी। परीक्षार्थी स्थगित की गयी परीक्षा की सूचना विश्वविद्यालय कि वेबसाइट पर भी देख सकते हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ज्ञान केंद्र संचालकों को किया सम्मानित

तकनीकी शिक्षा से विकास को मिलेगी गति-शिवानी दायमा

अलवर भरतपुर डीग के 23 केंद्र संचालक सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय्)। राजस्थान नोलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के सेवा प्रदाता डैश स्किल एडूटेञ्न द्वारा शुक्रवार को आयोजित समारोह में भरतपुर, डीग व अलवर जिलों में संचालित ज्ञान केन्द्रों में से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 23 ज्ञान केन्द्रों के संचालको का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलती भाजपा की जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा विकास की धरोहर हैं बिना तकनीकी शिक्षा के रोजगार संभव नहीं है उन्होने कहा कि अव कम्प्यूटर का अपयोग सभी क्षेत्रों में होने लगा है आवश्यकता के अनुसार कम्प्यूटर आधारित नये-नये कार्यक्रम बनाकर मानवीय श्रम को आसान कर दिया है विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद सूचना प्रौद्योगिक विभाग के अतिरिक्त निदेशक कमल किशोर शर्मा ने कहा कि कम्प्यूटर का समूचित ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति को होना जरुरी है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार विभिन्न प्रशिक्षण व पाठ्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होने बताया कि जब से कम्प्यूटर का अनुप्रयोग राजकीय कार्यों में होने लगा है। तब से कार्य को गति मिली है और पारदर्शिता भी आई है। समारोह में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेश चैधरी ने बताया तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढाने के लिये राज्य सरकार गरीब व जरुरतमंद महिलाओं को प्रत्येक वर्ष आरकेसीएल के माध्यम से कम्प्यूटर कोर्स जैसे आरएससीआईटी टैली. एवं स्पोकन इंग्लिस का कोर्स का नि:शुल्क प्रशिक्षण दियाला जाता है। उन्होने बताया कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आगे बढाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आरकेसीएल के प्रोग्राम हैड अभय शंकर ने कहा कि आरसीआईटी प्रशिक्षण की पहुंच अधिकाधिक लोगों तक हम सभ को मिलकर प्रयास करना होगा ताकि ज्ञान केन्द्रों में अधिकाधिक युवक-युवतियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जा सके । क्षेत्रीय प्रबन्धक विशाल चक्रवर्ती ने कहा कि सामान्य पाठ्यक्रमों के साथ-साथ ए.आई रोबोटिक्स जैसे पाठयक्रमों में भी ज्यादा से ज्यादा को प्रवेश दिलाये। ये दोनो पाठ्यक्रम वर्तमान की आवश्यकता है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक चांद मौहम्मद ने आरसीआईटी सहित अन्य कार्यक्रमों की उपयोगिता को आम लोगों तक पहुंचाने की तकनीकी पर प्रकाश डाला। प्रारंम्भ में डैश स्किल एडूट्रेन के प्रबन्धक एवं जिला सेवा प्रदाता दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि भरतपुर, डीग व अलवर जिलों में 150 ज्ञान केन्द्र संचालित है। जिनमें आरएससीआईटी, टैली एवं स्पोकन इंग्लिस जैसे रोजगार परख प्रशिक्षण दिये जाते है। एवं साथ नई शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डालते हुये कहा कि स्कूली शिक्षा में कौशल विकास, इन्टर्नशिप, आजेटी व व्यवसायिक शिक्षा को भारत सरकार ने शामिल किया है। इस अवसर पर दिशा फाउण्डेशन द्वारा तैयार किये गये बाल विवाह मुक्त भारत के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर समाज सेवी देवेन्द्र चामडं व भरतीय किसान संघ के सुधीर चैधरी संस्थान के नोडल अधिकरी हेमेन्द्र सिंह , आरती शर्मा , प्रिया सिंह, रामस्वरुप एवं मुन्ना लाल उपस्थित थे। संचालन श्रीमति शालो हैम्ब्रोम ने किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज : राजीनामा योग्य प्रकरणों का राष्ट्रीय लोक अदालत से करें निस्तारण

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 10 मई को संपूर्ण प्रदेश में वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों के साथ-साथ बैंक के ऋण संबंधी प्री-लिटिगेशन प्रकरणों, एनआई एक्ट के प्रकरण व राजस्व न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रेखा यादव ने बताया कि जिले में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु कुल 11 बैंचों का गठन किया गया है।

भागवत के समापन पर भंडारे में जा रहे बाइक सवार युवक पर किया सांड ने हमला, बाड़ी अस्पताल से गंभीर हालत में धौलपुर किया रेफर

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर के कंचनपुर रोड पर भागवत कथा के भंडारे में जा रहे एक बाइक सवार एक युवक पर जमालपुर गांव के पास सड़क पर खड़े सांड द्वारा अचानक हमले का का मामला सामने आया है। घटना में घायल युवक को एंबुलेंस से बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। जानकारी के अनुसार उपखंड के कंचनपुर थाना क्षेत्र के विदरपुर गांव निवासी मोनू पुत्र राधेश्याम कुशवाहा आज दिन में करीब एक बजे कंचनपुर के जमालपुर में आयोजित हुई भागवत कथा के भंडारे में प्रसादी पाने बाइक से जा रहा था। इस दौरान जैसे ही वह जमालपुर गांव के मोड पर पहुंचा। सड़क पर खड़े आवारा सांड ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें सांड का सींग उसके भाई हाथ और सीने के बीच बगल में फंस गया। इस दौरान सांड ने उसे बाइक से उठाकर सड़क पर पटक दिया। घटना के बाद लोगों के आने पर सांड मौके से भाग गया। घटना में घायल मोनू कुशवाह को एंबुलेंस से बाड़ी अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है।

लगातार बढ़ रहे हैं आवारा सांडों के हमले

शहर और उपखंड क्षेत्र में लगातार आवारा सांडों के हमले देखने को मिल रहे हैं। शहर के गली मोहल्लों में भी सांडों का आतंक बरपा हुआ है। जो आये-दिन किसी न किसी पर हमला करते है। अभी तक कई लोग दुर्घटना में चोटिल हुए हैं तो कई लोग मौत का शिकार भी हो गए हैं। जिसकी शिकायत उपखंड प्रशासन और नगर पालिका में कई बार कर चुके है लेकिन अभी तक उक्त मामले में कोई सुनवाई नहीं हो सकी है।

आपसी प्रेम, एकता, सद्भाव व सौहार्द बनाए रखें

शासन व प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन अवश्य करें - हरि चैतन्य महाप्रभु

बढ़ता राजस्थान

कामां/ भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय) । वर्तमान संकट पूर्ण स्थिति में जब देश पर युद्ध की संभावनाओं के बादल मंडरा रहे हैं हम सभी देशवासियों का यह परम कर्तव्य बन जाता है कि हम सभी प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्याग कर आपसी प्रेम, एकता, सद्भाव व सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखें। हमारे जांबाज वीर सैनिक अपनी जान की परवाह न करते हुए हमारे भारतवर्ष, भारत वासियों की सीमाओं की सुरक्षा में निरंतर लगे हुए हैं। दुश्मन के सारे नापाक इरादों को, आतंकवादी अड्डों को समूल नष्ट करने में तत्पर हैं हमेशा की तरह विजई पताका फहराकर हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की आन, बान व शान को बढ़ाने में लगे हुए हैं। हम सभी देश के नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए उन वीर सैनिकों का मनोबल बढ़ाते हुए यह सिद्ध करना है कि हम सभी उनके साथ हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में व वीर सैनिकों के अदम्य साहस व पराक्रम से भारत विश्व की महान शक्ति बनने की ओर अग्रसर है व वह दिन दूर नहीं यह विश्व की महान शक्ति व जगतगुरु के पद पर अवश्य प्रतिष्ठापित होगा। अफवाहों पर ध्यान ना दें। देश को बांटने व तोड़ने की नीच घृणित साजिशों को सफल न होने दे। आश्रम पर देशवासियों व अपने जाबांज वीर सैनिकों व सेना वृती क्षेत्रों में रहने वाले देश के नागरिकों की रक्षा की प्रार्थना के साथ सुन्दर काण्ड पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व हरि भक्तों ने भाग लिया।

485 वीं जयंती पर शहर में निकली महाराणा प्रताप की शोभायात्रा

राजपूत समाज और सर्व हिन्दू समाज का आयोजन, बाजार में जगह-जगह स्वागत

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। वीर शिरोमणि आत्म सम्मान और वीरता के प्रतीक राजपूत योद्धा महाराणा प्रताप की 485 वीं जयंती पर शुक्रवार को शहर में राजपूत समाज और सर्व हिंदू समाज द्वारा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा शाम 3 बजे शहर के बारहमासी पीपल से शुरू हुई। जिसे पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभायात्रा जब शहर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी तो विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी ने उसका स्वागत किया। यात्रा के आयोजक राघवेंद्र सिंह परमार समेत अन्य युवाओं ने बताया कि महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजित शोभायात्रा की सफलता के लिए राजपूत समाज के युवाओं ने परंपरागत शैली में पीले चावल वितरित कर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के आमजन को आमंत्रित किया। पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा ने बताया कि देश और राजस्थान की वीर शिरोमणि आन-बान और शान के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें याद किया है। आज देश पाकिस्तान से युद्ध लड़ रहा है। जिसमें युवाओं में जोश भरने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी है। देश के लिए युवा हमेशा तैयार हैं। सीमाओं पर जाने का आव्हान हो या देश के अंदर आत्मरक्षा का कोई मामल। राजपूत समाज हमेशा देश हित के लिए अपने प्राण न्योक्षावर करने के लिए संकल्पित है। शोभायात्रा के दौरान बाड़ी पंचायत समिति के प्रधान अजय सिंह मलिंगा के साथ बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश मामा, जिला प्रभारी सेवादल रोशनी शिवहरे, डॉ अशोक शर्मा, राजेंद्र परमार, भूरा परमार, गौरव परमार, ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार खेमरिया, बॉबी परमार सहित दर्जनों की संख्या में युवा मौजूद रहे।

शारीरिक शिक्षकों को दी सिविल डिफेंस ट्रेनिंग

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्र एवं राज्य सरकार के आदेश अनुसार सिविल डिफेंस को अलर्ट मोड पर रखने के लिए उपखंड अधिकारी राजीव शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के टाउन हॉल में समस्त शारीरिक शिक्षकों को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई। उपखण्ड अधिकारी राजीव शर्मा द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच उपस्थित हालातों के बारे में बताते हुए आपदा के समय प्रयोग में लिए जाने वाले बचाव कार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हमें सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन की पालना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में हम मॉकड्रिल व ब्लैक आउट के दौरान दिये गये निर्देशों के प्रति आमजन को जागरूक करने में सहायक बनें। मास्टर ट्रेनर सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स सौरव सोलंकी और अशोक कुमार द्वारा ब्लॉक सेवर में कार्यरत समस्त शारीरिक शिक्षकों की सिविल डिफेंस की तैयारी को लेकर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संगीता फौजदार की उपस्थिति में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर समस्त शारीरिक शिक्षकों को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई। भूपेंद्र सिंह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया, कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक विजयसिंह कुंतल द्वारा किया गया।

राष्ट्रगान के रचयिता रविन्द्रनाथ टैगोर की मनाई जयंती

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय)। कृषि महाविद्यालय भुसावर पर शुक्रवार को रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती मनाई गई। टैगोर को कवि, उपन्यासकार, नाटककार, गीतकार और दार्शनिक के रूप में उनके विश्वस्तरीय उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता रविन्द्रनाथ टैगोर को बंगाली साहित्य और संस्कृति के महान व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि वे विश्वसाहित्य में अपने योगदान के लिए वर्ष 1913 में नोबेल पुरूस्कार प्राप्त करने वाले पहले गैर यूरोपीय व्यक्ति थे। टैगोर ने भारत का राष्ट्रगान ''जन गण मन'' लिखा। उन्होंने बताया कि उनकी उत्कृष्ट रचनाओं मे गीतांजलि, पोस्टमास्टर, काबुली वाला और नास्तनिरह प्रमुख हैं। वे ब्रिटिश शासन के आलोचक थे। जलियाँवाला बाग नरसंहार के विरोध में उन्होने ''नाइटहुड'' की उपाधि त्याग दी थी। उन्होंने बताया कि उनके व्यापक कार्यो के कारण उन्हें गुरूदेव की उपाधि प्राप्त हुई। डॉ. राहुल कुमार ने कहा कि उनकी माता शारदा देवी व पिता का नाम देवेन्द्रनाथ टैगोर था। उन्होंने विश्व भारती विश्वविद्यालय की स्थापना की और खुली व समग्र शिक्षा को बढावा दिया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सड़क पर पड़ी गिट्टी से फिसली बाइक, शादी में जा रहे दो युवक घायल

यूपी के फतेहाबाद से आये थे सलेमपुर में शादी में शिरकत करने, बसेड़ी रोड की घटना,

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। गुरुवार की देर रात शहर के बसेड़ी रोड पर सड़क पर पड़ी गिट्टी से फिसलने के चलते दो बाइक सवार युवक घायल हुए हैं। घटना में घायल लोगों को 108 की सेवा से बाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। बताया जा रहा है कि दोनों घायल यूपी के फतेहाबाद निवासी हैं। जो बसेड़ी के सलेमपुर गांव में हो रही एक शादी समारोह में शिरकत करने जा रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक धीमरी गांव के पास सड़क पर पड़ी गिट्टी से फिसल गई। अस्पताल में एम्बुलेंस से भर्ती कराए यूपी के फतेहाबाद निवासी घायल तलवीर पुत्र टीकम सिंह दिवाकर ने बताया कि वह अपने दोस्त आकाश पुत्र पप्पू कुशवाहा के साथ बसेड़ी के सलेमपुर गांव में आयोजित एक शादी-समारोह में शिरकत करने जा रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक जैसे ही धीमरी गांव के पास पहुंची। सड़क पर पड़ी गिट्टी से अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिसमें दोनों काफी दूरी तक सड़क पर घिसटते चले गए।

धौलपुर कस्बे मे डिस्कॉम का विजिलेंस चैकिंग अभियान,6 वीसीआर भर किया 3 लाख रुपए का जुर्माना, डिस्कॉम 24 घंटे मे देगा बिजली कनेक्शन

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। तापमान बढ़ने के साथ साथ विधुत खपत भी बढ़ रही है। धौलपुर कस्बे मे विगत दिनो मे तंत्र पर ट्रिपिंग की संख्या भी बढी है जिससे ईमानदार उपभोक्ताओ की बिजली मे व्यवधान उत्पन्न हुआ है । डिस्कॉम के अनुसार ट्रिपिंग की संख्या बढने मे विधुत चोरी एक बड़ा फैक्टर है। विधुत चोरी रोकने व ईमानदार उपभोक्ताओ को नियमित विधुत सप्लाई उपलब्ध कराने को ध्यान मे रखते हुए डिस्कॉम ने विजिलेंस चैकिंग अभियान चालू किया है। शुक्रवार को डिस्कॉम की टीमों ने धौलपुर कस्बे की कए कॉलोनियों में विजिलेंस चैकिंग कार्यवाई की। यह कार्यवाई भोगीराम कोलोनी, मित्तल कोलोनी,ईदगाह, प्रेम नगर, पहलवान कॉलोनी आदि मे की गई।विजिलेंस टीमों ने दर्जनभर बिजलीकर्मियों के साथ सिविल थाने के साथ डिस्कॉम थाने की पुलिस मौजूद रहीं। डिस्कॉम कार्यवाही देख कर लोग आनन फानन मे जंपर उतारने लगे लेकिन विजिलेंस टीम की पैनी नजर से बच सके।कार्यवाई मे 6 बिजली चोरी की वीसीआर भरी गई जिसमे 3 लाख का जुर्माना किया गया है वही पहलवान कॉलोनी से 63 च्ङ्क क्षमता का ट्रांसफॉर्मर मोके से उतारकर बिजली चोरी बंद की गयी है ।धौलपुर डिस्कॉम ऐक्सईएन विवेक शर्मा ने बताया कि रात मे कस्बे मे विधुत तंत्र की गश्त की जाएगी और विधुत चोरी मिलने पर वीसीआर भरी जाएगी वही डिस्कॉम तकनीकी साफ्टवेयर की मदद से संदिग्ध उपभोक्ताओ की सूची तैयार कर रहा है जिसके विधुत कनैक्शन व परिसर की विशेष जांच की जाएगी डिस्कॉम का जहा बिजली तंत्र हे वहा आवेदक को 24 घंटों मे बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे। जिनके बिजली कनेक्शन नहीं है वो बिजली कनेक्शन को तुरंत आवेदन करदे।धौलपुर कस्बे मे विधुत छीजत 45त्न है जबकि डिस्कॉम द्वारा निर्धारित लक्ष्य 15त्न है। बढी हुई विधुत छीजत को लेकर उच्च अधिकारी गहरी नाराजगी व्यक्त कर चुके है। वही ऐक्सईएन शर्मा ने बताया कि विधुत छीजत अधिक होने के कारण संबंधित जेईएन व फीडर इंचार्ज पर अनुशासनात्मक कार्यवाई की जा रही है।

कोदूकोटा बस स्टैंड पर वाटर कूलर का हुआ शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (नि.स.)। जिले के कोदूकोटा गांव के पवन कुमार पारीक ने अपने माता जी संतोष देवी की स्मृति में वाटर कूलर लगवाया ताकि आने जाने वाले राहगीर बस में बैठने उतरने वाले यात्री पानी पी सके इस मौके पर जगदीश जी जोशी, सुरेश जी पारीक, सूर्य प्रकाश पारीक, सुनील पारीक, दिनेश पारीक, तेजू व्यास प्रमोद जोशी, उत्सव तिवारी, दिनेश छिपा, प्रदीप तिवारी, जगदीश कीर, भगवान गाडरी, टीकम मीणा, सत्यनारायण टेलर, राधेश्याम कीर आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

अब तक लगभग 44263 लोगों ने एनएफएसए योजना का त्याग किया

31 मई 2025 तक एनएफएसए लाभ का त्याग नहीं करने वाले अपात्र लाभार्थियों के विरुद्ध होगी कार्यवाही

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर 03 दिसम्बर 2024 को पूरे प्रदेश में महत्वाकांक्षी गिवअप अभियान की शुरूआत हुई जिसका व्यापक असर पूरे प्रदेश में पड़ा एवं आजदिनांक तक जिले में लगभग 44263 लोगों ने गिवअप योजना के लाभ का त्याग किया। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री की 2014 की गैस सब्सिडी गिवअप योजना की तर्ज पर खाद्य एव नागरिक आपूर्ति मंत्री ने एनएफएसए योजना का आगाज किया जिसके तहत अपात्र लाभार्थियों जो परिवार जिसमें कोई आयकरदाता हो, परिवार में जिसका कोई सदस्य सरकारी/अर्द्ध सरकारी /स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी/अधिकारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो एवं परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में आते हैं से अपील की है कि वे स्वेच्छा से जनहित में एनएफएसए योजना के लाभ का त्याग करें। उन्होंने कहा कि 31 मई के बाद अपात्र पाये जाने पर नियमानुसार 27/- रुपये प्रति किलोग्राम से उनसे खाद्यान्न की वसूली की जायेगी एवं विधिक कार्यवाही की जायेगी। सरकार की मंशा साफ है कि एनएफएसए योजना में शामिल अपात्र व्यक्तियों को योजना से हटाकर एनएफएसए योजना के लाभ से वंचित गरीब परिवारों को एनएफएसए योजना में शामिल कर उन्हें संबल बनाया जाये। गिवअप योजना के तहत कुल 306 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत आज

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशानुसार 10 मई शनिवार को इस वर्ष की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा । राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु श्री अभय जैन माननीय जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने जिले के सभी न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय के सिविल,फौजदारी प्रकरणों के अलावा राजस्व मामलों को भी राजीनामें के माध्यम से प्रकरणों को निस्तारण किया जाएगा। जिले में राजीनामें हेतु चिन्हित प्रकरणों के लिए 19 बैचों का गठन किया गया हैं जिसमें न्यायिक अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी एवं अनुभवी अधिवक्ता सदस्य द्वारा पक्षकारों में समझाइश कर प्रकरणों को निस्तारण किया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव विशाल भार्गव ने बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा योग्य सभी प्रकृति के मुकदमो को आपसी समझाइश के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं मे गुणवत्तापूर्ण सुधार करने को लेकर आईएमए हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित

स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सुवाना का विजिट कर बेहतर व्यवस्थाओं के लिए की प्रशंसा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुवाना की तर्ज पर चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक सुधार कर विकसित के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और प्रभावी प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन आईएमए हॉल में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि इस बैठक में मातृ स्वास्थ्य निदेशालय, जयपुर से पधारे स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. अभिनव अग्रवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए फील्ड निरीक्षण कर रहे जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सुवाना मे बेहतर व्यवस्थाओं को देखकर की प्रशंसा

बैठक से पूर्व स्टेट नोडल अधिकारी डॉ . अभिनव अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुवाना का विजिट कर वहाँ की व्यवस्थाओं की प्रशंसा की और अन्य चिकित्सा संस्थानों को भी सुवाना की तर्ज पर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। जिससे कि जिलेवासियों को गुणवत्तापूर्ण राज्य सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके उन्होंने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पर जोर

डॉ. अग्रवाल ने समस्त चिकित्सा अधिकारियों को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत हर माह की 9, 18 व 27 तारीख को अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मां वाउचर योजना के तहत अधिकाधिक गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क सोनोग्राफी का लाभ दिलाने और एचआईवी व सिफलिस की अनिवार्य जांच सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। डॉ. अग्रवाल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों को सर्टिफाइड करवाने और भ्रूण लिंग परीक्षण रोकथाम के लिए कानून की जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने और मातृ मृत्यु के उपर्युक्त कारणों की समीक्षा कर निदान करने पर भी जोर दिया। बैठक में अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. रामकेश गुर्जर, डीपीएम योगेश वैष्णव, डीएनओ योगेंद्र पालीवाल, अरबन डीपीएम निशा आमेटा, डीपीसी तरुण चाष्टा, सहित अन्य अधिकारी और कार्मिक मौजूद रहे।

अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यो का डीआरएम ने किया निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। कोटा रेल मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने शुक्रवार को चौमहला स्टेशन पर अमृत भारत योजना में चल रहे कार्य का निरीक्षण किया।सभी कार्यों को उन्होंने बारीकी से देखा।इस दौरान विभिन्न प्रतिनिधि मंडलो ने उनसे भेंट कर समस्याओं से अवगत कराया। व्यापार संघ द्वारा अंडरपास का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की मांग पर उन्होंने बरसात पूर्व कार्य पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया।इस दौरान व्यापार संघ व प्रतिनिधि मंडल ने कस्बे में बन रहे अंडर पास का निर्माण कार्य अधूरा होने से लोगो को हो रही समस्या से अवगत कराया व्यापार संघ के आग्रह पर उन्होंने अंडरपास का निरीक्षण किया तथा आश्वासन दिया कि बरसात पूर्व कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा। नागरिकों ने चौमहला कोटा ,कोटा नागदा ट्रेन के शौचालय व ट्रेन में गंदगी की शिकायत की इस पर उन्होंने इस मामले को सम्बंधित अधिकारियों से दिखवाने का आश्वासन दिया।इसी दौरान फ्री जेल सेवा समिति ने उनसे मुलाकात स्टेशन पर स्थाई प्याऊ उपलब्ध कराने की मांग की उन्होंने नियमानुसार प्याऊ बनवाने की बात कही प्याऊ निर्माण का व्यय फ्री जल समिति द्वारा वहन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता गुलजार एच जिनवाला ने फिरोजपुर जनता एक्सप्रेस ट्रेन को पुन: शुरू करने, हिसार कोटा ट्रेन को नागदा तक बढ़ाने की मांग की। इस अवसर पर व्यापार महासंघ सयोजक दिलीप जैन, सरपंच प्रतिनिधि अशोक भंडारी, आदित्य कटारिया, वासुदेव विश्वकर्मा, गुलजार एच जिनवाला, पंकज गुप्ता, बृजमोहन पंजाबी, ओम प्रकाश निगम, रमेश मोदी, संजय जैन, मुकेश शर्मा, पंकज गुप्ता, पंकज डोसी, समरथ भंडारी, बाबूलाल मीणा सहित कई व्यापारी नागरिक मौजूद मौजूद रहे।

शिक्षा से होता है बच्चों में नैतिक मूल्यों और संस्कार का बीजारोपण-फूल सिंह मीणा

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। नोबल पब्लिक सेकेंडरी स्कूल, बेदला खुर्द, उदयपुर के रजत जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने कहा कि उचित शिक्षा से ही बच्चों में नैतिक मूल्यों और संस्कारों का बीजारोपण होता है, जिसके लिए विगत 25 वर्षों प्रतिबद्ध नॉबल पब्लिक स्कूल प्रतिबद्ध है। आज नॉबल पब्लिक सेकेंडरी विद्यालय का रजत जयंती समारोह सुखाडिया रंगमंच, नगर निगम (टाउन हॉल) उदयपुर में मनाया गया। समारोह के मुख्य अथिति फूल सिंह मीणा व डॉ. उमा शंकर नागदा पूर्व उप कुलपति महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर, विशिष्ट अथिति अंतर्राष्ट्रीय कवि राव अजात शत्रु, मोहन लाल डांगी सरपंच,लखावली ग्राम पंचायत, अलंकृत विकास संस्थान उदयपुर की संस्थापिका श्रीमती चंदा पुष्करणा ,अध्यक्षा श्रीमती कौशल देवी शर्मा, सचिव मदन गोपाल शर्मा, जादूगर राज तिलक, प्रताप दल मेवाड़ के अध्यक्ष ओंकार लाल जोशी एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेम शंकर पुष्करणा उपस्थित थे। इस अवसर पर 24 विद्यार्थियों ने विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति दे कर समां बांध दिया।

डॉ. उमा शंकर नागदा ने पूर्व छात्रों का सम्मान करते हुए विद्यालय द्वारा किये गए श्रेष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा की। कवि राव अजात शत्रु ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी नयी रचना प्रस्तुत कर सभी में देश भक्ति का जोश भर दिया। प्रधानाध्यापक प्रेम शंकर पुष्करणा ने सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान करते हुए विद्यालय के 25 वर्षों की विकास यात्रा का ब्यौरा प्रस्तुत किया अंत में संस्थापिका श्रीमती चंदा पुष्करणा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

सिंदवड़ी, चर्लिया मे पत्थर खनन परियोजना के लिये सिंदवड़ी गांव मे जनसुनवाई हुई आयोजित

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (प्रकाश खत्री)। निम्बाहेड़ा तहसील मे संचालित हो रहे जे के सीमेंट वर्क्स निम्बाहेड़ा की सीमेंट कंपनी के लिये निम्बाहेड़ा क्षेत्र मे खनन क्षेत्र का विस्तार करने के लिये सिंदवड़ी, चरलिया गांव मे चुना पत्थर खनन खनन परियोजना नीलामी खंड ए, एम एल न 01/2022क्षेत्रफल 203.5 हेक्टेयर क्षमता 1.083 मिलियन टन प्रतिवर्ष, चुना पत्थर 1.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ओवर बर्डन - 0.026 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं ऊपरी मिट्टी 0.057 मिलियन टन प्रतिवर्ष के लिये गांव चरलिया तहसील निम्बाहेड़ा, सिंदवड़ी तहसील चित्तौरगढ़ मे पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये आयोजित की गई जिसमे आस पास के ग्रामीणजन भी उपस्थित थे। जनसुनवाई मे ग्रामीणों ने स्थानीय युवाओं को कंपनी मे रोज़गार का मुद्दा उठाया जिसके जवाब मे जे के सीमेंट निम्बाहेड़ा के प्रभाकर मिश्रा द्वारा जवाब दिया की जे के सीमेंट ने 85त्न स्थानीय लोगों को रोज़गार दे रखा है और आगे भी स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी,। जनसुनवाई मे प्रभा गौतम अतिरिक्त जिला कलेक्टर चित्तौरगढ़, अनिल शर्मा डी एस पी, आशीष कुमार बोरासी अध्यक्ष, अंकुश कुमार राजस्थान राज्य स्टेट पोल्लुशन कण्ट्रोल बोर्ड, रणजीत मीणा सहायक खनि अभीयंता, उमेश सालवी फोरमैन खान एवं भू विज्ञान विभाग निम्बाहेड़ा, जे के सीमेंट से मनीष तोषनीवाल यूनिट हेड जे के सीमेंट निम्बाहेड़ा, प्रभाकर मिश्रा एच आर हेड,यतेंद्र शर्मा माइंस हेड, मुरली मनोहर लड्ढा टेकनिकल हेड, अमर जी चक्रवती माइंस मेंटिनेंस, चंद्रकांत तिवारी पर्यावरण हेड, भूवनेश सिंह आई आर हेड, दुष्यंत सिंह सिक्योरिटी हेड, अजय शर्मा पर्यावरण हेड मांगरोल,विशवेश दासोंडी मेनेजर गवर्मेंट एंड इंडस्ट्रीज अफेयर, राहूल कुमार सिंह सी एस आर हेड और पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

बूंदी (अनन्त दाधीच)।

उदयपुर (नि.स.)। नवनिर्मित देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, ध्वज दंड स्थापना, कलशारोहण, जिन बिम्ब स्थापना एवं विश्व मैत्री महायज्ञ महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन शनिवार 10 मई से प्रारम्भ होगा।

उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए सुधीर कुमार जैन ने बताया कि 53 ए ब्लॉक श्रीनाथ नगर शीतल पार्क के पास सेक्टर 9 उदयपुर में होने वाले इस आयोजन में परम पूज्य वात्सल्य मूर्ति प्रज्ञा श्रमण मुनि श्री 108 पुण्य सागर महाराज ससंघ का पावन सानिध्य मिला है, साथ ही बाल ब्रह्मचारी वीना दीदी एवं ब्रह्मचारी विकास भैया का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस हेतु मुनि श्री पुण्य सागर महाराज ससंघ का शुक्रवार को प्रात: 8.30 बजे श्रीनाथ नगर में मंगल प्रवेश हुआ। प्रातकालीन वेला में शोभायात्रा के साथ सैकड़ो श्रावकों की मौजूदगी में मुनि श्री पुण्य सागर महाराज हिरण मगरी सेक्टर 4 से विहार कर हंसा पैलेस, जड़ाव नर्सरी होते हुए शोभायात्रा के साथ श्रीनाथ नगर पहुंचे।

यहां पहुंचने पर मुनि श्री ससंघ की सकल दिसंबर जैन समाज द्वारा भव्य अगवानी की गई। इस दौरान पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी, पंडित अरविंद जैन, कमलेश सिंघवी, नितिन जैन, भरत रतनावत एवं नमन जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सहध्यायी का 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, शिविरार्थियों ने दी विभिन्न प्रस्तुतियां

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा उदयपुर की ओर से नाईयों की तलाई स्थित तेरापंथ भवन में जैन विश्व भारती संस्थान के विश्वविद्यालय लाडनूं के प्रथम व द्वितीय वर्ष योग एवं जीवन विज्ञान के उदयपुर केन्द्र के सहध्यायी के 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज समापन समारोह आयोजित किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कमल नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जीवन में अच्छा व्यवहार रखते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिये। मानवीय पहलू को हमनें समझ लिया तो हमारा जीवन सफल रहेगा। हमें वर्तमान पल को जीना चाहिये स्मृतियों को नहीं। समारोह को शिविर संयोजिका प्रणिता तलेसरा व चन्द्रप्रकाश पोरवाल ने भी संबोधित किया। समय व समझ में बहुत बड़ा अन्तर होता है। शिविर से हमें बहुत कुछ ना सीखने का मौका मिलता है। आवासीय प्रशिक्षण शिविर जीवन में बहुत कुछ बदलाव लाता है। शिविर सहिष्णुता का भाव सीखने का अवसर देता है। अनिल भाई त्रिवेदी ने कहा कि शिविर में भाग लेने वालों में आपसी सहयोग की भावना उत्पन्न होती है। रेखा प्रजापति ने फिल्मी गीत पर नृत्य कर समां बांध दिया। शिविर में राजस्थान, मध्यप्रदेश,गुजरात,जम्मू से लेकर दक्षिण एवं पूर्वी भारत तक के लोगों ने भाग लिया। गुजराती महिलाओं ने फिल्मी गीत पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। शिविरर्थियों ने शिविर में सीखी आत्मरक्षा की विभिन्न प्रणालियों का प्रदर्शन किया। राजस्थान विद्यापीठ की मंजू माण्डात ने कहा कि विगत 30 दिनों में शिविरार्थियों ने जो सीख वह उनके जीवन में बहुत काम आयेगा। जीवन में निर्धारित किये गये निर्णयों की पालना अवश्य करनी चाहिये। राजनीति में होते हुए व्यसनों से दूर रहना बहुत बड़ी बात है। समाज को सही मार्ग पर ले जानें का प्रयास करना चाहिये। इस अवसर पर रीना चोर्डियों ने मिमिक्री की प्रस्तुति दे कर सभी को लोटपोट कर दिया। रानी ने कार्यक्रम में एडवान्स योगा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में अरूण

कोठारी, राजेन्द्र सेन,तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन खोखावत, कोषाध्यक्ष भगवती लाल सुराणा, सुनील इटोदिया, गगन सभा के मंत्री मनोज लोढ़ा, तेरापंथ महिला मंडल की उपाध्यक्ष मंजू इटोदिया, मधुसराना, अलका, प्रकाश, रमेश सिंघवी, इंद्रजीत सिंह मेहता आदि की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान : गर्भवती महिलाओं को नि:शुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं का लाभ देकर किया लाभान्वित

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं के सुरक्षित भविष्य की दिशा में जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए हर माह की 9, 18 और 27 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत नि:शुल्क जांच एवं उपचार की सेवाएं प्रदान की जा रही है। अभियान के तहत शुक्रवार को आयोजित पीएमएसएमए अभियान में गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली जांच, उपचार और परामर्श सेवाएं प्रदान की गयी साथ ही महिलाओं के पोषण में सुधार के लिए पोषण सामग्री का वितरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को व्यापक और गुणवत्तायुक्त प्रसव पूर्व देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से चिकित्सा संस्थानों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं तक पहुंचना और उन्हें समय पर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही उचित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए महिलाओं को प्रेरित कर व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाकर अभियान के दिन चिकित्सालयों में आने के लिए स्वास्थ्यकार्मिकों द्वारा प्रेरित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान चिन्हित हाई रिस्क वाली गर्भवती महिलाओं का नियमित फॉलोअप कर उन्हें आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा केंद्रों पर रैफर किया जाता है, ताकि जच्चा और बच्चा दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके। साथ ही, महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी देकर उन्हें पोषण सामग्री का भी वितरण किया जा रहा है, जिससे उनके पोषण स्तर में सुधार हो सके।

दैनिक बढ़ता राजस्थान

जिला प्रशासन द्वारा आपात परिस्थिति के संदर्भ में बैठक का हुआ आयोजन

आमजन रहें सजग एवं सतर्क, घबराने की नही है आवश्यकता : जिला कलक्टर लोक बन्धु

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 9 मई को राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी की अनु पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अत्यंत सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करें तथा आमजन से नियमित संवाद बनाए रखें। इससे किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचा जा सकेगा। हेट स्पीच, भड़काऊ भाषण एवं किसी भी प्रकार के सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले कृत्यों पर सख्त कार्रवाई की जाए। भीड़ एकत्र होने वाले आयोजन सक्षम स्तर से अनुमति के पश्चात ही होने चाहिए। रात्रिकाल में अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले पटाखों के उपयोग से बचा जाना चाहिए। डीजे के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रशासनिक अधिकारी रात में क्षेत्र का भ्रमण कर आमजन से संवाद बनाए रखें। प्रतिष्ठान समय पर बंद करने के लिए प्रेरित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में सूचनाएं सरपंचों व ग्राम स्तर के प्रतिनिधियों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाई जाएगी। ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाए जो जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से सतत संपर्क में रहें। इससे किसी भी सूचना का आदान प्रदान निर्बाध हो सकेगा। सीएलजी की बैठकें आयोजित करें। प्रत्येक क्षेत्र का सिविल डिफेन्स प्लान अपडेट रखें। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट की स्थिति के लिए आमजन को पहले से जागरूक किया जाए। पूर्व में किए गए मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट के अनुभव का उपयोग लें। समाज के प्रतिनिधियों तथा प्रभावशाली नागरिकों के सहयोग से इसकी पालना कराई जाएगी। सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की अवकाश स्वीकृतियां निरस्त कर दी गई हैं तथा उन्हें अपने कार्यस्थल पर सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन सेवाएं चौबीसों घण्टे अलर्ट मोड पर रहें। समस्त उपकरणों की मरम्मत अग्रिम करवाकर रखें।

उन्होंने पेयजल, बिजली, खाद्य सामग्री, जीवन रक्षक दवाओं तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति निरंतर और निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए निर्देश दिए। चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों और एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और ब्लड बैंकों को सभी प्रकार के रक्त समूहों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्देशित किया। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किए जा सकने वाले भवनों की पहचान सुनिश्चित करें। साथ ही खाद्य सामग्री अथवा आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी एवं कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा द्वारा निर्देशित किया गया कि पुलिस गश्त तथा निगरानी बढ़ाई जाए। क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। संवेदनशील स्थानों और व्यक्तियों की निगरानी के लिए विशेष व्यवस्था की जाए तथा सभी सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जांच की जाए। खराब कैमरे शीघ्र दुरुस्त करवाए जाए। विशेष स्थानों पर आवश्यकतानुसार नाकाबंदी निर्धारित मानदण्डों एवं उपकरणों के साथ करना सुनिश्चित करें। संवेदनशील स्थलों के प्रबंधकों के साथ सूचनाएं साझा करते रहें। अवैध हथियारों, नशीली दवाओं एवं हवाला कारोबारियों के विरूद्ध अभियान में तेजी लाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुए देश की एकता, अखंडता या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली किसी भी पोस्ट पर त्वरित कार्रवाई की जाए। सोशल मीडिया की निगरानी के लिए थाना स्तर पर कम से कम दो व्यक्तियों को लगाना चाहिए। आमजन ऐसी शिकायतें जिला कंट्रोल रूम में दर्ज करवा सकते हैं। नागरिकों से समझाइश करे कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह में न आएं। भयभीत न हों और शांतिपूर्वक एवं सतर्कता से प्रशासन का सहयोग करें। संदिग्ध नम्बरों से आए टेलीफोन कॉल को अटेण्ड करने से बचना चाहिए। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभिषेक खन्ना, अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री गजेन्द्र सिंह राठौड़, ज्योति ककवानी एवं श्रीमती वन्दना खोरवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश मीणा, श्री हिमान्शु सहित अधिकारी उपस्थित रहे। उपखण्ड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के द्वारा स्वेच्छा से रात्रि 9.00 बजे बाजार बंद करने का अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र राठौड़ के साथ मीटिंग में लिया निर्णय

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 09 मई को भारतीय सेना के आतंकवाद के ठिकानो को समाप्त करने की महान कार्यवाही में भारत सरकार और,राज्य सरकार व जिला प्रशासन के द्वारा प्रदान की गई सुरक्षात्मक गाईड लाईन के शत प्रतिशत पालन करने के लिए श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के द्वारा शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ के चेंबर में संयुक्त मीटिंग का आयोजन करके शनिवार 10 में से रात्रि को बाजारों को 9:00 बजे स्वेच्छा से बंद करने का निर्णय लिया गया अध्यक्ष महेंद्र बंसल एवं महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि देश की सुरक्षा एवं जानमाल की सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं है इसलिए हम सबको मिलकर सरकार और प्रशासन के प्रत्येक कर में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करना अति आवश्यक है इसलिए समस्त व्यापारियो और नागरिको से अपील की गई है कि शादी विवाह अथवा अन्य अवसरो पर डीजे अथवा साउंण्ड सिस्टम का प्रयोग नही करे,आतिश बाजी नही करें और व्रिकेताओ से अनुरोध किया है कि इस प्रकार की सामग्री का भी विक्रय अग्रिम आदेशों तक नही करे। समस्त बाजारों, समस्त कालोनियों-समस्त निवास स्थानो,समस्त होटलो समस्त निवास स्थानो सहित समस्त रोडो पर भी ब्लैक आउट व सरकार द्वारा निर्देशित सुरक्षा प्रबंधन का शत प्रतिशत पालन किया जाये।श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र बंसल और संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि लोगो को मॉक ड्रिल में सहयोग करके देश हित का परिचय देने,साथ ही नये वाहनो जिनमे लाईटें निरन्तर चालू रहती है उनको निर्देशित समय में नही चलाकर,अथवा साईड में रोककर,अपने आस पास के क्षेत्रो में लाईटें चालू दिखें तो उनको आपसी समझाइश से बन्द करवाने,वाहनो को समझाइश से रूकवाने,उनकी लाईटे बन्द करवाने सहित सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा दिये जाने वाले निर्देशो का शत प्रतिशत पालन करने समस्त नागरिकों और युवाओ से अपील की है कि अपने अपने स्तर पर पूर्ण सफलता के प्रयास करे। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र मूरजानी, रणवीर सैनी, किशोर टेकवानी, विजय गोयल, सुरेश तंबोली, कुणाल तोलानी, ठाकुर प्रसाद, महेंद्र बंसल, महासचिव रमेश लालवानी, पवन बंसल, निलेश बंसल आदि सम्मिलित रहे।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का किया समाधान

जनसेवा हमारी प्रतिज्ञा, जन-हित हमारी प्रतिबद्धता - भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिले के किशनगढ़ मैं 9 मई शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के किशनगढ़ आवास पर जनसुनवाई आयोजित हुई। जनसुनवाई में केंद्रीय राज्य मंत्री ने आवास पर पधारे आमजन क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी परिवेदनाओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन भाजपा सरकार हर नागरिक की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति संवेदनशील है तथा उनके समाधान के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की हर समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता है।

आपदा प्रबन्धन को लेकर जिला कलक्टर एवं एसपी ने ली अधिकारियों की बैठक

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। देश में उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को देखते हुए जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक ने आपदा प्रबंधन को लेकर आज जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली और सौंप गए दायित्वों को पूर्ण रूप से निर्वहन करने के निर्देश दिए। वहीं आदेश के तहत अब सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे । जिला कलक्टर आलोक रंजन ने शुक्रवार को डीआरडीए सभागार में आपदा प्रबंधन एवं वर्तमान में उपस्थित परिस्थितियों को देखते हुए आमजन को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों की बैठक ली एवं विभागवार कार्य योजना की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने आपात स्थिति में आमजन को सूचना उपलब्ध कराने एवं सायरन के माध्यम से आपात स्थिति की जानकारी देने की समीक्षा भी की। उन्होंने रसद आपूर्ति, संचार, जिला चिकित्सालय सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त दवाइयां, बेड आदि की समीक्षा की। उन्होंने इमरजेंसी सेवाओं के 12 विभागों के महत्वपूर्ण कार्यों एवं उनकी सेवाओं को आमजन से लाभान्वित करने की समीक्षा की । उन्होंने रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, जिला चिकित्सालय एवं सार्वजनिक स्थलों सहित धार्मिक स्थलों पर उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपात स्थिति में सिविल डिफेंस की सेवाओं, अग्निशमन के सेवाओं, बांध टूटने की स्थिति में आवश्यक कार्य करने तेल, तेल डिपो की सुरक्षा सहित एनसीसी, एनएसएस एवं नेहरू युवा केंद्र की भूमिका की भी समीक्षा की।जिला कलक्टर आलोक रंजन ने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रबन्धन के विषय में गम्भीर है। इस सम्बन्ध में गृह विभाग द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए है जिनके निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आपातकालीन परिस्थिति में कार्य करने वाले विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जिले के समस्त अधिकारियो एवं कर्मचारियों को किसी प्रकार अवकाश देय नहीं होगा।

अजमेर में केन्द्र व राज्य के निर्देशों की सख्त पालना सुनिश्चित करें : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष ने जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक को दिए निर्देश

आपातकाल के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाएं, संधिग्धों पर पूरी नजर रखें

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 9 मई को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिला प्रशासन व पुलिस को निर्देश दिए है कि आपातकालीन परिस्थितियों के मद्देनजर केन्द्र व राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराई जाए। संदिग्ध व्यक्तियों पर पूरी नजर रखी जाए। उन्होंने आमजन से अपील की कि प्रशासन का पूरा सहयोग करें। अपने आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी शेयर ना करें। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में बैठक लेकर अजमेर में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के बारे में किए जा रहे प्रयासो की जानकारी ली। उन्होने कहा कि देश यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सुरक्षा और नागरिकों को हानि से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे है। कहीं किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी जा रही है। अजमेर में भी केन्द्र व राज्य सरकार से निरंतर प्राप्त होने वाले निर्देशों की अक्षरश: पालना सुनिश्चित कराई जाए। प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, पानी, बिजली, नगर निगम, अग्निशमन एवं अन्य सभी संबंधित विभाग अपनी तैयारी पूरी रखें।

उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि अजमेर में संदिग्ध व्यक्तियों पर पूरी नजर रखें। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ सर्च अभियान जारी रखा जाए। कहीं भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति नजर आने पर सख्ती से एक्शन लिया जाए। प्रशासन पूर्व सैनिक, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट, एनएसएस व स्काउट गाइट को भी तैयार रखे ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी सेवाएं ली जा सके।

देवनानी ने आमजन से भी अपील की कि वर्तमान हालात में प्रशासन व पुलिस का पूर्ण सहयोग करें। अपने आसपास नजर बनाए रखें। संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। मॉकड्रिल व ब्लैक आउट में पूर्ण सहयोग करें। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। हम सभी मिलकर राष्ट्र सेवा के संकल्प को पूरा करें।

देवनानी ने निर्देश दिए कि इसके साथ ही शहर में सुरक्षा के लिए की जा रही पुलिसिंग को भी सख्त रखा जाए। बैठक में जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदिता राणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज हवाओ के साथ हुई बारिस से शहर हुआ तर बतर

शहर का मौसम सुहाना आमजन को गर्मी से राहत मिली

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर। मई माह में हर कोई तेज गर्मी, पसीने और उमस से आमजन परेशान रहता है, लेकिन पिछले पांच दिनो से जारी सुहावना मौसम मानसून का अहसास करा रहा है। बादलों के कारण तापमान कम होने से आमजन को गर्मी से राहत मिली है। लगातार दुसरे दिन शुक्रवार को भी सुबह से ब्यावर व आसपास के क्षेत्र में बादल छाए रहे। इससे सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। सुबह से ही ठंडी हवाएं चलती रही। दोपहर बाद आसमान बादलों से घिर गया। शाम साढे 4 बजे से 5 बजे तक आधे घण्टे तक तुफानी हवाओ के साथ तेज बारिस के होने से शहर तर बतर हो गया व आमजन को राहत मिली। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहा। वहीं अधिकतम 31 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार को दिन का तापमान अधिकतम 32 डिग्री तक रहने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 डिग्री तक रह सकता है। पिछले पांच दिनों से मौसम में नमी बनी हुई है जिसके कारण लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। अमूमन इन दिनों क्षेत्र में तेज गर्मी रहती है तथा लू चलती है जिसके कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। मई में तापमान भी 33 डिग्री के आसपास रहने से आमजन को गर्मी से राहत मिली है। शाम के समय में बारिस होने से शहर का मौसम सुहावना हो गया। लोग घरों से बाहर घूमने निकले। चौपाटी पर और दिनों के मुकाबले भीड़ अधिक रही। शाम को चली ठंडी हवाओं ने घरों में कूलर व एसी की आवश्यकता महसूस नहीं होने दी।

गिव अप अभियान : जुर्माने से बचने का 31 मई तक अंतिम अवसर

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिले में आशातीत सफलता को देखते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान प्रारम्भ किया गया था। खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता खो चुके 2122 परिवारों के 8063 सदस्यों ने सरकार की प्रस्तावित कार्यवाही के डर से स्वेच्छा से अपने नाम हटवा लिए हैं। अभियान की अंतिम तिथि 31 मई सरकार द्वारा निर्धारित की गई है। इसके बाद कोई परिवार पात्रता नहीं रखने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ लेता है तो उस पर विभाग कार्यवाही के साथ ही 27 रूपये प्रति किलो अथवा बाजार दर के हिसाब से वसूली की जाएगी। जिला रसद अधिकारी (द्वितीय) श्री नीरज कुमार जैन ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ लेने वाले लाभार्थियों के लिए गिव-अप अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ऐसे व्यक्ति जिनके पास चार पहिया वाहन हैं, आयकर दाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 1500 स्क्वायर फीट से ज्यादा जमीन पर मकान बना हो और आर्थिक रूप से सक्षम है। इसके बाद भी यदि खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध रूप से लाभ उठा रहे हैं तो उनके नाम काटे जा रहे हैं। वे उपभोक्ता एवं परिवार स्वयं अभियान के तहत योजना से नाम कटवा सकते हैं। अवैध रूप से योजना का लाभ ले रहे लोगों को 31 मई तक का समय दिया गया है। विभाग के पास सभी अपात्र परिवारों की सूची तैयार है, यदि वे स्वयं अंतिम तिथि से पूर्व नाम नहीं हटवाते हैं तो एक जून से विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी। इसमें 27 रूपये प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अब खाद्य विभाग द्वारा सघन अभियान में गति लाते हुए सभी प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षकों को शेष रहे सक्षम व्यक्तियों के चिन्हीकरण का दायित्व दिया गया है। प्रवर्तन स्टाफ प्रत्येक उचित मूल्य दुकान के निरीक्षण के दौरान गिव-अप फार्म की अधिक से अधिक संख्या में उपलब्धता को प्राथमिकता देगा।

अजमेर उत्तर में नहीं रहेगी पेयजल समस्या, सड़कों का नेटवर्क भी होगा मजबूत : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष नें लोहागल में किया पानी की टंकी का लोकार्पण

विभिन्न वार्डों में सड़क विकास कार्यों का भी हुआ आगाज

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 9 मई को विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार ने अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 270 करोड़ रूपये की योजना की है। इसकी वित्तीय स्वीकृति भी जारी हो गयी है। जल्द काम शुरू होगा। आने वाले दिनों में अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र पेयजल के क्षेत्र में अग्रणी होगा। इसी तरह सड़कों का भी पूरा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। शहर की एक भी सड़क क्षतिग्रत नहीं रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को लोहागल में पानी की टंकी और पाइप लाईन कार्य का लोकार्पण किया। उन्होने शाम को विभिन्न स्थानों पर सड़क विकास कार्यों का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र में बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या का निराकरण करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है। क्षेत्र में 40 करोड़ रूपये की लागत से नालों का निर्माण किया जा रहा है। नाला निर्माण, कच्चे नाले पक्के होने और पानी की निकासी का रूट निश्चित होने से विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा एवं अन्य जल का भराव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र सशक्त, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक शहर बनेगा। सरकार ने अजमेर को प्राथमिकता के साथ बजट उपलब्ध करवाया है। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्ध है। इसके लिए सरकार ने गत दोनों बजटों में पर्याप्त महत्त्व दिया है। क्षेत्र में विकास की गंगा अनवरत बहती रहेगी। शहर के ड्रेनेज सिस्टम तथा सड़क निर्माण के लिए करोड़ों रूपये की राशि उपलब्ध करवाई गई है। प्रत्येक विकास कार्य के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़ी हुई सुविधाओं पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए जेएलएन चिकित्सालय मे विधानसभा अध्यक्ष हेल्प डेस्क स्थापित की गई। इसके माध्यम से मरीजों तथा परिजनों की सहायता की जाती है। सप्ताह के सातों दिन चौबीस घण्टे हेल्प डेस्क से लगातार आमजन लाभान्वित हो रहे है।

अल्प समय में ही 3 हजार से अधिक व्यक्तियों की सहायता की गई है। उन्होंने कहा कि जेएलएन चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज में नवीनतम तकनीक युक्त आधुनिक सुविधाओं से उपचार सुनिश्चित करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। इसके भवन के लिए 50 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। इससे भवन का जीर्णोद्धार एवं उन्नयन होगा। इसी प्रकार विकास के विविध आयामों के माध्यम से आमजन का जीवन आसान बनाने की दिशा में आगे भी कार्य जारी रहेंगे। इस दौरान जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्या केले के छिलके को चेहरे पर रगड़ने से सच में फायदा होता है?

खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाने की चाहत हर किसी को होती है। इसके लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में ही एक ऐसा घरेलू उपाय मौजूद है जो आपकी त्वचा को निखार सकता है? हम बात कर रहे हैं केले के छिलके की। सोशल मीडिया पर और कई घरेलू नुस्खों में यह दावा किया जाता है कि केले का छिलका चेहरे पर रगड़ने से त्वचा को कई तरह के फायदे मिलते हैं, लेकिन अब सवाल यह है- क्या वाकई में यह असरदार है, या सिर्फ एक भ्रम? आइए जानते हैं इस नुस्खे की सच्चाई और यह भी कि इसे इस्तेमाल कैसे करना चाहिए।

केले के छिलके में क्या होता है खास?

- केले के छिलके में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं।
- विटामिन सी और ई त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं।
- पोटैशियम: त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है।
- ल्यूटिन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स: त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।
- यही कारण है कि बहुत से लोग इसे नेचुरल स्किन केयर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं।

झुर्रियों में भी फायदेमंद

- कुछ रिसर्च यह सुझाव देती हैं कि एंटीऑक्सीडेंट्स की वजह से झुर्रियों की रेखाएं हल्की पड़ सकती हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

- पका हुआ केला लें: ताजे और पके केले का छिलका ज्यादा असरदार होता है।
- छिलके के अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करे: खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर।
- 15-20 मिनट तक छोड़ दें: फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।
- रोजाना या हफ्ते में 3-4 बार दोहराएं: बेहतर रिजल्ट्स के लिए कंसिस्टेंसी जरूरी है।

केले के छिलके से चेहरे पर रगड़ने के फायदे

- पिंपल्स और एक्ने में राहत : केले के छिलके में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन पर बैक्टीरिया को कम कर सकते हैं, जिससे पिंपल्स की समस्या घट सकती है।
- डार्क सर्कल और दाग-धब्बों में कमी : छिलके को आंखों के नीचे या दाग-धब्बों पर लगाने से उनमें धीरे-धीरे हल्कापन आ सकता है।

स्किन को पोषण मिलता है

छिलका त्वचा को सूखा नहीं करता, बल्कि उसे सॉफ्ट और मॉइस्चराइज बनाए रखता है।

क्या यह नुस्खा हर किसी के लिए सेफ है?

सामान्य तौर पर, केले का छिलका त्वचा के लिए सुरक्षित माना जाता है, लेकिन सेंसिटिव स्किन वाले लोगों को पहले पैच टेस्ट करना चाहिए। अगर जलन या खुजली हो, तो इस्तेमाल न करें।

क्या यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है?

अब बात करते हैं सबसे अहम सवाल की- क्या यह तरीका वैज्ञानिक रूप से भी साबित हुआ है? ऐसे में, बता दें कि फिलहाल इस नुस्खे पर सीमित मेडिरल रिसर्च ही हुए हैं। कुछ रिपोर्ट्स और स्किन एक्सपर्ट्स इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन मेडिकल साइंस में इसे पूरी तरह से प्रमाणिक नहीं माना गया है। इसका मतलब यह नहीं कि यह काम नहीं करता, लेकिन इसके रिजल्ट्स व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकते हैं।

क्या सच में फायदेमंद है केले का छिलका?

अगर आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स से बचना चाहते हैं और एक साधारण, सस्ता और घरेलू तरीका अपनाना चाहते हैं, तो केले का छिलका एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इसके कोई बड़े साइड इफेक्ट नहीं हैं और थोड़ी-बहुत मेहनत से आप अपनी स्किन को नेचुरली संवार सकते हैं।

ऊटी-मुन्नार भी हुआ पुराना, अब घूमने के लिए लोगों की पहली पंसद बन रहा कर्नाटक का यह हिल स्टेशन

कर्नाटक राज्य का हिल स्टेशन चिकमंगलूर, बेंगलुरु से 240 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे बेंगलुरु के करीब सबसे अच्छे हिल स्टेशनों में से एक माना जाता है। ये शहर अपने हरे-भरे जंगलों, खूबसूरत वादयों और ऊंची-ऊंची पहाड़ियों के लिए जाना जाता है।

कर्नाटक का कॉफी लैंड कहलाता है

चिकमंगलूर कॉफी की पैदावार के लिए जाना जाता है और इसे कर्नाटक का कॉफी लैंड भी कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भारत में सबसे पहले इसी इलाके में कॉफी की खेती की गई थी।

पूरे साल घूमने के लिए है बेस्ट

चिकमंगलूर एक खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट है और पूरे साल ही यहां जाया जा सकता है। यहां न तो बहुत गर्मी पड़ती है और न ही बहुत सर्दी। यहां काफी सारे तीर्थस्थल, वाइल्डलाइफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन हैं। साथ ही आप यहां कई सारे एडवेंचर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं।

कैसे पहुंच सकते हैं चिकमंगलूर

ये हिल स्टेशन काफी कनेक्टेड है। कर्नाटक के हर शहर से आप रेल या रोड मार्ग से यहां पहुंच सकते हैं। यहां तक जाने के लिए आपको हमेशा ही बस उपलब्ध होगी, जिससे मैसूर और बेंगलुरु से यहां पहुंचना काफी आसान हो जाता है। सिर्फ 4-6 घंटों का समय लगता है। आप ट्रेन की आरामदायक यात्रा कर सकते हैं। बेंगलुरु और मैसूर दो प्रमुख एयरपोर्ट हैं, जहां आप देश के कई हिस्सों से आसानी से यहां पहुंचा जा सकता है। बेंगलुरु से चिकमंगलूर की दूरी सड़क मार्ग से 243 किलोमीटर और हवाई मार्ग से 201 किलोमीटर है।

क्या देखें

- यहां आपको खूबसूरत पहाड़ियों से लेकर बेहतरीन वॉटरफॉल देखने को मिलेंगे।
- कालहट्टी फॉल इस शहर के सबसे सुंदर नजारों में से एक है।
- भद्रा वाइल्डलाइफ सेंचुरी तेंदुओं, बाघ और जंगली सुअरों का गढ़ है। जिन लोगों को वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी का शौक हैं, उनके लिए ये काफी अच्छी जगह है।
- यहां की मानव निर्मित हिरकोले झील प्रकृति प्रेमियों के लिए देखने लायक है।
- बाबा बुदन गिरी की चोटी तक पहुंचने के लिए आपको 450 से भी ज्यादा सीढ़ियां चढ़नी होती हैम, लेकिन यहां पहुंचकर आप यहां के खूबसूरत नजारों में खो जाएंगे।
- चिकमंगलूर से 29 किलोमीटर दूर बेलावाडी गांव है। यह गांव इतिहास में काफी महत्व रखता है। यहां की होयसला वास्तुकला सबसे बड़ा आकर्षण है।

बटरमिल्क फॉल भी कहते हैं

यहां के झारी वॉटरफॉल को बटरमिल्क फॉल भी कहते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों से बहता ये झरना नीचे आकर एक तालाबनुमा बेस भी बनाता है। यहां आप अपने निजी वाहनों से नहीं जा सकते, आपको चार किलोमीटर दूर पार्किंग एरिया में अपनी गाड़ी खड़ी करनी होगी। यहां से आपको वॉटरफॉल तक जीप मिल जाएगी।

कॉफी म्यूजियम भी है

कॉफी की धरती पर आपको कॉफी म्यूजियम भी मिलेगा। यहां आप कॉफी की खेती से लेकर उसकी कटाई और पिसाई तक की पूरी कहानी, कॉफी एक्सपर्ट से समझ सकते हैं। इसमें एक प्रयोगशाला भी है और काफी सारे दिलचस्प डिस्प्ले भी देखने को मिलते हैं।

बिना गिल्ट एंजॉय करना चाहते हैं हाउस पार्टी, तो मेन्यू में शामिल करें ये हेल्दी और टेस्टी टिक्की

पार्टी में स्वादिष्ट स्नैक्स का होना तो बेहद जरूरी ही है, लेकिन अक्सर तली-भुनी चीजें हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में हेल्दी टिक्कियां एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकती हैं, जो न सिर्फ स्वाद में कमाल की होती हैं, बल्कि पोषण से भरपूर भी होती हैं।

इन टिक्कियों को कम तेल में फ्राई किया जाता है, जिससे ये हल्की और आसानी से पचने वाली होती हैं। तो आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ बेहद टेस्टी और हेल्दी टिक्कियों के बारे में, जो आपकी पार्टी को और भी मजेदार बना देंगी।

मूंग दाल टिक्की

मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती है, जो टिक्की को हेल्दी बनाती है। इसे बनाने के लिए भीगी हुई मूंग दाल में हरी मिर्च, अदरक, धनिया और हल्का बेसन मिलाकर टिक्की तैयार करें और तवे पर हल्के तेल में फ्राई करें। इसे पुदीना या हरी धनिया की चटनी के साथ परोसे।

ओट्स और पालक टिक्की

ओट्स फाइबर और पालक आयरन से भरपूर होता है, जिससे यह टिक्की सेहत के लिए बेहतरीन होती है। ओट्स को भूनकर, पालक और उबले आलू के साथ मिलाकर टिक्की बनाएं और शैलो फ्राई करें।

सोया चंक्स टिक्की

सोया चंक्स प्रोटीन का शानदार स्रोत है। ऐसे में इन्हें उबालकर पीस लें और उसमें उबले आलू, धनिया, मटर और हल्के मसाले मिलाकर टिक्की बनाएं।

चुकंदर और ओट्स टिक्की

चुकंदर आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जिससे यह टिक्की इम्युनिटी को बूस्ट करती है। चुकंदर को उबालकर कद्दूकस करें, उसमें ओट्स और हल्के मसाले मिलाकर टिक्की बनाएं और तवे पर हल्का सेंकें।

मिक्स वेज टिक्की

इस टिक्की में गाजर, ब्रोकली, मटर और बीन्स जैसे हेल्दी सब्जियों को मिलाया जाता है, जिससे यह फाइबर और मिनरल्स से भरपूर होती है। इन सब्जियों को उबालकर मैश करें, थोड़ा सा बेसन मिलाएं और टिक्की बनाकर हल्का सेंक लें।

स्वीट पोटैटो टिक्की

शकरकंद फाइबर और विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत है। इसे उबालकर, उसमें धनिया, हरी मिर्च और हल्के मसाले मिलाकर टिक्की बनाएं और हरी चटनी या कैचअप के साथ गरमा गरम सर्व करें।

राजमा और क्विनोआ टिक्की

राजमा और क्विनोआ में हाई-प्रोटीन पाया जाता है, जिससे यह टिक्की मसल्स के लिए फायदेमंद होती है। उबले हुए राजमा और क्विनोआ को मैश करें, उसमें हल्के मसाले और थोड़ा-सा ब्रेडक्रंब मिलाकर टिक्की बनाएं और तवे पर सेंकें।

बाजरा और मेथी टिक्की

बाजरा फाइबर और आयरन से भरपूर होता है,और मेथी इसके पोषण को और बढ़ा देती है। बाजरे का आटा और बारीक कटी मेथी को मिलाकर इसमें हल्के मसाले डालें और टिक्की बनाकर तवे पर सेंक लें।

कैंसर के खतरे को भी किया जा सकता है कम

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है और सभी प्रकार के कैंसर में बचाव संभव नहीं, लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ हेल्दी बदलाव करके आप इसके होने के खतरे को कम जरूर कर सकते हैं।

कैंसर का नाम सुनते ही सबसे पहले जहन में यही ख्याल आता है कि जिंदगी यहीं खत्म हो गई। वैसे किसी व्यक्ति को कैंसर होने का खतरा कई बातों पर निर्भर करता है।

रिसर्च बताते हैं कि स्मोकिंग छोड़ने और वजन को सही रखने से कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। आप कुछ बुरी आदतों को छोड़कर अगर हेल्दी बदलाव अपनी लाइफस्टाइल में लाते हैं, तो आप कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के खतरे को भी टाल सकते हैं।

कैंसर के खतरे को कम करने के स्मोकिंग छोड़ना सबसे अच्छा बदलाव है। सिगरेट में मौजूद हानिकारक केमिकल्स सिर्फ फेफड़ों को ही नहीं, पूरे शरीर पर असर डालते हैं। इसके लिए निकोटीन रिप्लेसमेंट थैरेपी जैसे पैचेस, च्युइंगम और स्प्रे मौजूद हैं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर आप स्मोकिंग की लत को कुछ दवाओं की मदद से भी छोड़ सकते हैं।

वजन का संतुलित होना कई सारे स्वास्थ्य लाभ देता है और उसमें कैंसर के खतरे को कम करना भी शामिल है।

सेहतमंद खानपान से आप कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। फाइबर और हेल्दी प्रोटीन से भरपूर ढेर सारे फल और सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें। प्रोसेस फूड और रेड मीट को कम से कम खाएं। शराब का सेवन और हाई कैलोरी फूड्स और ड्रिंक्स से बचें।

तेजी से बढ़ने लगा है बोटोक्स का चलन

जानें इस ट्रीटमेंट से जुड़ी सभी जरूरी बातें

पहले बोटोक्स कराने वालों के नाम उंगलियों पर गिने जा सकते थे। लेकिन अब ये संख्या अनगिनत हो गई है। सोशल मीडिया के इस जमाने में बोटोक्स ट्रीटमेंट सिर्फ सेलिब्रिटी तक ही सीमित नहीं रह गया है। आम आदमी भी चेहरे को यंग और खूबसूरत दिखाने के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट करा रहा है। इतनी आसानी से उपलब्ध ट्रीटमेंट कराने को लेकर कुछ सावधानियां और जानकारी आपकी मदद कर सकती है।

किसमें कारगर है बोटोक्स इंजेक्शन

झुर्रियां कम करने में: बोटोक्स-टाइप इंजेक्टेबल, झुर्रियां और फाइन लाइन्स बनाने वाली मसल्स को रिलेक्स कर उन्हें कम कर सकता है। ये माथे, दोनों आईब्रो और आंखों के कोनों की झुर्रियों पर खासा असरदार है।

स्किन का टेक्सचर: झुर्रियां कम करने के साथ ही बोटोक्स-टाइप इंजेक्टेबल आपकी स्किन के पूरे टेक्सचर को बेहतर बनाता है। इससे आपकी स्किन ज्यादा कोमल और जवां नजर आती है।

क्या होता है बोटोक्स इंजेक्शन लगने के बाद

इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद ही आप अपने सामान्य काम कर सकते हैं, लेकिन आपके कॉस्मैटिक सर्जन या डर्मेटोलॉजिस्ट आपको एक्सरसाइज या ज्यादा मेहनत का काम करने से एक दिन ऑफ लेने की सलाह देंगे। पूरे दिन सिर को ऊपर की तरफ आराम की स्थिति में रखने को कह सकते हैं।

कितने समय तक रहता है असर

- बोटोक्स के इंजेक्शन का असर 3 से 6 महीने तक रहता है।
- इसे करवाने के बाद मरीज तुरंत ही अपने रोजमर्रा के काम आसानी से कर सकता है।
- झुर्रियों के साथ-साथ ये ट्रीटमेंट ज्यादा पसीना आने, नेक बैंड और कई अन्य समस्याओं में भी काम आता है।
- क्या करें बोटोक्स ट्रीटमेंट कराने के बाद
- बोटोक्स कराने के बाद कम से कम तीन से चार घंटे सीधे ही बैठने की कोशिश करें।
- इंजेक्शन वाले हिस्से को 12 घंटों तक न तो रगड़ें न ही मसाज करें। बोटोक्स लिक्विड होता है और अपनी जगह से थोड़ा खिसक सकता है। परिणाम में फर्क नजर आ सकता है।

इनमें भी काम आता है बोटोक्स ट्रीटमेंट

- बहुत पसीना आने पर: बोटोक्स का इंजेक्शन ऐसे लोगों के स्वेट ग्लैंड का कम एक्टिव कर देता है, जिन्हें ज्यादा पसीना आने की शिकायत होती है।
- गले की तिरछी लाइनें: अगर आपकी गर्दन पर स्थायी तौर पर तिरछी लाइनें बन गई हैं, तो बोटोक्स के इंजेक्शन उन मसल्स को रिलेक्स करती हैं, जिनकी वजह से ये होती हैं।

इंजेक्शन लगने वाले स्थान पर हल्की रेडनेस, सूजन और जख्म जैसा होना आम है।

ट्रीटमेंट का रिजल्ट 3 से 7 दिन में नजर आ सकता है, क्योंकि इसका असर हर रोगी, प्रोडक्ट के इस्तेमाल और जिस हिस्से में ट्रीटमेंट किया गया है, उस पर निर्भर करता है। अगर आप पहली बार ये इंजेक्शन ले रहे हैं, तो आपके कॉस्मैटिक सर्जन कम मात्रा में इंजेक्ट कर सकते हैं और उसके बाद के फॉलो अपसेशन में टच अप कर सकते हैं। ऐसा करने से उस हिस्से का ओवर-ट्रीटमेंट का खतरा कम हो जाता है और नेचुरल व सही रिजल्ट मिलते हैं।

सिर्फ अच्छा खाना और एक्सरसाइज ही नहीं, आपके रहने की जगह और जॉब भी डालती है सेहत पर असर

सिर्फ अच्छा खाना और जेनेटिक्स ही नहीं आपके घर की लोकेशन और नौकरी भी आपको हेल्दी रहने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं ये कैसे हमारी हेल्थ पर असर डालते हैं। जब भी बात सेहत की होती है, तो हम खानपान या एक्सरसाइज जैसी चीजों के बारे में बात करते हैं, लेकिन हम जिस जहां रहते हैं और जहां काम करते हैं, उसका भी काफी असर हमारी हेल्थ पर पड़ता है। ये कारण या तो आपकी सेहत को बेहतर बना सकते हैं या क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं।

अगर पौष्टिक खाना मिलता हो

हमारी सेहत के लिए सबसे जरूरी होता है सेहतमंद खाना। डायबिटीज और हार्ट की बीमारियों से भी इससे बचाव होता है। अगर आपको पौष्टिक भोजन आसानी से उपलब्ध नहीं है, तो आप कुछ ऐसी जगह तलाश सकते हैं जहां सस्ते दामों पर ताजा और पौष्टिक खाना मिल सकता है। आप अपने बच्चों के लिए भी ऐसे स्कूल देख सकते हैं, जहां कम कीमत पर ब्रेकफास्ट या दोपहर का खाना मिलता हो या फिर उसका कोई शुल्क न लगता हो।

वॉक के लिए जगह न हो

अगर आपका घर बिल्कुल सड़क किनारे हो और आपकी सोसाइटी में पार्क जैसी सुविधा न हो, तो आप मॉर्निंग वॉक का लाभ नहीं उठा पाएंगे और न ही आपके बच्चे शाम को खेलने का।

सुरक्षित और सस्ता घर

अगर आपके घर की सेहत अच्छी है, तो आपकी हेल्थ भी अच्छी होगी। आपका घर ज्यादा भीड़भाड़ वाले इलाके में है या घर के अंदर सीलन रहती है और धूप नहीं आती तो आपको सांस लेने में तकलीफ और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक अच्छा और सुरक्षित घर आपका तनाव तो दूर करता ही है, साथ ही आपकी सेहत भी दुरुस्त रखता है। ऐसे इलाके में जहां क्राइम ज्यादा हो या लूटपाट अक्सर होती रहती हो, तो आपको अपनी और अपने परिवार की चिंता सताती रहती है। अगर आपको किसी बेहतर लोकेशन में घर चाहिए, लेकिन आपका बजट उतना नहीं है, तो आप स्थानीय हाउसिंग प्रोजेक्ट या सरकारी योजनाओं वाले ऐसे घर ले सकते हैं, जिसमें बुनियादी सुविधाएं थोड़ी बेहतर हों। साथ ही सुरक्षा के बेहतर इंतजाम हों।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान www.badhatarajasthan.in
RNI NO. RAJHIN/2010/35060

अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए..विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता ही है...
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

करीब 237 करोड़ के विज्ञापन घोटाले में एससी में सुनवाई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के करीब 237 करोड़ के कथित विज्ञापन घोटाला मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बैंच ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई की। भजनलाल सरकार ने गहलोत सरकार के कार्यकाल में हुए मामले की जांच को जारी रखने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की हैं।

गहलोत सरकार ने इस मामले में जांच को बंद कर दिया था। प्रदेश में सरकार बदलते ही भजनलाल सरकार ने इस मामले में अपना रुख बदलते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिकाओं को वापस लेने का आवेदन दायर किया।

लेकिन हाईकोर्ट ने सरकार पर एक लाख का जुर्माना लगाते हुए कहा कि सरकार की नीतियां राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के अनुसार नहीं बदलनी चाहिए। जिसके खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की।

सोने की कीमत 99,100 रुपए पहुंची

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। शुक्रवार को स्टैंडर्ड सोने की कीमत 200 रुपए बढ़कर जहां 99 हजार 100 रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, चांदी प्रति किलो की कीमत 98 हजार के आंकड़े को पार कर गई है। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार दोनों देशों के बीच अगर इसी तरह के हालत रहे। सोने और चांदी दोनों की कीमत में और ज्यादा बढ़ोतरी हो सकती है।

जयपुर सर्राफा कमेटी की ओर से जारी भाव के अनुसार जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99 हजार 100 रुपए पर आ गई है। 22 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत 92 हजार 200 रुपए पहुंच गई है। सोना 18 कैरेट 79 हजार 900 रुपए प्रति दस ग्राम और 14 कैरट 63 हजार 400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी रिफाइन की कीमत 98 हजार 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है।

अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव के बीच मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक ली

आमजन की सुरक्षा और जरूरी व्यवस्थाओं के लिए पुलिस एवं प्रशासन 24 घंटे रहे मुस्तैद : भजनलाल शर्मा

प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने के निर्देश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक लेकर प्रशासनिक और आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभारी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी सचिवों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने और आवश्यकता के अनुरूप जरूरी संसाधनों की उपलब्धता एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राजस्थान की लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए प्रदेशवासियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसे देखते हुए आमजन सोशल मीडिया पर चलने वाले भ्रामक और अफवाह फैलाने वाली खबरों का प्रसार करने से बचें और सरकार द्वारा जारी अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रिपरिषद् की बैठक में आपात स्थिति के समय उठाए जाने वाले सभी आवश्यक कदमों और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए जरूरी दिशा-निर्देशों की स्थानीय प्रशासन द्वारा आवश्यक पालना करवाए जाने के संबंध में निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती जिलों में रिक्त पदों को तुरंत भरने का काम शुरू कर दिया है। बिजली, पेयजल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागों के साथ उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों के इन जिलों में रिक्त पदों को भरे जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर एवं श्रीगंगानगर जिलों में 5-5 करोड़ तथा जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फलौदी जिलों में 2.5-2.5 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रदान कर स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि का उपयोग आवश्यकतानुसार राहत एवं सहायता कार्यों में किया जा सकेगा। साथ ही, आपदा प्रबंधन मद से सभी जिलों में आवश्यक उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाने के लिए 19 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। आरएसी, एसडीआरएफ, बॉर्डर होमगार्ड इत्यादि की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासन को 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। इन जिलों में अतिरिक्त दमकल और एंबुलेंस की सेवाएं भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है।

पटेल ने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न, दवाईयों सहित अन्य जरूरी वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीमावर्ती जिलों में अधिक भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने का निर्णय भी किया गया। रात में आवश्यकतानुसार लाइट और सड़क तथा रेलमार्ग पर मूवमेंट को रोकने तथा आवश्यकतानुसार ब्लैकआउट को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। रक्तदान शिविर लगाने वाली संस्थाओं और रक्तदान करने वाले नियमित डोनरों को भी सक्रिय किया गया है। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई है कि वे प्रशासनिक निर्देशों और केन्द्र एवं राज्य सरकार की एडवाइजरी की पालना के लिए आमजन को प्रेरित करें तथा छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर रखते हुए अफवाहों को फैलने से रोकें।

जयपुर मेट्रो स्टेशन-ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी

बड़ी चौपड़ से मानसरोवर स्टेशन तक जांच में जुटी पुलिस

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर मेट्रो को बम से उड़ने की धमकी मिली है। शुक्रवार शाम जयपुर मेट्रो की मेल आईडी पर ईमेल आया। इसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जयपुर मेट्रो स्टेशन और ट्रेन दोनों को उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल पर मिली इस धमकी के बाद जयपुर मेट्रो और पुलिस प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। मानसरोवर से लेकर बड़ी चौपड़ तक सघन जांच अभियान शुरू कर दिया गया।

डीसीपी मेट्रो सुशील कुमार ने बताया- शुक्रवार दोपहर बाद एक धमकी भरा ईमेल मिला था। इसमें मेट्रो स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद से ही हमने एहतियातन रूप से सुरक्षा बढ़ा दी है। जयपुर के मेट्रो स्टेशनों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हालांकि इस दौरान मेट्रो के संचालक पर किसी तरह का प्रभाव नहीं पड़ा है। फिलहाल मेट्रो ट्रेन का संचालन यथावत जारी है।

एक दिन पहले एसएमएस स्टेडियम को उड़ाने की धमकी मिली थी

इससे पहले 8 मई को एसएमएस स्टेडियम को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन ने बताया था- सुबह 9:13 पर ईमेल आया था। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा तो उसमें स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा- ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। एसएमएस स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग को सर्च किया गया था। सर्च के दौरान कुछ भी नहीं मिला था।

बता दें की इससे पहले 3 अप्रैल को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी की गई थी। यहां करीब 200 कमरों की जांच के लिए बम स्क्वॉड और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को भी बुलाया गया था। करीब 2 घंटे के सर्च के दौरान किसी भी एजेंसी को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

20 फरवरी को एसएमएस मेडिकल कॉलेज को मिली थी धमकी

20 फरवरी को एसएमएस मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की ईमेल आईडी पर मैसेज आया था। 22 फरवरी की शाम को मेल खोला तो अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों ने जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी थी। इससे पहले 4 अक्टूबर को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ ही देशभर के 100 से अधिक एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की ऑफिशियल आईडी पर मेल भेजा गया था। मेल में लिखा था- दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से अकेले टक्कर लेते हैं। सब जगह होगा बूम...बूम...बूम। जांच के बाद टीम को कुछ नहीं मिला था।

बॉर्डर के जिलों में 336 रेजिडेंट डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाई

ड्रग कंट्रोल ऑफिसरों ने दवाईयों और सर्जिकल आइटम का जिलेवार मांगा स्टॉक

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए राज्य सरकार ने सीमावर्ती जिलों (बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर और फलोदी) में 336 सीनियर रेजिडेंट्स डॉक्टर्स कीड्यूटी लगाई है। इसके साथ ही ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सभी जिला ड्रग कंट्रोलरों से जिलेवार दवाइयों और सर्जिकल आइटम समेत ऑक्सीजन के स्टॉक का डेटा मांगा है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार ने आज विभाग के अधिकारियों की बैठक लेने के बाद सीमावर्ती जिलों के हॉस्पिटलों और मेडिकल-हेल्थ सेंटरों में विशेष व्यवस्थाएं करने के निर्देश देते हुए वहां तुरंत प्रभाव से रेजिडेंट्स की ड्यूटी लगाने के आदेश दिए।

इसके साथ ही उन्होंने हॉस्पिटलों उपकरणों की उपलब्धता और उनकी फंक्शनिंग, दवाइयों के स्टॉक और सप्लाई के बारे में भी जानकारी लेते हुए, संबंधित अधिकारियों को इन सामग्री की व्यवस्था का पूरा इंतजाम करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा कार्मिकों के लिए आवास और भोजन व्यवस्था

सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात होने वाले इन डॉक्टर्स के रहने के लिए मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल परिसर में मौजूद हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर में रहने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही तात्कालिक जरूरतों के लिए आपातकालीन धनराशि उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जयपुर में आईपीएल मैच स्थगित

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े टकराव के कारण बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग को टाल दिया है। हालांकि बीसीसीआई ने नई तारीखें नहीं बताई हैं। जयपुर के एमएमएस स्टेडियम में 16 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच मैच नहीं होगा। राजस्थान रॉयल्स के वाइस प्रेसिडेंट राजीव खन्ना ने बताया- भारत और पाकिस्तान विवाद के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल के आयोजन पर फिलहाल रोक लगाई है। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के अगले दो मैच भी नहीं होंगे। इनमें राजधानी जयपुर में होने वाला मैच भी शामिल है। खन्ना ने कहा कि भविष्य में आईपीएल का मुकाबला कब होगा। इसको लेकर हमारी फ्रेंचाइजी बीसीसीआई के फैसले का इंतजार करेगी।

जयपुर में 4 मैच खेले गए

जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का होम ग्राउंड है। जहां राजस्थान रॉयल्स के कुल पांच मैच का आयोजन होना था।

चित्तौड़गढ़ जिले में महत्वपूर्ण स्थानों को 'नो ड्रोन जोन घोषित'

चित्तौड़गढ़। भारत- पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में दुर्ग एवं सैनिक स्कूल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को 'नो ड्रोन जोन' घोषित किया गया है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आलोक रंजन ने शुक्रवार को जारी आदेश में बताया कि वर्तमान परिदृश्य को मद्देनजर रखते हुए जिले में स्थित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, संस्थानों परमाणु ऊर्जा संयंत्र, रावतभाटा (एनपीसीआईएल), न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्पलेक्स रावतभाटा (एनएफसी), भारी जल संयंत्र रावतभाटा (एचडब्ल्यूपी), राणा प्रताप सागर बांध रावतभाटा, हाईड्रोलिक पॉवर प्रोजेक्ट रावतभाटा, इंडियन ऑयल मार्केटिंग टर्मिनल (स्टोरेज एवं सप्लाई) जालमपुरा, श्रीसांवलिया जी मंदिर मण्डफिया, दुर्ग चित्तौड़गढ़ एवं सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है।

मेयर की अध्यक्षता में निगम हेरिटेज की पहली बैठक

सड़कों के नाम बदलेंगे, सामुदायिक भवनों की नई दरें तय, मृतक आश्रितों को मिलेगी नियुक्ति

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज की पहली कार्यकारी समिति की बैठक शुक्रवार को मेयर कुसुम यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों के नाम को बदलने के साथ ही मृतक आश्रितों को नियुक्ति देने का फैसला किया गया। इसके साथ ही बैठक में सामुदायिक भवनों को तीन कैटेगरी ए, बी और सी बांटकर उनकी नई रेट भी निर्धारित की गई।

मेयर कुसुम यादव ने कहा कि शुक्रवार नगर निगम हेरिटेज की पहली कार्यकारी समिति की बैठक सभी समिति चेयरमैन के साथ एक अच्छे माहौल में आयोजित की गई। इस बैठक में अनुकंपा नियुक्ति, शहर के प्रमुख सर्किल और सड़कों के नाम बदलने के साथ ही सामुदायिक भवन की रेट लिस्ट में संशोधन के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया गया है। वहीं नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र में रिक्त भूखंडों का सर्वे कर उनकी नीलामी का भी फैसला हुआ है। इसके साथ ही सभी समिति चेयरमैन के कहने पर अंकुर मिश्रा को अभियोजन स्वीकृति नहीं दी गई है।

बैठक में यह प्रस्ताव हुए पास

- मृतक आश्रित अनुकंपा नियुक्ति के कुल 21 मामले थे। जिनमें 20 प्रस्ताव पर चर्चा के बाद पारित किए गए।
- हेरिटेज निगम के ए श्रेणी के सामुदायिक केंद्र में विवाह आयोजन के एक दिन के लिए 10 हजार रुपए, सफाई शुल्क 2500 रुपए, जन्म दिवस और भजन कीर्तन के 3100 रुपए, तीये की बैठक के 1100 रुपए और ध्यान या योगाभ्यास के 500 रुपए प्रति घंटा लिए जाएंगे।
- बी श्रेणी के सामुदायिक केंद्रों पर विवाह के आयोजन के एक दिन के सात हजार रुपए, जन्म दिवस के 2100 रुपए, तीये की बैठक के 500 रुपए और ध्यान और योग शिविर के 350 रुपए लिए जाएंगे।
- सी श्रेणी के सामुदायिक केंद्रों पर शहरवासी विवाह आयोजन के लिए पांच हजार रुपए, जन्म दिवस आयोजन के लिए 1100 रुपए और तीये की बैठक के 500 रुपए दर पर आयोजन कर सकेंगे।
- ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे का प्रस्तावित नाम संत श्री दुर्बल नाथ महाराज चौराहा करने का फैसला किया गया।
- सामुदायिक केंद्र, मंडी खटीकान का प्रस्तावित नाम संत श्री दुर्बल नाथ महाराज सामुदायिक केंद्र करने का फैसला किया गया।
- केशव विद्यापीठ चौराहा, जामडोली का प्रस्तावित नाम केशव विद्यापीठ सर्किल करने का फैसला किया गया।
- गोल चक्कर का प्रस्तावित नाम संत तेउराम सर्किल करने का फैसला किया गया।
- वानिकी पथ का नाम विधिक सेवा पथ करने का फैसला किया गया।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com